हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती-12

जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश-12

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी- ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा-13

गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर : मुरलीधरन-14

आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.33
सूर्यास्त 06.46

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 10:52 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 1 मई 2026, वर्ष 7, अंक 156, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

काले कर्मों से राजमहल सजाने वाले कलंक : योगी

विशेष सत्र में महिला सशक्तीकरण पर योगी का विपक्ष पर वार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महिला सशक्तीकरण पर चर्चा के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग "काले कर्मों से राजमहल सजाते हैं, वही इतिहास में कलंक बन जाते हैं" और महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बाधा डालकर विपक्ष ने यही भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्ताव को गिराकर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत अन्य दलों ने देश और महिलाओं की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं, तब उन्हें केवल योजनाओं तक सीमित रखना उचित नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण और कानून निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश विधानसभा में 11-12 प्रतिशत है। ऐसे में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने से आधी आबादी को वास्तविक प्रतिनिधित्व मिलेगा और महिला मुद्दों पर प्रभावी निर्णय संभव हो सकेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ उन्हें आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्षम बनाना है। इसी उद्देश्य से सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया है और इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

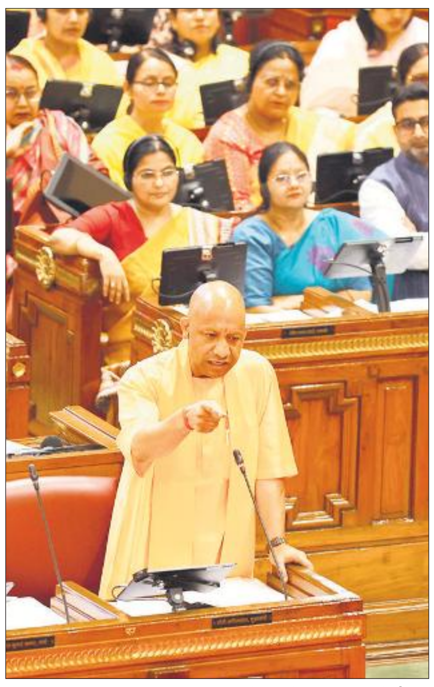

विधानसभा के विशेष सत्र में सदन को सम्बोधित करते योगी।

- सीएम बोले- महिलाओं को वेलफेयर नहीं, अब नीति-निर्धारण में भागीदारी

महिलाओं के श्राप से कांग्रेस की दुर्गति, अब सपा उसी राह पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं के साथ किए गए व्यवहार के कारण कांग्रेस की दुर्गति हुई और अब समाजवादी पार्टी भी उसी राह पर बढ़ रही है। उन्होंने सपा-कांग्रेस के आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो दल महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति संवेदनशील नहीं रहे, वे आज राजनीतिक मजबूरी में आरक्षण की बात कर रहे हैं।

सपा का आचरण देख गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आप लोगों के आचरण को देखकर गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी हो जाएगा। संसद में एक रंग और विधानसभा में दूसरा रंग। दिल्ली से लखनऊ पहुंचते ही आप रंग बदल लेते हैं। अब यहां आकर आप 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात कर रहे हैं, जबकि लोकसभा में इसका विरोध किया था। आपका चेहरा बोलने का कुछ और, और दिखाने का कुछ और है। अनावश्यक मुद्दे उठाकर नैरेटिव बदलने का प्रयास करते रहते हैं, लेकिन पूरा देश आपकी हरकतों को जानता है।

जन्मजात महिला-विरोधी हैं कांग्रेस और सपा

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल जन्मजात महिला-विरोधी हैं। उनकी रग-रग में नारी का अपमान भरा हुआ है। जब भी सपा को प्रदेश में सत्ता मिली, महिलाओं पर अत्याचार और क्रूर घटनाओं ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। हर व्यक्ति जानता है कि सपा सरकार के समय 'देख सफाई, बिटिया घबराई' जैसे स्लोगन बन गए थे। स्टेट गेस्ट हाउस कांड हो या अन्य महिला संबंधी अत्याचार, इनकी छवि जगजाहिर है।

दोनों सदनों से सपा-कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

- पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन, लेकिन मजहबी आधार पर विरोध करेगी भाजपा
- वेल में नारेबाजी, पोस्टर और टकराव के बीच दिनभर गरमाया रहा सदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र में गुरुवार को सियासत अपने चरम पर रही। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बुलाए गए इस एकदिवसीय सत्र में सत्ता पक्ष ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव दोनों सदनों से ध्वनिमत से पारित करा लिया। दिनभर चले सत्र में वेल में नारेबाजी, पोस्टर प्रदर्शन और तीखे आरोपों के बीच सदन का माहौल बार-बार गरमाता रहा।

सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा में हंगामे के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निंदा प्रस्ताव रखते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने महिलाओं को हर क्षेत्र में अवसर दिए हैं, लेकिन उन्हें जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व अभी नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पारित किया गया, लेकिन संसद में इसके क्रियान्वयन में कांग्रेस-सपा समेत इंडी गठबंधन के दलों ने बाधा उत्पन्न की, जिसकी यह सदन निंदा करता है। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। सपा विधायकों ने प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इसके जवाब में भाजपा की महिला विधायकों ने पैदल मार्च करते हुए विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की और तख्तियां लेकर सदन में पहुंचीं। हालात इतने तीखे हो गए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना को अपने विधायकों को शांत कराना पड़ा, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। अपने समापन वक्तव्य में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सामाजिक न्याय की पक्षधर है और अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन करती रही है, लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण का विरोध करती रहेगी।

लखनऊ :विधान भवन के सामने प्रदर्शन करतीं भाजपा महिला विंग की कार्यकर्ताएं। ● अमृत विचार

मौलवियों के सामने नाक रगड़ना सपा-कांग्रेस की प्रवृत्ति : योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी ने विधानमंडल का विशेष सत्र शुरू होने से पहले गुरुवार को प्रेसवार्ता में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'मौलवियों के सामने नाक रगड़ना' सपा-कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है। इनका राजनीतिक चरित्र महिला विरोधी रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संशोधन का विरोध कर विपक्ष ने एक बार फिर अपनी मानसिकता उजागर की है। इसी के विरोध में निंदा प्रस्ताव लाने और चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम ने शाहबानों प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दलों का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड परीक्षा 2027 तक टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वकालत के लिए अनिवार्य 'एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड' (एओआर) परीक्षा 2026 को निरस्त कर दिया गया है। अब यह परीक्षा अगले साल आयोजित की जाएगी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के परीक्षा सेल ने आधिकारिक नोटिस जारी कर यह जानकारी दी। रजिस्ट्रार और परीक्षा बोर्ड के सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड की कुल संख्या और उनकी कार्यक्षमता को देखते हुए इस साल परीक्षा न कराने का फैसला लिया गया है।

ब्रह्मोस: राजस्व 5200 करोड़ के पार

नई दिल्ली : रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीओ के अनुसार, ब्रह्मोस एयरोस्पेस का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 5,200 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। साथ ही, कंपनी को इसी अवधि में 4,000 करोड़ रुपये के दो बड़े निर्यात ऑर्डर भी मिले हैं।

आईसीएसई रिजल्ट: छात्राओं का शानदार प्रदर्शन, 99% से अधिक विद्यार्थी सफल

एक नजर में परिणाम

परीक्षार्थी : 3,62,037
उत्तीर्ण (10वीं) : 2,56,590
उत्तीर्ण (12वीं) : 1,02,414

नई दिल्ली, अमृत विचार नेटवर्क

भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (CISCE) ने गुरुवार को कक्षा 10वीं (ICSE) और 12वीं (ISC) के वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस साल भी छात्राओं ने अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई में 99.18% और आईएससी में 99.13% परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष परीक्षा में शामिल होने वाले कुल 3.6 लाख से अधिक विद्यार्थियों में से अधिकांश ने सफलता हासिल की है। 10वीं में 2,58,721 परीक्षार्थी बैठे थे, जिनमें से 2,56,590 उत्तीर्ण हुए। 12वीं में 1,03,316 परीक्षार्थियों में से 1,02,414 सफल रहे। दोनों ही बोर्ड परीक्षाओं में छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत छात्रों से अधिक रहा। 10वीं में 99.46% छात्राएं सफल रहीं, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.93 रहा। 12वीं में 99.48% छात्राओं ने सफलता पाई, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.81 रहा। इस वर्ष आईसीएसई की परीक्षा 67 विषयों में और आईएससी की परीक्षा 45 विषयों में आयोजित की गई थी। आईसीएसई में मात्र 2,131 छात्र अनुत्तीर्ण हुए, वहीं आईएससी में यह संख्या केवल 902 रही।

श्रेणीवार उत्तीर्ण प्रतिशत

श्रेणी	आईसीएसई (10वीं)	आईएससी (12वीं)
सामान्य	99.26%	99.17%
अन्य पिछड़ा वर्ग	99.24%	99.12%
अनुसूचित जाति	98.76%	98.77%
अनुसूचित जनजाति	98.07%	98.84%

ओजस्वित बने नेशनल टॉपर

कानपुर। शीलिंग हाउस स्कूल के छात्र के ओजस्वित पसरीचा ने आईएससी (बारहवीं) में सौ फीसदी अंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर टॉप किया है। शहर के आजाद नगर निवासी ओजस्वित को इंग्लिश, कंप्यूटर, मैथ और कमेस्ट्री में सौ फीसदी अंक हासिल हुए हैं। ओजस्वित अब इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में दाखिले के लिए तैयारी कर रहे हैं।

सड़क किनारे चारपाई पर सो रहे पिता-पुत्री को कार ने रौंदा, मौत

संभल, अमृत विचारः जुनावई थाना क्षेत्र में मेरठ-बदायूं मार्ग पर मंगलवार देर रात तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर चारपाई पर सड़क किनारे सो रहे पिता और मासूम पुत्री को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

तहसील गुन्नौर के थाना जुनावई क्षेत्र के गांव दुवारी कलां में सलीम (40) और उनकी आठ वर्षीया पुत्री अलशिफा रोज की तरह घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। देर रात करीब 12:30 बजे बदायूं नंबर की एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे आ गई और घर के बाहर चारपाई पर सो रहे सलीम (40) और उनकी पुत्री अलशिफा को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारपाई के परखच्चे उड़ गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद भी कार नहीं रुकी और आगे जाकर बिजली के खंभे और एक ई-रिक्शा से टकरा गई। दुर्घटना के बाद चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। परिजन घायल पिता-पुत्री को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता, वह बच्ची है... उसे मां मत बनाओ

नई दिल्ली, एजेंसी/ अमृत विचार ब्यूरो

एक 15 साल की बच्ची, जिसे इस वक्त स्कूल की बेंच पर होना चाहिए था, हम उसे मां बनने के लिए मजबूर करना चाहते हैं? उस बच्ची की पीड़ा और अपमान की कल्पना कीजिए, जो लोकलाज के डर से दो बार मौत को गले लगाने की कोशिश कर चुकी है।

उच्चतम न्यायालय ने यह झकझोर देने वाली टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार को कहा कि वह दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए गर्भपात कानून में व्यापक बदलाव करे। अदालत ने दोटूक कहा कि बलात्कार जैसी वीभत्स त्रासदी झेल चुकी पीड़िताओं पर 20 या 24 सप्ताह की समय सीमा के बाद भी अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एम्स की उस पुनर्विचार याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें एक नाबालिग की 30 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने के अदालती आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए गहरा मानसिक आघात और असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ेगी।

अदालत का कड़ा रुखः 'डॉक्टर सेवा दें, शासक न बनें': सुनवाई के दौरान जब एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि 30 सप्ताह का भ्रूण अब 'जीवित जन्म' की स्थिति में है और इसे गोद दिया जा सकता है, तो अदालत ने इसे 'अमानवीय' करार दिया। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, "नागरिकों के जीवन के फैसले लेना अस्पताल का काम नहीं है।

प्रजनन स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता : अदालत ने दोहराया कि मां बनने वाली महिला की प्रजनन स्वायत्तता सर्वोपरि है। यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए मानसिक आघात और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ेगी। एम्स को निर्देश दिया कि वे बच्ची के माता-पिता की काउंसलिंग करें, लेकिन यदि वे गर्भपात पर कायम रहते हैं, तो पूरी प्रक्रिया बिना किसी देरी के पूरी की जाए। अदालत ने याद दिलाया कि यह मामला साधारण नहीं है।

- दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए कानून बदले केंद्र, समय सीमा की बेड़ियां खत्म हों: सुप्रीम कोर्ट

अदालत की बड़ी बातें

1. हम एक बच्ची पर मातृत्व थोपकर उसे उस उम्र में मां बनाना चाहते हैं जब उसे पढ़ाई करनी चाहिए।
2. सड़कों पर पहले से ही कई परित्यक्त बच्चे हैं, माफिया सक्रिय हैं। हम एक और अनचाहे जन्म के लिए किसी को मजबूर नहीं कर सकते।"
3. गर्भावस्था के हफ्ते बीत जाने के आधार पर अनुमति न देना 'शारीरिक स्वायत्तता के अधिकार' को निरर्थक बना देता है।"

क्या है वर्तमान गर्भपात कानून

गर्भपात कानून (MTP Act, 2021) के तहत 20 सप्ताह तक डॉक्टर की सलाह पर गर्भपात कराया जा सकता है। 20 से 24 सप्ताह तक विशेष श्रेणियों (जैसे दुष्कर्म पीड़िता, नाबालिग, दिव्यांग महिलाएं, या विधवा/तलाकशुदा) के लिए दो डॉक्टरों की अनुमति अनिवार्य है। 24 सप्ताह के बाद गर्भपात की अनुमति नहीं है। केवल तभी संभव है जब राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड भ्रूण में गंभीर विकृति की पुष्टि करे। यदि मामला दुष्कर्म का है और गर्भ 24 सप्ताह से अधिक का हो चुका है, तो वर्तमान कानून में स्पष्ट प्रावधान न होने के कारण पीड़िताओं को अक्सर हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।

ईरान की दो टूक... परमाणु कार्यक्रम से समझौता नहीं

दुबई, एजेंसी

- खाड़ी में अमेरिका की जगह सिर्फ 'पानी की तह' में: अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई

ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने अमेरिका को सीधी सैन्य और रणनीतिक चुनौती देते हुए परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को ईरान की 'अमिट राष्ट्रीय पहचान' करार दिया है। गुरुवार को जारी एक कड़े लिखित बयान में उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी वैज्ञानिक और रक्षा संपत्तियों से रत्ती भर भी समझौता नहीं करेगा। खामेनेई ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि फारस की खाड़ी में अमेरिकियों के लिए कोई जगह नहीं है और यदि वे दखल देते हैं, तो उनकी जगह केवल 'समुद्र की गहराइयों' (पानी की तह) में होगी।

खामेनेई का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस रणनीति को बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसमें वे युद्धविराम को स्थायी बनाने के लिए ईरान पर अधिकतम दबाव डाल रहे हैं।

युद्धविराम की कोशिशों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे बड़ा फ्लैशपॉइंट बना हुआ है। अमेरिकी नौसेना ने ईरानी तेल टैंकरों की नाकेबंदी कर रखी है, जिसके जवाब में ईरान ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर कड़ा नियंत्रण कर लिया है। इस तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। दुनिया के तेल और गैस व्यापार का लगभग 20% इसी मार्ग से गुजरता है।

अलग-अलग सड़क हादसों में नव विवाहिता समेत आठ लोगों की मौत, तीन गंभीर घायल

संवाददाता, खुटार/पुवायां

- शाहजहांपुर-पलिया हाईवे पर टैंकर ने कार को मारी टक्कर, चार की मौत
- दूसरे हादसे में पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत

अमृत विचार : अलग-अलग सड़क हादसों में नव विवाहिता और दंपती समेत आठ लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। शाहजहांपुर-पलिया रोड पर टैंकर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में नव विवाहिता समेत चार लोगों की मौत हो गई। कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं पलिया हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दंपती और दो बच्चों की मौत हो गई।

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव अगौना खुर्द निवासी अनिल वर्मा ने बताया कि उनके इकलौते बेटे रुहबिल वर्मा की शादी 25 अप्रैल को खुटार के गांव पिपरिया भागवत निवासी रामनरेश की पुत्री कल्पना वर्मा (22) से हुई थी। गुरुवार को अनिल वर्मा अपनी बहन रीता वर्मा, अनिमेष उर्फ सार्थक वर्मा निवासी बरबर थाना मोहम्मदी, श्रेष्वी वर्मा निवासी पुरैना पुवायां, आयांश वर्मा निवासी महमदपुर खीरी, 30 वर्षीय निर्देश वर्मा निवासी उधनापुर खीरी के साथ पुत्र वधू की दूसरी विदा कराकर घर वापस आ रहे थे तभी रौतापुर कला गांव के सामने डीजल भरे टैंकर ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार पलट गई। कार में सवार कल्पना वर्मा, रीता वर्मा (32) और श्रेष्वी वर्मा (20) की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अनिल वर्मा, निर्देश, अनिमेष उर्फ सार्थक को सीएचसी भेज दिया। हालत गंभीर होने पर निर्देश वर्मा को मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

दूसरा हादसा पलिया स्टेट हाईवे पर मैनारी गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार निगोही के मोहल्ला रामनगर बगिया निवासी अरुण कुमार (40) की ससुराल पुवायां के गांव सिरखिड़ी में है। गुरुवार को अरुण अपनी पत्नी सीमा (35) बेटी दीक्षा (8) और बेटे नैतिक (6) के साथ अपने घर निगोही बाइक से आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक पुवायां थाना क्षेत्र के भूड़ा मैनारी ओवरब्रिज के पास पहुंची वैसे ही तेज गति से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया।

न्यूज ब्रीफ

उर्स में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़

परौर, अमृत विचार : क्षेत्र के कौही गांव में आयोजित होने वाला हज़रत नवाब अली खां साहब का ऐतिहासिक उर्स व मेला इन दिनों पूरे शबाब पर चल रहा है। सौ वर्षों से भी अधिक पुरानी इस परंपरा में दूर-दराज से आए अकीदतमंद बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। कब्बाली और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों से माहौल सूफियाना रंग में रंगा हुआ है। आयोजन की व्यवस्थाओं में गांव व क्षेत्र के लोग सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्रधान कौही रऊफ खां उर्फ विक्की ने बताया कि यह उर्स हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है, जिसे हर वर्ष पूरे सम्मान और भव्यता के साथ आयोजित किया जाता है।

युवती के अपहरण के मामले में रिपोर्ट दर्ज

जैतीपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के गढ़िया रंगीन के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी 19 वर्षीय बहन के अपहरण का मामला दर्ज कराया। बताया कटरा थाना क्षेत्र के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी राशिद अली 28 अप्रैल की दोपहर उसकी बहन को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। कहा वह हरियाणा में एक ईंट-भट्टे पर काम करने गया था, जहां राशिद अली भी कार्यरत था। इसी दौरान दोनों की जान-पहचान हुई थी। थाना प्रभारी हरकेश सिंह ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। युवती को जल्द ही बरामद कर लिया जाएगा।

मजदूर दिवस पर श्रमिक संगठन करेंगे प्रदर्शन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर 1 मई को विभिन्न श्रमिक संगठन रैली, प्रदर्शन और ज्ञापन देंगे। असंगठित मजदूर यूनियन के बैनर तले 1 मई को पूर्वान्ह 11:00 बजे से असंगठित श्रमिकों का जुलूस गर्रा पुल गांधी पार्क शाहजहांपुर में एकत्र होंगे तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरान्त जुलूस गर्रा पुल से प्रारम्भ होकर चार खंभा रोड से चौक मंडी होते हुए कच्चा कटरा मोड़ से घंटाघर से मशीनरी मार्केट, बहादुरगंज, सदर बाजार चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेगा। यह जानकारी संगठन के पदाधिकारी आफताब अली ने दी। उन्होंने बताया कि कलेक्ट्रेट में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम दो ज्ञापन जिलाधिकारी को देने के बाद जुलूस का समापन होगा।

पेड़ गिरने से चाचा-भतीजा घायल

पुवायां, अमृत विचार : सिंधौली निवासी नरवीर भतीजे गुरविंदर के साथ बाइक से घर जा रहे थे। रास्ते में ठेकेदार सड़क किनारे पेड़ कटवा रहा था। इसी दौरान पेड़ गिरने से चाचा भतीजे घायल हो गए।

10 वीं में विपुल और 12 वीं में अशर रहे जिला टॉपर

रिजल्ट देख खुश हुए मेधावी, परिजनों और स्कूलों में टॉपर्स को खिलाई मिठाई, मेधावियों का कॉलेजों में किया गया स्वागत

आईसीएसई रिजल्ट

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस ने बृस्पतिवार को कक्षा 10वीं व 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए। 10 वीं में होली एंजिल के छात्र विपुल अवस्थी ने 93.40 प्रतिशत अंकों के साथ जिला टाप किया। जबकि कक्षा 12वीं में एनटीआई के अशर उर रहमान खां ने 95.01 प्रतिशत के साथ जनपद टॉप किया है। छात्रों की सफलता से स्कूल और परिवार में खुशी का माहौल है।

आईसीएसई बोर्ड की 10वीं परीक्षा में जिले में होली एंजिल के छात्र विपुल अवस्थी ने 93.40 प्रतिशत अंकों के साथ जिला टॉप किया है। इसी स्कूल के आयुष राजपूत 91.4 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे नंबर पर रहे। जिले में तीसरा स्थान एनटीआई की छात्रा यशी शुक्ला ने 88.4 प्रतिशत अंक लेकर प्राप्त किया। बृहस्पतिवार को आईसीएसई बोर्ड ने रिजल्ट जारी किया। 10वीं और 12वीं के छात्रों को काफी समय से परीक्षा परिणाम का इंतजार था। जैसे ही रिजल्ट घोषित हुआ छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ गया। छात्रों ने अपना रिजल्ट जानने के लिए इंटरनेट का सहारा लिया। बोर्ड की वेबसाइट पर अपना रोल नंबर डालकर अपना रिजल्ट देखा। सफल होने वाले छात्र खुशी से उछल पड़े। स्कूल में छात्रों को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई।

आईसीएसई बोर्ड के जिले में होली एंजिल स्कूल और एनटीआई इंटर कालेज दो स्कूल हैं। होली एंजेल स्कूल की प्रधानाचार्य सिस्टर के फातिमा ने बताया कि दसवीं में विपुल अवस्थी ने 93.40 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में टॉप किया है। जबकि आयुष राजपूत 91.40 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में दूसरे नंबर पर रहे। वहीं एनटीआई की छात्रा यशी शुक्ला 88.4 प्रतिशत अंक के साथ जिले में तृतीय स्थान पर रही।

एनटीआई की पल्लवी सिंह 83.4 प्रतिशत के साथ चौथे, होली एंजेल स्कूल की दिव्यांशी सिंह 83 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवे नंबर पर रही। इसी स्कूल के सत्यम चौहान 81.4 प्रतिशत अंकों के साथ छठे नंबर पर रहे। सातवें नंबर पर एनटीआई के हुजैफा रहे। उन्होंने 81.0 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। होली एंजिल की वंशिका बाबू ने 80.60 प्रतिशत अंक लेकर जिले में आठवां स्थान पाया। एनटीआई के छात्र दीपक द्विवेदी ने 80.2 प्रतिशत अंकों के साथ नवां और अर्शप्रीत कौर ने 80.0 प्रतिशत के साथ दसवां स्थान हासिल किया।

एनटीआई मे मेधावी छात्रों का सम्मान करते शिक्षक। ● अमृत विचार

हाईस्कूल के टॉपर

विपुल अवस्थी।

आयुष राजपूत।

दिव्यांशी सिंह।

सत्यम चौहान।

इंटरमीडिएट के टॉपर

अशर रहमान खां।

हुमा खान।

आयुष सागर।

आंचल वर्मा।

12 वीं में हुमा खान बनी दूसरे नंबर की टापर

आईसीएसई बोर्ड की 12 वीं परीक्षा में कक्षा 12वीं में एनटीआई के अशर उर रहमान खां ने 95 .01 प्रतिशत के साथ जनपद टॉप किया है। जबकि इसी कालेज की हुमा खान ने 92 .00 प्रतिशत के साथ दूसरा, आयुष सागर और आंचल वर्मा ने संयुक्त रूप से 91 .0 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। फैसल खान ने 90 प्रतिशत के साथ चौथा स्थान पाया। जबकि पांचवे स्थान पर होली एंजिल की श्वेता गौतम ने 87 .50 प्रतिशत के साथ हासिल किया।

कब्जा करने का विरोध करने पर किया हमला

तिलहर, अमृत विचार : जमीन पर कब्जा करने का विरोध करने पर दबंगों ने युवक को पीटकर घायल कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कस्बा के मोहल्ला मीरगंज निवासी अलीमुद्दीन ने बताया कि वह नगर के मोहल्ला कुंवरगंज निवासी सुमन गुप्ता पत्नी स्व. राकेश कुमार गुप्ता के यहां नौकरी करता है। बीती 28 अप्रैल को शाम करीब पांच बजे हिन्दूपट्टी अंदर चुंगी स्थित सुमन की दुकान पर वह बैठा था। तभी मोहल्ला पक्का कटरा निवासी हारून शाह ने सुमन गुप्ता की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर अंजाम भुगतने की धमकी देकर मौके से चला गया। 28 अप्रैल की रात लगभग नौ बजे हारून बांका लेकर साथियों के साथ घुस आया और उस पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह उसका पौत्र अहद घायल हो गए। पुलिस ने हारून शाह व फैजान शाह, शब्बन शाह, हसीब, जमीर हसन, चांद हसन के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया है।

टूटे भवन के स्थान पर बना लिया आम रास्ता

प्लेटफार्म एक पर जाने के लिए बना आम रास्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म एक पुराना जीआरपी थाना के भवन को तोड़ दिया। रेलवे प्रशासन ने यहां पर गेट न बनाए जाने यात्रियों ने आम रास्ता बना लिया है। रेलवे स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया में सौंदर्यीकरण को लेकर रेल प्रशासन ने पुराना जीआरपी थाना और पुराना आरएमएस तोड़ दिया है। जीआरपी थाना पुराना आरपीएफ थाना भवन में शिफ्ट हो गया है और आरपीएफ थाना नए भवन में शिफ्ट हो गया है। साथ ही आरएमएस आरपीएफ थाना के पड़ोस में शिफ्ट हो गया है। रेलवे के अधिकारियों के निर्देश पर ठेकेदार ने 15 दिन पूर्व पुराना जीआरपी थाना और पुराना आएमएस भवन तोड़ दिया था। भवन को तोड़ा गया सारा मलवा सर्कुलेटिंग एरिया में पड़ा है, जो प्लेटफार्म एक से मिला हुआ है। भवन तोड़ दिए जाने से नया कोई कार्य नहीं किया गया है। यात्रियों ने इसे आम रास्ता बना लिया है।

लाठी-डंडों से मारपीट, दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

परौर, अमृत विचार : थाना परौर क्षेत्र के विराम नगला गांव में आपसी विवाद में एक व्यक्ति को पीट दिया। पीड़ित सिपाही राम ने थाने में तहरीर देकर गांव के ही दो लोगों पर आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार, 28 अप्रैल की सुबह करीब 6 बजे वह अपने खेत के पास चारपाई पर सो रहा था। तभी गांव के ही नन्हे और उसकी पत्नी नेमवती पहुंचे और अचानक लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आई उसकी पत्नी मान देवी को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा और उसकी भी पिटाई कर दी। थानाध्यक्ष रामेन्द्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रथम कुलपति की नियुक्ति की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : मुमुक्षु शिक्षा संकुल के अंतर्गत संचालित पांच शिक्षण संस्थानों को शासन द्वारा उच्चीकृत कर स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय का स्वरूप दिए जाने के बाद अब इसके प्रथम कुलपति की नियुक्ति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी क्रम में स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज के शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

ज्ञापन में शिक्षक संघ ने मांग उठाई कि नवगठित विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति के रूप में ऐसे वरिष्ठ एवं अनुभवी प्रोफेसर की नियुक्ति की जाए, जो इन शिक्षण संस्थानों से गहराई से जुड़ा होने के साथ ही मुमुक्षु आश्रम की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सनातन एवं नैतिक परंपराओं से भली-भांति परिचित हों।

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते शिक्षक। ● अमृत विचार

● **कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षाविद को कुलपति नियुक्त करने की उठाई मांग, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन**

शिक्षक संघ का मानना है कि विश्वविद्यालय की सुदृढ़ नींव रखने एवं उसे गतिमान करने के लिए ऐसे कुलपति का होना नितांत आवश्यक है, जो संस्थान की मूल भावना और परंपराओं को समझते हुए उसे नई ऊंचाइयों तक ले जा सके। ज्ञापन के माध्यम से यह भी अपेक्षा जताई गई है कि शासन स्तर पर इस विषय में गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। इस पहल को लेकर शिक्षकों में उत्साह का माहौल है और वे विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रो आदित्य सिंह, डॉ आलोक कुमार सिंह, प्रो कमलेश गौतम, डॉ शिशिर शुक्ला, डॉ बरखा सक्सेना, डॉ अजय कुमार वर्मा, डॉ. संतोष प्रताप सिंह, डॉ.रूपक श्रीवास्तव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ पूजा बाजपेई, डॉ सचिन खन्ना, बृजलाली, व्याख्या सक्सेना, मृदुल शुक्ला, पोथीराम, डॉ.पदमजा मिश्रा, डॉ दीपक दीक्षित, डॉ संदीप दीक्षित सहित कॉलेज के अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : संसद में महिला आरक्षण बिल न पास होने के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने इंडिया गठबंधन के विरोध में जमकर नारेबाजी की। विपक्षी नेताओं को महिला विरोधी बताया।

गुरूवार को भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष रोशनी वाल्मीकि के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता अटल चौक पर एकत्र हुए और संसद में महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वाले विपक्ष के नेताओं के विरुद्ध जमकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान नेता विपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंक दिया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय शंकर अवस्थी सोनू ने कहा कि कांग्रेस, सभा सहित सभी विपक्षी दलों के नेताओं की मानसिकता महिला विरोधी है। सांसद में महिला आरक्षण बिल का विरोध करने से उजागर हो गया है।

राहुल गांधी का पुतला दहन करने के बाद प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

● **कार्यकर्ताओं ने जमकर की नारेबाजी**

भाजपा नेता देवेश गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि कांग्रेस, सपा महिलाओं के वोट तो चाहती है लेकिन आधी आबादी को उनका हक देना नहीं चाहती है।

इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष देव पटेल, मीना वर्मा, सोनी देवी, तारा देवी, सुनीता, अखिलेश मिश्र, रोहित वाल्मीकि सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विपक्षी पार्टियों का विरोध जताते हुए किया पुतला दहन

तिलहर, अमृत विचार : लोकसभा में नारी शक्ति बंधन अधिनियम का विरोध करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विपक्षी पार्टियों का विरोध जताते हुए पुतला दहन किया। भारतीय जनता पार्टी नगर व ग्रामीण मंडल कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने पर विपक्षी पार्टियों का जन आक्रोश मार्च निकालकर नारी शक्ति के साथ फतेहपुर गैसरा, मोहद्दीपुर में पुतला दहन किया। इस दौरान ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रेमपाल सिंह, महामंत्री आशीष अवस्थी, पुष्पेंद्र सिंह, मंडल उपाध्यक्ष मिथिलेश्वर सिंह, मीना शर्मा आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत पुलिस जांच में जुटी

रौजा / रौसर कोठी, अमृत विचार : थाना रोजा क्षेत्र के ग्राम बिलांदपुर गोटिया में गुरुवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान शेष लता पत्नी राजकपूर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना रोजा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के साथ फील्ड यूनिट टीम ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है। वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिससे मामला और भी संवेदनशील हो गया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

आरक्षण लागू करने की मांग, किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा व प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमी जोन भारती त्यागी के निर्देश पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष अर्चना कटारिया के नेतृत्व में चार खम्बा स्थित पोस्ट ऑफिस पर 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया व प्रधानमंत्री के नाम पोस्टकार्ड प्रधानमंत्री कार्यालय के पते पर पोस्ट किए।

अर्चना कटारिया के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने पोस्टकार्ड लिखे। जिसमें उन्होंने लिखा कि राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ 2023 में महिला आरक्षण पारित हो गया था। जिसको महिला कांग्रेस जल्द से जल्द लागू करने की मांग करती है कि 33 प्रतिशत आरक्षण 543 सीटों के साथ लागू होना चाहिए। इस अधिनियम में एससी एसटी हैं। पोस्टकार्ड में मांग उठाई गई कि बिल में ओबीसी को भी शामिल किया जाए फिर ये बिल लागू किया जाए। महिलाओं को उनका हक मिलना चाहिए। जिला अध्यक्ष अर्चना कटारिया ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पारित हो गया, लेकिन वह अमल में नहीं लाया गया। महिलाएं परेशान हैं, उनका उत्पीड़न हो रहा है। कांग्रेस ऐसी पार्टी है जिसने लगातार महिलाओं के कल्याण के लिए काम किया है। अर्चना कटारिया ने कहा कि कांग्रेस लोगों के हक के लिए आवाज उठाने वाली पार्टी है और उन्हें उनका हक दिला रही है। इस मौके पर पार्वती, सीमा, बिटोली, पूर्व सभासद मंगला,रानी, रूबी, शांति, गुंजा, गीता, तबस्सुम आदि महिलाएं मौजूद थीं।

चार खंभा स्थित पोस्ट ऑफिस के सामने प्रदर्शन करतीं कांग्रेसी महिलाएं।

● **प्रधानमंत्री के नाम पोस्ट किए पोस्टकार्ड, 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग**

नियम विरूद्ध तरीके से निलंबन का आरोप

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बीएसए कार्यालय में विवाद के प्रकरण कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। भावलखेड़ा ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल रोजा बल्लिया की सहायक अध्यापक डॉ. इरम खान ने नियम विरुद्ध तरीके से निलंबन का आरोप लगाया। इरम ने प्रशासनिक अधिकारियों को भेजे पत्र में बताया कि प्रभारी प्रधानाध्यापक का नाम वरीयता सूची में पांचवें नंबर पर है। उन्हें इंचार्ज बनाने के लिए स्कूल की तीन शिक्षकों को नियम विरुद्ध तरीके से निलंबित कर दिया गया। इरम ने प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने, दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई कराने, निलंबित शिक्षकों को न्याय दिलाने की मांग की। बीएसए दिव्या गुप्ता ने बताया कि निलंबित शिक्षकों ने स्कूल का वातावरण खराब कर दिया था। आरोप के बाद प्रारंभिक जांच में पुष्टि पर कार्रवाई की गई।

श्रद्धा के साथ मनाया बाबूजी महाराज का जन्मोत्सव

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : श्री रामचन्द्र मिशन के अध्यक्ष एवं हार्टफुलनेस मेडिटेशन के मार्गदर्शक गुरुदेव कमलेश डी. पटेल 'दाजी' के मार्गदर्शन में रामचंद्र मिशन आश्रम में आज महात्मा रामचन्द्र महाराज बाबूजी का जयंती समारोह पूर्ण दिव्यता, भव्यता और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः कालीन साधना से प्रारंभ हुआ यह समारोह मानो साधकों की चेतना को नव प्रकाश से आलोकित करने का विराट यज्ञ बन गया।

देश के विभिन्न स्थानों से आए हजारों अभ्यासियों ने एकात्म भाव से सामूहिक ध्यान-साधना कर मानव कल्याण और विश्व शांति के लिए मंगल कामना की।

उत्सव का शुभारंभ सुबह के ध्यान सत्र के साथ हुआ, जिसमें वातावरण शांति, श्रद्धा और साधना की दिव्य तरंगों से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान शहर के अजीज गंज स्थित सहज मार्ग जंक्शन में बाबूजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में उत्तर प्रदेश प्रभारी अनुपम अग्रवाल, केंद्र प्रभारी सर्वेश चंद्रा, आश्रम प्रबंधक प्रमोद कुमार सिंह, माधो गोपाल अग्रवाल, विजय कुमार आदि शामिल रहे। इस पावन अवसर पर श्री रामचन्द्र मिशन के अध्यक्ष एवं हार्टफुलनेस मेडिटेशन के वैश्विक मार्गदर्शक पूज्य गुरुदेव कमलेश डी. पटेल 'दाजी' ने अपने संदेश में कहा कि सहज मार्ग के साधकों के लिए बाबूजी महाराज का जन्मोत्सव केवल उल्लास का पर्व नहीं, बल्कि एक दिव्य स्मृति और चेतना का उत्सव है। इसी पावन तिथि को दिव्य प्रकाश ने महात्मा रामचन्द्र जी महाराज के रुप में पृथ्वी पर अवतरण का संकल्प लिया था। वर्ष 1899 में शाहजहांपुर में एक ऐसी महान आत्मा का अवतरण हुआ, जिसने मानवता की आध्यात्मिक यात्रा को नवीन दिशा प्रदान की। वही महापुरुष आगे चलकर "बाबूजी" के नाम से विख्यात हुए। संसार उस समय उनके महत्त्व से अनभिज्ञ था, क्योंकि महान आत्माएं प्रायः बिना किसी उद्घोष के सामान्य मानव रूप में प्रकट होती हैं। दाजी ने कहा कि बाबूजी महाराज के माध्यम से मानवता को एक विस्मृत आध्यात्मिक धरोहर प्राणाहुति का पवित्र विज्ञान पुनः प्राप्त हुआ, जो सूक्ष्म, गूढ़ और दिव्य विद्या मानव अंतःकरण में ईश्वरीय चेतना के संचार का माध्यम बनी। अपने वर्चुअल संदेश में दाजी ने मिशन के अभ्यासियों से आह्वान किया कि वे इस जन्मोत्सव को केवल एक पर्व के रूप में न देखें, बल्कि इसे आत्म-परिष्कार, अंतर्मुखी साधना और चेतना के उत्कर्ष का अवसर बनाएं। उन्होंने कहा कि मिशन के अभ्यासी को अपने भीतर की जड़ताओं को त्यागकर प्रेम, करुणा और शांति के पुष्प खिलाने चाहिए। बाबूजी महाराज के जन्मोत्सव में संपूर्ण आश्रम परिसर में श्रद्धा, साधना और शांति का दिव्य वातावरण दिखाई दिया। सायंकाल में भी ध्यान सत्र का आयोजन किया गया और बाबूजी महाराज की जीवन यात्रा पर एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में राजगोपाल अग्रवाल, श्री गोपाल अग्रवाल, ममता सिंह, सुयश सिन्हा, हर्षवर्धन अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विनोद श्रीवास्तव, राकेश सक्सेना, सुंदर अग्रवाल, सार्थक गोयल, सुरेंद्र सिन्हा, अविरल तिवारी, केएम त्रिपाठी आदि रहे।

बाबूजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते पदाधिकारी व अभ्यासी।

● **रामचन्द्र मिशन आश्रम में प्रवाहित हुई ध्यान, प्रेम और करुणा की त्रिवेणी**

● **हजारों अभ्यासियों ने ध्यान साधना कर की विश्व कल्याण की कामना**

गन्ना सर्वे के लिए पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल मकसूदापुर के सभागार में गन्ना सर्वे को पारदर्शी बनाने के लिए गन्ना विकास परिषद पुवायां एवं बीसलपुर के गन्ना पर्यवेक्षकों व चीनी मिल के गन्ना पर्यवेक्षकों को संयुक्त सर्वे प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में आयुक्त गन्ना एवं चीनी उत्तर प्रदेश के सर्वे नीति के द्वारा जारी गन्ना सर्वे का बिंदुवार व्याख्यान किया गया। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक पुवायां मनीष शुक्ला ने सर्वे सट्टा नीति के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि 2026-27 के लिए नये सदस्य बनने और उपज बढ़ोतरी हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। साथ ही साथ घोषणा पत्र भरना अनिवार्य है। मिल के विभागाध्यक्ष (गन्ना) सुग्रीव पाठक ने बताया कि सर्वे के समय गांव में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए ताकि सभी कृषकों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। सभी गन्ना पर्यवेक्षक को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के किसानों से संपर्क में रहें। जिससे पेराई सत्र के दौरान सट्टा संचालित होने में कोई असुविधा न हो। सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड पुवायां विनोद यादव ने सभी गन्ना किसानों से आग्रह किया कि अपने गांव में सर्वे के समय सभी किसान खेत पर मौजूद रहे। इस मौके पर सहायक महाप्रबंधक गन्ना कॉर्पोरेट असद शेख सहित गन्ना विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

● **सर्वे और सट्टा नीति के संबंध में दी गई जानकारी**

न्यूज ब्रीफ

युवती को किया अगवा शिकायत पर रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मंगलवार की रात उसकी 24 वर्षीय बहन खाना खाकर कमरे में सोने के लिए चली गयी। परिवार वाले सुबह चार बजे उठे तो देखा कि कमरे में नहीं थी और मुख्य दरवाजा खुला हुआ था। परिवार वालों ने उसकी तलाश की। परिवार वालों को पता चला कि बंडा का अवनीश अगवा करके ले गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास, दी तहरीर

निगोही, अमृत विचार : निगोही थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मंगलवार की रात नौ बजे उसकी 17 वर्षीय पुत्री खेत पर शौच के लिए गई थी। गांव के जीशान ने उसकी पुत्री को पकड़ लिया और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। उसकी पुत्री ने शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस आरोपी की तलाश रही है।

स्कूल से सामान चोरी

शाहजहाँपुर, अमृत विचार : तिलहर क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय कुंवरगंज की प्रधानाध्यापिका श्वेता सिंह रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 27 अप्रैल को सुबह स्कूल खोलने के लिए गयी तो स्कूल एक कमरे की खिड़की टूटी हुई थी। कमरे में रखा बिखरा पड़ा हुआ था। चोर एलईडी, फर्राटा पंखा, बर्तन, पुराने सिक्के चुराकर ले गए है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

फ्री में खाना न देने पर नौकर को किया घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कोतवाली के मोहल्ला खलील गर्बी निवासी नियामत अली ने थाना में दी गई तहरीर में बताया कि वह एक ढाबे पर काम करता है। 27 अप्रैल की रात 8 बजे शराब के नशे में अकरम ढाबे पर आया और खाना लगाने को कहा था। उसे खाना लगाने में देर हो गयी। आरोपी अकरम गाली देने लगा। आरोप है कि आरोपी फ्री में खाना मांग रहा था। आरोप है कि आरोपी ने उसके सिर में लोहे की राड मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की एक महिला ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी आठ साल पूर्व भारत भूषण निवासी लोदीपुर थाना रोजा के साथ हुई थी। ससुर और जेठ बुरी नियत से देखते है। पीड़िता की मां आदि उसकी ससुराल आए और ससुराल वालों से कहा कि बेटी को क्यों परेशान करते हो और उसके साथ मारपीट क्यों करते हो। इस बात से नाराज होकर ससुराल वालों ने उसकी मां और भाई को मारने पीटने लगे, वह बचाने के लिए गयी तो ससुराल वालों ने उसे भी पीटकर घायल कर दिया। तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस जांच कर रही है।

विदाई की चुनरी बनी कफन, क्रूर हादसे से खुशियां दफन

हंसते-हंसते हुई विदाई, कुछ ही पल बाद मातम में बदली खुशियां, 5 साल के मासूम के सिर से उठा मां का साया, परिवार में मचा कोहराम

संवाददाता, खुटार/शाहजहांपुर

अमृत विचार : रौतापुर के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को पल भर में चकनाचूर कर दिया। जिस चुनरी को ओढ़ाकर नवविवाहिता कल्पना वर्मा को विदा किया गया था, उसी चुनरी में उसके शरीर के टुकड़े समेटने पड़े। यह मंजर इतना भयावह था कि जिसने भी देखा, उसकी रूह कांप उठी। रामनरेश वर्मा ने महज पांच दिन पहले अपनी बेटी कल्पना की शादी बड़े धूमधाम से की थी। घर में खुशियों का माहौल था, रिश्तेदारों की आवाजाही और हंसी-ठिठोली के बीच बेटी को ससुराल विदा किया गया। पिता ने आंखों में आंसू लिए बस इतना कहा था बेटी, ससुराल में सबका ख्याल रखना। किसे पता था कि यह विदाई आखिरी होगी।

हादसा इतना भयानक था कि कल्पना का सिर बुरी तरह कुचल गया। उसकी पहचान तक मुश्किल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने कांपते हाथों से उसकी चुनरी में शरीर के टुकड़े समेटे। मेहंदी लगे हाथ-पैर और टूटी हुई चूड़ियां उस अधूरी जिंदगी की कहानी बयां कर रही थीं, जो अभी शुरू भी नहीं हो पाई थी।

इधर, कल्पना के ससुराल में बहू के स्वागत की तैयारियां चल रही थीं। दरवाजे सजाए गए थे, आरती की थाली सजी थी और घर के लोग बहू के स्वागत को उत्साहित थे। लेकिन जैसे ही हादसे की खबर पहुंची, खुशियां मातम में बदल गईं। इंतजार की हर घड़ी अब एक दर्दनाक सच्चाई में तब्दील हो चुकी थी।

हादसे की सूचना मिलते ही मायके वाले घटनास्थल पर पहुंचे। जैसे ही मां राजकली वर्मा ने अपनी बेटी का शव देखा, वह दहाड़ मारकर रो पड़ीं। उनकी चीखें वहां मौजूद हर शख्स के दिल को चीर रही थीं। वह बार-बार चिल्ला रही थीं अभी तो 10 मिनट पहले हंसते हुए विदा किया था, मेरी बेटी को क्या हो गया? यह दृश्य इतना मार्मिक था कि लोगों के गले सूख गए और आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। पिता रामनरेश वर्मा का दर्द भी शब्दों में बयान नहीं हो पा रहा था। वह बस यही कहते रहे मेरी बेटी ही मेरा बेटा थी। भगवान ने उसे भी मुझसे छीन लिया। उनका यह दर्द हर उस पिता की पीड़ा को दर्शा रहा था, जो अपनी बेटी को सपनों के साथ विदा करता है। एक घर की खुशियां उजड़ गईं, एक मां ने अपनी बेटी खो दी, एक पिता का सहारा छिन गया और एक मासूम के सिर से मां का साया उठ गया। खुटार का यह दर्दनाक हादसा लंबे समय तक लोगों के दिलों में जख्म बनकर रहेगा।

रोते बिलखते नव विवाहित मृतका कल्पना वर्मा के परिजन। ● अमृत विचार

सीएचसी पर घायलों का हाल जानने पहुंचे राज्य सभा सांसद मिथिलेश।

हादसे में घायल अनिल वर्मा अनिमेष उर्फ सार्थक और अयांश वर्मा। ● अमृत विचार

मृतका कल्पना वर्मा

मृतका श्रेष्वी वर्मा।

मृतका रीना वर्मा।

- चार लोगों की मौत से हिल गया पूरा गांव गम में डूबा सांसद ने दी सांत्वना

बच्चे के सिर से उठा मां का साया

कार में सवार पांच वर्षीय अनिमेष उर्फ सार्थक इस हादसे में घायल हो गया, जबकि उसकी मां रीता वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। मासूम बच्चा लगातार रो-रोकर मम्मी-पापा को पुकारता रहा। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। एक झटके में उस बच्चे के सिर से मां का साया उठ गया। बच्चे को देखकर बार बार सभी के आंसू निकल रहे थे।

नेपाल के इसी टैंकर से हुआ हादसा।

हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार।

बहू की मौत से व्यथित दिखे अनिल वर्मा

पुत्रवधू की विदाई कराने के लिए अनिल वर्मा सभी को लेकर गए थे। उन्हें क्या पता था कि वापस आते वक्त यह हादसा हो जाएगा। टैंकर की टक्कर लगने के बाद कार पलट गई और पल भर में सभी खुशियां मातम में बदल गईं। वहीं अनिल वर्मा के घर पर बहू के आगमन की तैयारियां चल रहीं थीं। लेकिन जैसे ही हादसे की मनहूस खबर मिली। वैसे ही चीख पुकार मच गई। अनिल वर्मा का बेटा रुहबिल वर्मा पत्नी की विदा कराने इसलिए नहीं पहुंच सका क्योंकि उसका पेपर था।

गुरुवार को विदा करना नहीं चांहती थी मां

कल्पना वर्मा की मां राजकली वर्मा बार-बार एक ही बात दोहरा रही थीं कि वह गुरुवार को बेटी की विदाई नहीं चाहती थीं। उनका मानना था कि इस दिन दक्षिण दिशा में विदाई अशुभ होती है। उन्होंने परिजनों को समझाने की कोशिश भी की, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। आज वह खुद को कोसते हुए यही कह रही थीं काश मेरी बात मान ली होती।

हादसे के सूचना पर पहुंचे सांसद

हादसे की सूचना पर राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार कठेरिया भी खुटार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि कई जिंदगियों का अंत और कई सपनों का टूटना है। राज्यसभा सांसद मिथलेश वर्मा ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिजनों को सांत्वना दी।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मायके वालों के अनुसार दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे ससुराल पक्ष के लोग

अमृत विचार : एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान 25 साल की संतोषी के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर मारपीट कर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि शादी के बाद से पति दहेज की मांग कर रहा था। सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के उटहा गांव निवासी 24 साल की संतोषी की शादी दो साल पहले थाना कटरा क्षेत्र के अहिया मोहनापुर गांव के रहने वाले विपिन के साथ हुई थी।

पिता श्रीपाल ने बताया कि उन्होने अपनी सामर्थ्य के अनुसार शादी में दहेज दहेज दिया था और बाइक भी दी थी। शादी के बाद पति ने दहेज की मांग कर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। एक साल बाद दहेज की मांग करने पर हमने एक भैंस बेचकर दामाद को फ्रीज दिया था। उसके बाद फिर से संतोषी को प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि एक साल पहले मारपीट होने पर बेटी को घर ले आए थे। फिर करीब चार महीने बाद समझौता करके भेजा था। उनका आरोप है कि बेटी जब फोन पर बात करती थी तो भी उसको पीटा जाता था। पति उसको मायके में फोन पर बात नहीं करने देता था।

डर के कारण संतोषी भी मायके वालों को कुछ नहीं बताती थी। बुधवार की शाम को सूचना मिली कि उसकी मौत हो गई। घर जाकर देखा तो संतोषी के चेहरे से खून निकल रहा था। उनका आरोप है कि मारपीट कर जहर देकर उसकी हत्या की गई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

दरवाजे पर टिकी थीं मासूम निगाहें, घर पहुंचे चार शव

संवाददाता, शाहजहांपुर/निगोही

- उजड़ गया प्रियांशी का बचपन, हुई अनाथ
- गांव में पसरा सन्नाटा, हर आंख नम

अमृत विचार : पुवायां रोड पर हुए हादसे ने जहां एक बच्ची के बचपन की खुशियां छीन लीं, वहीं पूरे परिवार को गम में धकेल दिया। निगोही थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में हुआ यह हादसा भी कुछ ऐसा ही दर्द समेटे हुए है, जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया और एक 12 साल की बच्ची प्रियांशी को जीवनभर का गहरा जख्म दे दिया। गांव निवासी अरुण कुमार अपनी पत्नी सीमा, बेटे नैतिक और बेटी दीक्षा के साथ एक रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। घर पर उनकी सबसे बड़ी बेटी प्रियांशी अकेली रह गई थी। जाते समय मां ने उसे प्यार से समझाया था जल्दी लौटेंगे, इंतजार करना। बस यही शब्द उसके मन में उम्मीद बनकर बस गए थे। दिनभर वह घर के दरवाजे पर बैठी रही।

हर आहट पर उसे लगा कि शायद मां-पापा आ गए। हर गुजरती गाड़ी पर उसकी नजर दौड़ जाती। उसे क्या पता था कि जिस इंतजार में वह बैठी है, वह कभी खत्म नहीं होगा। दोपहर में अचानक एक फोन कॉल आई। पहले खबर मिली कि हादसा हुआ है और सभी घायल हैं। यह सुनते ही परिवार के लोग और रिश्तेदार घबराकर पुवायां की ओर दौड़े। लेकिन अस्पताल में जो दृश्य सामने आया, उसने सबकी सांसें रोक दीं अरुण, सीमा, नैतिक और दीक्षा चारों की मौत हो चुकी थी। पोस्टमार्टम के बाद जब चारों शव गांव पहुंचे, तो पूरा माहौल मातम में बदल गया। जिस आंगन में कभी बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, वह आंगन चीख-पुकार और सिसकियों की आवाजों से भर गया। गांव का हर व्यक्ति इस दर्दनाक दृश्य को देखकर स्तब्ध था।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंच कर परिजनों को सांत्वना देते पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा।

मृतक अरुण।

मृतक सीमा।

मृतक नैतिक।

मृतका दीक्षा।

मम्मी-पापा आपने कहा जल्दी आएंगे

सबसे दर्दनाक पल तब आया, जब प्रियांशी को सच्चाई का सामना करना पड़ा। जैसे ही उसने अपने मां-बाप और भाई-बहन के निर्जीव शरीर देखे, उसकी चीख ने हर दिल को चीर दिया। वह बार-बार यही कहती रही मां, आपने तो कहा था जल्दी आओगी, लेकिन अब कोई जवाब देने वाला नहीं था। उस मासूम के सिर से एक ही झटके में मां-बाप का साया उठ गया। उसका भाई-बहन, उसका पूरा संसार उससे छिन गया। अब उसके हिस्से में सिर्फ यादें हैं, इंतजार है और एक गहरा सन्नाटा। गांव में हर आंख नम है, हर कोई यही कह रहा है कि भगवान ऐसा दुख किसी को न दे।

पूर्व विधायक ने दी परिवार को सांत्वना

पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी, लेकिन इस दर्द का कोई इलाज नहीं। रोशनलाल वर्मा ने कहा कि इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां ही नहीं छीनीं बल्कि एक बच्ची के सिर से मां बाप का साया भी छीन लिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं जीवन भर का दुख दे जातीं है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी।

सात केंद्रों पर आयोजित होगी नीट यूजी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- तीन मई को होगी परीक्षा, सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम
- डीएम ने बैठकर अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

अमृत विचार : जनपद में आगामी 3 मई रविवार को नीट यूजी-2026 का आयोजन 07 परीक्षा केंद्रों पर अपराह्न 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने परीक्षा व्यवस्था को लेकर सुरक्षा, निगरानी और परीक्षा संबंधित तैयारियों को लेकर निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर नियुक्त मजिस्ट्रेट लगातार भ्रमणशील रहेंगे और परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए अतिरिक्त मजिस्ट्रेटों को रिजर्व स्टाफ के रूप में कलेक्ट्रेट मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम में बनाया है। यहां दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक कर्मचारी मौजूद रहेंगे। इस वर्ष परीक्षा जनपद के स्वामी शुकदेवानन्द स्कूल, मुमुक्षु आश्रम, गांधी फैज़-ए-आम डिग्री कॉलेज, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-1 एवं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-2, इस्लामिया इंटर कॉलेज, स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज, मुमुक्षु आश्रम तथा पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, खिरनी बाग सहित कुल 07 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इसके अलावा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को सभी परीक्षा केंद्रों पर चिकित्सकों एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पुरबिया एक्सप्रेस में पर्स समेत लाखों का जेवर चोरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- महिला आनंद बिहार जा रही थी बेगमपुरा एक्सप्रेस में यात्री का पर्स चोरी

अमृत विचार : ट्रेन में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। पुरबिया एक्सप्रेस में एक महिला का लाखों रुपये का जेवर समेत पर्स चोरी हो गया है। महिला ने जीआरपी थाना में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

दिल्ली की द्वारका के सेक्टर 23 की महिला सोनी कुमारी ने जीआरपी थाना में दी गई तहरीर में बताया कि पुरबिया एक्सप्रेस में कोव संख्या ए-2 में एसी में बर्थ नंबर 31 व 32 पर रिजर्वेशन था। 06 अप्रैल को पुरबिया एक्सप्रेस से आनंद बिहार जा रही थी। साथ में उसके पति अजय मिश्रा भी थे। वह अपने बर्थ 31पर सो रही थी और पर्स सिर के पास रखा हुआ था। ट्रेन सुबह साढ़े पांच बजे शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर आकर रुकी तो सोनी ने देखा कि उसका पर्स बर्थ से गायब था। उन्होंने पर्स को बर्थ के नीचे तलाश किया और नहीं मिला। उन्होंने बताया कि पर्स में एक जोड़ी सोने की झुमकी, जिसकी कीमत करीब ढाई लाख रुपये होगी। झुमकी का वजन करीब 24 ग्राम था। पर्स की चेन सोने की थी।

संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

संवाददाता, पुवायां / शाहजहांपुर

- शव के पास शराब और पानी की बोतल मिली
- पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर होगा खुलासा

अमृत विचार : पुवायां क्षेत्र के एक युवक का शव मझगवां गांव के निकट खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से 501 रुपये मिले है। जबकि शव के पास शराब की पौवा, पानी की बोतल, गिलास, नमकीन पड़ी थी। परिजनों का आरोप है कि दो दिन पहले गेहूं बेचने एक दुकान पर गया था। परिवार वालों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है।

थाना पुवायां क्षेत्र के विक्रमपुर निवासी सत्यपाल (35) मेहनत मजदूरी कर पत्नी मिथिलेश कुमारी, 15 साल के बेटे रितिक और 12 साल के बेटे अभिषेक का पालन पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार मंगलवार सुबह सत्यपाल दुकान पर गेंहू बेचने के लिए गया था।

उसके बाद वह वापस नही लौटे। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नही चल सका। बुधवार सुबह परिजनों ने फिर से तलाश शुरू की। परिजनों को सूचना मिली कि सत्यपाल का शव क्षेत्र के मझगवा गांव के पास कुछ दुकानों के पीछे खेत में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची। तलाशी ली गई तो सत्यपाल के कपड़े से 501 रुपये निकले।

पास में शराब पौवा और पानी की बोतल आदि पड़ी मिली। मृतक की पत्नी ने बताया कि दो दिन पहले पति गेहूं बेचने के लिए एक दुकान पर गए थे। दुकान पर दुकानदार और सत्यपाल के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद उसकी हत्या कयर दी गई। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। उसके बाद तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सातवें दिन भी नहीं मिला लापता बालक

संवाददाता, परौर/शाहजहांपुर

अमृत विचार : नदी में नहाने गए बच्चे का सातवें दिन भी पता नहीं लग सका। गुरुवार सातवें दिन भी अभियान जारी रहा। बीते 24 अप्रैल को लापता हुए हैदलपुर निवासी भोगपाल कश्यप के 11 वर्षीय पुत्र अरुण की तलाश सातवें दिन गुरुवार को भी जारी रही। सर्च अभियान को तेज करते हुए पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की टीम ने मई खुर्द कला क्षेत्र में नदी के आसपास व्यापक तलाश अभियान चलाया।

बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन अरुण गांव के पास बने पैंटून पुल के समीप नदी किनारे गया था, तभी वह अचानक लापता हो गया। इसके बाद से ही लगातार पुलिस, गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से खोजबीन जारी है, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। गुरुवार को मई खुर्द कला में चलाए गए सर्च अभियान के दौरान नदी के गहरे हिस्सों में भी गोताखोरों ने तलाश की। स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर मौजूद रहे और प्रशासन के साथ मिलकर बच्चे की खोज में सहयोग करते दिखे। घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद बालक का कोई पता न चलने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं थानाध्यक्ष रामेन्द्र सिंह का कहना है कि सर्च अभियान लगातार जारी रहेगा और हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मेडिकल कालेज को मिली मेडिकल डिवाइस एडवर्स इवेंट मॉनिटरिंग सेंटर की मान्यता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं मरीजों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि

अमृत विचार : स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं मरीजों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत इंडियन फार्माकोपिया आयोग द्वारा मटेरियल विजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के तहत मेडिकल डिवाइस एडवर्स इवेंट मॉनिटरिंग सेंटर के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

यह प्रतिष्ठित मान्यता 22 अप्रैल 2026 से प्रभावी है, जो न केवल संस्थान के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे चिकित्सा समुदाय एवं आम जनमानस के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस केंद्र के माध्यम से अब चिकित्सा उपकरणों से संबंधित किसी भी प्रतिकूल घटना की पहचान, निगरानी, संग्रहण एवं रिपोर्टिंग व्यवस्थित रूप से की जाएगी। साथ ही, इन घटनाओं का कारण विश्लेषण कर भविष्य में होने वाली संभावित हानियों की रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं संबंधित पेशेवरों के लिए नियमित प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम एवं सतत चिकित्सा शिक्षा का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे चिकित्सा उपकरणों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने इस उपलब्धि पर फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. विशाल प्रकाश गिरि एवं उनकी टीम को हार्दिक बधाई देते हुए इसे एक उत्कृष्ट उपलब्धि बताया। उन्होंने सभी क्लिनिकल विभागों से इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु निरंतर सहयोग बनाए रखने का आग्रह भी किया। उल्लेखनीय है कि फार्माकोलॉजी विभाग वर्ष 2021 से ही एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर के रूप में कार्यरत है और एडीआर रिपोर्टिंग एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी योगदान देता रहा है।

एटीएस अधिकारी बनकर युवक से 6.48 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- दिल्ली बम ब्लास्ट केस में फंसाने की दी थी धमकी
- आरोपियों ने अलग-अलग नंबरों से की काल

अमृत विचार : दिल्ली में बम ब्लास्ट के नाम पर एक व्यक्ति ने छह लाख 48 रुपये ठगी का मामला प्रकाश में आया है। ठग ने खुद को एटीएस विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ित को डराकर बंद करने की धमकी दी और उसे पैसे ऐंठ लिए।

चौक कोतवाली के मोहल्ला मानूजई निवासी आरिफ हसन खां के पास 09 अप्रैल की सुबह 11 बजे एक व्हाट्सएप कॉल आई। काल करने वाले खुद को एटीएस विभाग का एटीएमएसओ बताया। उसने आरिफ हसन को कुछ दिन पहले हुए दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट का दोषी ठहराते हुए कार्रवाई की धमकी दी। कार्रवाई से बचने के लिए आरोपी ने आरिफ से 40 हजार रुपये की मांग की। पीड़ित ने डर के कारण फोन पे के माध्यम से यह राशि आनलाइन ट्रांसफर कर दी। आरोपी आरिफ को फोन करता और बार-बार पैसों की मांग करता रहा। पीड़ित भी डर के कारण लगातार पैसे भेजता रहा। 9 अप्रैल से 21 अप्रैल के बीच उसने कुल छह लाख 48 हजार रुपये भेज दिए। ये काल बाद में चार अलग-अलग नंबरों से की गई।

बेटी की शादी के तीसरे दिन अधेड़ ने दी जान

जैतीपुर ,अमृत विचार : कस्बे के एक अधेड़ व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव गुरुवार सुबह बहगुल नदी के किनारे जंगल में एक पेड़ से लटका मिला। यह घटना उसकी बेटी की शादी के मात्र तीन दिन बाद हुई है। मृतक रामदीन एक आढ़त पर पल्लेदारी का काम करता था। उसकी पत्नी निर्मला छह साल से अपने मायके फतेहगंज पूर्वी में रह रही थी। वह कभी-कभार घर आती थी और बेटी की शादी में आई थी। रामदीन बेटी की शादी में हुए कर्ज को लेकर परेशान था। बुधवार को टेंट के पैसे देने के दौरान उसका अपनी पत्नी से विवाद हो गया। इसके बाद वह अपना मोबाइल बंद कर घर से निकल गया।

कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन कार्यशाला का किया आयोजन

वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज में आयोजित किया कार्यक्रम

वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज में कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन एवं कार्यशाला में शामिल कुलपति डॉ. केशव अग्रवाल, प्रो-चांसलर डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, वाइस चांसलर डॉ. किरण अग्रवाल तथा डॉ. लता अग्रवाल आदि।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- वक्ताओं ने कार्यशाला में नैतिकता की जानकारी, बताए गुणवक्ता के तरीके

अमृत विचार : वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल, बंथरा के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की ओर से गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस पर कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने चिकित्सा अनुसंधान में नैतिकता, गुणवत्ता और आधुनिक मानकों को नई दिशा प्रदान की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद डॉ. (कर्नल) आर.एन. शुक्ला, प्राचार्य एवं डीन ने स्वागत भाषण के दौरान चिकित्सा अनुसंधान में नैतिकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस ही वह आधार है जो शोध को विश्वसनीय और समाजोपयोगी बनाता है। इसके पश्चात् डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने अस्पतालों में क्लिनिकल प्रैक्टिस के महत्व पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने रोगियों की सुरक्षा, पारदर्शिता और चिकित्सा संस्थानों में विश्वास बनाए रखने के लिए गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस को अनिवार्य बताया। डॉ. वी.के. अग्रवाल ने "सूचित सहमति और उसकी नैतिक संरचना विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि किसी भी क्लिनिकल ट्रायल में सहमति लेना और उसे नैतिक प्रारूप में प्रस्तुत करना शोध की विश्वसनीयता और प्रतिभागियों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। इसके बाद डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता ने क्लिनिकल रिसर्च की जटिलताओं और अस्पतालों में इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला। डॉ. पूजा अग्रवाल ने "डेटा मॉनिटरिंग और प्रतिकूल घटनाओं का प्रबंधन विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. रश्मि कतियाल ने प्रयोगात्मक, पशु अनुसंधान में नैतिक सिद्धांत विषय पर विचार व्यक्त किए। डॉ. मोहम्मद इंतखाब आलम ने शोध प्रोटोकॉल लेखन पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. विनायक कश्यप ने जर्नल चयन और प्रकाशन रणनीति पर विचार रखे। डॉ. अजय अग्रवाल ने शोधकर्ताओं की जवाबदेही और गुणवत्ता नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. अतुल सक्सेना ने रिकॉर्ड कीपिंग और डेटा हैंडलिंग पर चर्चा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केशव अग्रवाल, प्रो-चांसलर डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, वाइस चांसलर डॉ. चांसलर बीआईयू डॉ. लता अग्रवाल शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रविन्द्र नाथ शुक्ला, डीन एवं प्राचार्य तथा डॉ. पीएस पवार, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट ने की। आयोजन सचिव के रूप में डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता ने जिम्मेदारी निभाई जबकि प्रबंध सचिव के रूप में डॉ. शिवानी गुप्ता ने प्रशासनिक और व्यवस्थागत कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस सीएमई में विभिन्न कॉलेजों के फैकल्टी सदस्य, एमबीबीएस और पीजी छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए और उन्होंने अपने सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया। सीएमई के समन्वयक डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. इंतेखाब आलम और डॉ. पूर्वा शूर रहे। आयोजन समिति में डॉ. विनायक, डॉ. आदित्य, डॉ. अतुल, डॉ. अर्सलान, डॉ. अनम, डॉ. राघव, डॉ. चरनदीप, डॉ. दानिश, डॉ. वकार और डॉ. हितिका शामिल रहे।

डॉ. अजय अग्रवाल के नेतृत्व ने यह सुनिश्चित किया कि शैक्षणिक सत्रों के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी संतुलित रूप से प्रस्तुत हों और प्रतिभागियों को एक समग्र अनुभव प्राप्त हो। पूरे दिन चले इस कार्यक्रम में अनुसंधान नैतिकता, प्रोटोकॉल लेखन, अनुदान प्रबंधन, प्रकाशन रणनीति, रिकॉर्ड कीपिंग और गुणवत्ता आश्वासन जैसे विषयों पर भी विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। अंत में डॉ. धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभा दिखाएंगे छात्र-छात्राएं

- बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम

शाहजहांपुर अमृत विचार : माध्यमिक और बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं सामूहिक सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभा दिखाएंगे। पहले ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता होगी। उसके विजेता को फाइनल मुकाबले में शामिल होने का मौका मिलेगा। विजेता को 25 हजार रुपये की धनराशि दी जाएगी।

डीआईओएस हरिवंश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में बेसिक व माध्यमिक स्कूलों के बच्चे प्रतिभाग करेंगे। हर ग्रुप में न्यूनतम पांच और अधिकतम दस प्रतिभागी अनिवार्य हैं। वह शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, देशभक्ति गीतों पर ही प्रस्तुति देंगे। विकासखंड स्तर पर आठ मई को प्रतियोगिता होगी। प्रत्येक विकासखंड से एक विजेता टीम और नगर क्षेत्र की तीन विजेता टीमें जनपदीय प्रतियोगिता में शामिल होंगी।

डीआईओएस ने बताया कि नगर क्षेत्र की प्रतियोगिता पीएम श्री जीआईसी में होगी। इसके बाद 15 मई को जीआईसी में ही जिला स्तरीय प्रतियोगिता होगी। प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। द्वितीय विजेता को 20 हजार, तृतीय और 15 हजार और सांत्वना पुरस्कार के रूप में पांच-पांच हजार रुपये की धनराशि दी जाएगी। इससे छात्रों को लाभ होगा।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
डा. प्रदीप कुमार, एम.बी.बी.एस., एम.एस., Retd. ACMO, जनरल सर्जन
डॉ. जतिन कुमार, एम.बी.बी.एस. एम.डी., जनरल मेडिसिन कन्सलटेंट फिजिशियन एवं क्रिटिकेयर स्पेशलिस्ट
डॉ. जयन्त वर्मा, बी.डी.एस., एम.डी.एस. (ओरल एण्ड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
डॉ. राम निवास, एम.बी.बी.एस. एम.डी. (एनेस्थीसियोलॉजिस्ट), जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता, जनरल फिजिशियन

डाक्टर्स पैनल

डा. ओमवती, एम.बी.बी.एस., डीजीओ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. सुजाय मुखर्जी, एम.बी.बी.एस., एम.एस., जनरल सर्जन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. आशुतोष कुमार, एम.बी.बी.एस., एम.एस., हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. अमन अग्रवाल, एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच, गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार, एम.बी.बी.एस., एमसीएच, न्यूरो सर्जन	डा. प्रिया सिंह, एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ., डी.एन.बी., स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. संजय सिंह, एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच., नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ	डा. अमित कुमार, बी.ए.एम.एस., जनरल फिजिशियन

उपलब्ध सुविधायें :
◆ सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज। ◆ दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा। ◆ दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा। ◆ दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा ◆ छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त ऑपरेशन एवं जोड़ प्रत्योरापण। ◆ घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध। ◆ नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव बच्चेदानी के समस्त प्रकार के ऑपरेशन। ◆ बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू. ◆ दन्त एवं जबड़े की सभी समस्याओं का विशेष उपचार ◆ आधुनिक उपकरण एवं दर्दरहित तकनीक ◆ मरीज की सुरक्षा एवं स्वच्छता हमारी प्राथमिकता।

निःशुल्क शिविर 1 मई 2026 से 15 मई 2026 तक निःशुल्क जॉच एवं परामर्श
डा. विवेक कुमार, मैनेजिंग डायरेक्टर | ठाकुर हरीश रावत, चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana, Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रुहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY — अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार, एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन), हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. आंचल अग्रवाल, एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई), फीजिशियन
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीबी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO+TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रॉल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पीठ में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
NABH PRE ACCREDITED
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

महिलाओं ने फूंका विपक्षी दलों का पुतला

बदायूं, अमृत विचार : तहसील दातागंज क्षेत्र के विकास क्षेत्र समरेर में जन आक्रोश रैली निकाली गई। महिलाओं ने पदयात्रा निकालकर जनशक्ति और नारीशक्ति का संगम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि भाजपा की जिला मंत्री आरती कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की बात मजबूती से रखी। कहा कि आज के समय में महिलाएं किसी से कम नहीं है। हर क्षेत्र में आगे बढ़कर काम कर रही हैं। पिछले दिनों विपक्षी दलों ने महिलाओं के सम्मान पर ठेस पहुंचाई है। कहा कि यह रैली सिर्फ विरोध नहीं बल्कि जनजागरण और नारी शक्ति के संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चौराहे पर विपक्ष का पुतला फूंका गया। ब्लॉक प्रमुख सुमन, महिला मोर्चा की मंडलाध्यक्ष उपासना, सुरेंद्र गुर्जर मौजूद रहे।

छात्राओं ने सीखा तकनीकी ज्ञान

बिसौली अमृत विचार : पीएम श्री राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, नागपुर नूरपुर में गुरुवार को अटल सामुदायिक दिवस का आयोजन किया गया। नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज परौली के विद्यार्थियों के साथ अन्य विद्यालयों के छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान, नवाचार और तकनीकी ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना था। अटल टिंकरिंग लैब के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स, विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जानकारी, प्रिंटर के माध्यम से छात्रों ने अनेक मॉडल बनाए, जो कि छात्रों के साथ साथ समस्त स्टाफ के लिए भी बहुत रोचक रहा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स रोबोटिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों पर सैद्धांतिक व प्रायोगिक कक्षाएं संचालित की गईं। अटल प्रभारी पवन कुमार पासवान द्वारा छात्रों को सरल व रोचक तरीके से इन उन्नत तकनीकों का परिचय कराया गया। विद्यार्थियों ने विशेष रुचि के साथ गतिविधियों में भाग लिया, तथा नए-नए प्रयोगों को साझा किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने भी उत्साह के साथ सक्रिय सहभागिता निभाई, विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

10वीं में हुमाम आफताब और 12वीं में अनामिका बनीं जिला टॉपर

आईसीएसई का दसवीं और बारहवीं का रिजल्ट घोषित, शहर के दो स्कूलों में सुबह से पहुंचे छात्र-छात्राएं, स्टाफ के साथ बांटी खुशियां

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आईसीएसई बोर्ड का गुरुवार को दसवीं और बारहवीं का परीक्षा परिणाम घोषित हो गया। जिले के दो विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। रिजल्ट देखकर विद्यार्थी खुशी से झूम उठे। बारहवीं में 98.25 अंकों के साथ अनामिका और हुमाम आफताब 98 प्रतिशत अंक प्राप्त जिले के टॉपर बने हैं। आईसीएसई बोर्ड के जनपद में दो विद्यालय संचालित हैं। दोनों विद्यालय डी पॉल के नाम से चल रहे हैं। इनमें एक बिसौली और दूसरा शहर में संचालित है। शहर के डी पॉल स्कूल में 12वीं में पंजीकृत 71 में से सभी छात्र-छात्राएं पास हो गए। वहीं दसवी में पंजीकृत 131 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। वहीं बिसौली स्थित डीपॉल स्कूल का भी परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। वहां पंजीकृत सभी 26 विद्यार्थी दसवीं में उत्तीर्ण हुए हैं। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। आईसीएसई बोर्ड दसवीं की परीक्षा में हुमाम आफताब 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहे। सारांश साहू 96.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरे, हुरिया खान 95.8 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहीं हैं। इंटरमीडिएट में अनामिका 98.25 अंकों के जिले में प्रथम स्थान पर रहीं है। इनके साथ ही गरिमा सिंह 95.25 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में दूसरे और जतिन कुमार 93.75 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही हैं। परीक्षा परिणाम सुबह करीब 11:30 पर जारी हुआ था। परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद विद्यार्थियों ने अपने सेल फोन के द्वारा वेबसाइट पर परीक्षाफल देखा और स्कूल चल पड़े। तो किसी ने स्कूल आकर अपना परीक्षा परिणाम देखा। शिक्षक-शिक्षिकाओं से अपने नंबरों की जानकारी करने के अलावा अपने सहपाठियों के प्राप्तांक के बारे में जानकारी की। प्राप्तांक कम होने पर छात्र-छात्राओं को और मेहनत करने के लिए कहा गया तो टॉपर्स को शुभकामनाएं दी।

शिक्षक और माता-पिता के साथ खुशी का मनाते मेधावी विद्यार्थी। ● अमृत विचार

परिणाम को लेकर आपस में चर्चा करती छात्राएं। ● अमृत विचार

बिना कोचिंग के मिली सफलता

आईसीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में अनामिका 98 .25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान पर रही हैं। अनामिका ने बताया कि स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ घर में शेड्यूल तैयार कर पढ़ाई की। जब समय मिला उपयोग पढ़ाई में किया। मोबाइल का उपयोग ऑनलाइन कोचिंग के लिए ही किया। अनामिका ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया से दूरी बनाने पर ही मंजिल को हासिल किया जाता है। अब इंजीनियर की तैयार कर रही हैं।

डॉक्टर बनकर करेगी देश की सेवा

गरिमा सिंह ने आईसीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। परीक्षा में मिले अंकों से वह संतुष्ट नजर आईं। सोशल मीडिया से दूरी बनाकर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। अब वह डॉक्टर बनना चाहती है। उनका कहना है कि परीक्षा के दौरान परिवार और शिक्षकों का पूरा सहयोग मिला। उनकी सहायता से यह मुकाम हासिल किया। कहा कि स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए। सफलता अवश्य मिलेगी।

पिता के सपनों को पूरा करेंगे जतिन

आईसीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में तीसरे स्थान पर रहे जतिन कुमार का कहना है कि उनके पिता का हमेशा से ही सपना रहा है कि वह भविष्य में अच्छा मुकाम हासिल करें। पिता का सपना पूरा करने के लिए वह डॉक्टर बनेंगे। परिवार के सदस्य और स्कूल शिक्षकों के सहयोग से ही यह सफलता पाई है। बताया कि उन्होंने पढाई के लिए कोई समय निर्धारित नहीं किया। लेकिन जितने भी घंटे पढ़ाई की उसमें उतनी पूरी एकाग्रता रखी।

नीट की तैयारी कर रहे सारांश

आईसीएसई बोर्ड की 10 वीं की परीक्षा में जिले में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले सारांश साहू कहते हैं कि उन्होंने कोचिंग का सहारा नहीं लिया। सेल्फ स्टडी की। ऑनलाइन क्लास ली। पढ़ाई के लिए कोई समय निर्धारित नहीं किया। जब भी समय मिला तब दो से तीन घंटे पढ़ाई की। सोशल मीडिया पूरी तरह दूरी बनाकर रखा। उनका कहना है नीट की तैयारी चल रही है।

मिले नंबरों से संतुष्ट नजर आईं हुरिया

आईसीएसई बोर्ड की 10 वीं की परीक्षा में हुरिया खान ने जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने 95 .8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की है। लेकिन मिले नंबरों से वह तरह से संतुष्ट दिखीं। कहा कि जो भी अंक मिले उनसे वह संतुष्ट हैं। उम्मीद अधिक की थी। कहा कि मेहनत का फल हमेशा मिलता है। इस सफलता का श्रेय वह अपने माता पिता और शिक्षकों को देते हैं।

हुमाम आफताब 98% प्रतिशत

सारांश साहू 96 .80 % प्रतिशत

हूरिया खान 95 .80 %प्रतिशत

काव्या असवाल 95 .60 %प्रतिशत

विधान गुप्ता 94 .20 %प्रतिशत

नियाती दीक्षित 93 .00 %प्रतिशत

पूर्वी सक्सेना 93 .00% प्रतिशत

विराज शर्मा 92 .80 %प्रतिशत

प्रत्यक्ष राठौर 92 .60% प्रतिशत

सक्षम पटेल 92 .60% प्रतिशत

छवि गौड़ 92 .20 %प्रतिशत

वैभव साहू 91 .60% प्रतिशत

अनामिका 98 .25% प्रतिशत

गरिमा सिंह 95 .25 % प्रतिशत

जतिन कुमार 93 .75 %प्रतिशत

रश्मि शर्मा 93 .00 % प्रतिशत

रिद्धि सपरा 89 .50 % प्रतिशत

कृष्णा 88 .00 % प्रतिशत

विशाखा 87 .75 % प्रतिशत

रिद्धि सक्सेना 91.25 %प्रतिशत

मृदुला 90 .75 % प्रतिशत

ध्रुव साहू 90 .75 % प्रतिशत

इशिका प्रकाश 90 .00 % प्रतिशत

खनन करते पकड़े तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : अवैध खनन की सूचना पर खनन अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घेराबंदी करके तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक जेसीबी पकड़ी है।

थाना बिनावर क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन का कार्य चल रहा है। खनन करने वाले लोग रात में जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से मिट्टी ले जाते हैं। वह गांव से होकर गुजरते हैं। सुबह गांव की सड़कों पर मिट्टी बिखरी हुई मिलती है। बुधवार देर रात बिनावर क्षेत्र के जंगल में खनन चल रहा था। किसी ने खनन अधिकारी को सूचना दी। वह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। खनन कर रहे लोग भाग निकले। मौके से चार वाहनों को पकड़ लिया गया और थाने ले जाकर खड़ा कराया। खनन अधिकारी गुलशन कुमार ने बताया कि लंबे समय से अवैध खनन की सूचना मिल रही थी। मौके पर पहुंचकर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी को पकड़ा गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

थाने पर खड़ी खनन करते पकड़ी गई ट्रैक्टर-ट्रॉली। ● अमृत विचार

नाबालिग को दूसरी बार ले गया आरोपी

मीरगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले गया। आरोपी ने दूसरी बार घटना को अंजाम दिया है। जब आरोपी युवक उसी लड़की को अपने साथ ले गया है। मीरगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग बेटी को रात करीब 10 बजे आरोपी अमन बहला-फुसलाकर ले गया। अमन किला थाना क्षेत्र के अलखनाथ का रहने वाला है। बेटी के घर से गायब होने पर परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

जिले में हो सकेगी व्यवसायिक वाहनों की फिटनेस

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मंत्रालय का निर्देश, जिले में एटीएस न होने पर परिवहन अधिकारी करेंगे फिटनेस
- जल्द ही जिले में एटीएस बनने की उम्मीद, विभाग को प्राप्त हुए हैं दो आवेदन

अमृत विचार : व्यवसायिक वाहन स्वामियों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। वाहनों की फिटनेस के लिए अब उन्हें बरेली के चक्कर नहीं लगाने पड़ेगे। जिले में ही उनके वाहनों की फिटनेस होगी और प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। अब तक फिटनेस कराने के लिए बरेली स्थित एटीएस (ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन) जाना पड़ता था। अब परिवहन अधिकारी अपने स्तर से फिटनेस करके प्रमाण पत्र जारी करेंगे। जल्द ही जिले में एटीएस बनने की उम्मीद है। इसके लिए दो आवेदन भी विभाग को प्राप्त हुए हैं।

फिटनेस के लिए खड़ा ट्रक (प्रतीकात्मक)।

एआरटीओ प्रवर्तन व प्रशासन हरिओम ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने निर्देश जारी किया है कि जिन जिलों में वाहनों की फिटनेस जांच संबंधी कार्य के लिए एटीएस (ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन) की स्थापना नहीं है, वहां वाहनों की फिटनेस का काम संबंधित जिले के परिवहन अधिकारियों के माध्यम से किया जाएगा। अब तक बदायूं के व्यवसायिक वाहनों की फिटनेस बरेली स्थित एटीएस पर कराई जा रही थी। अब तक प्रदेश के 26 जिलों में 31 एटीएस क्रियाशील हैं। इन्हीं स्टेशन पर व्यवसायिक वाहनों की फिटनेस की जा रही थी। 17 नवंबर 2025 से जिन जिलों में एटीएस की स्थापना का कार्य किया जा रहा है वहां के वाहनों की फिटनेस पास के जिलों के स्टेशन के माध्यम से कराई जा रही है। इसकी वजह से बदायूं के व्यवसायिक वाहनों को भी बरेली के एटीएस ले जाना पड़ रहा था। इसके चलते उन्हें परेशानी होती थी। परिवहन की ओर से जारी निर्देश के अनुसार अब वाहन स्वामी जिले में ही फिटनेस करा सकेंगे जिससे अतिरिक्त खर्च और समय भी बच जाएगा। निर्माणाधीन एटीएस का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

25 अप्रैल से लापता महिला को किया बरामद

विजय नगला अमृत विचार : थाना बिनावर क्षेत्र में 25 अप्रैल से लापता महिला को बरामद कर लिया गया है। एक गांव निवासी युवक ने तहरीर देकर बताया था कि उसकी पत्नी 25 अप्रैल को बिना बताए घर से चली गई थी। तलाश करने के बाद भी पत्नी का कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करके तलाश शुरू की थी। मिशन शक्ति की टीम ने गुरुवार को महिला की तलाश करते हुए गांव चंदननगर खरैर से घटपुरी पहुंची। एक महिला रेलवे स्टेशन पर बैठी दिखी।

उल्टी दस्त के मरीजों की भरमार, जुटी भारी भीड़

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : तेजी से बढ़ रही बीमारियों के चलते जिला अस्पताल में मरीजों की लंबी लाइन लग रही है। टाइफाइड और बुखार के मरीजों की संख्या पिछले दस दिन में दो गुनी बढ़ चुकी है जिससे डॉक्टर भी हैरान हैं। अस्पताल प्रशासन ने डॉक्टरों को निर्देशित किया है कि दो बजे से पहले ओपीडी बंद न की जाए।

डा . अमित वार्ष्णेय

ओपीडी से बाहर लगी मरीजों की लाइन। ● अमृत विचार

- जिला अस्पताल में ग्रामीण क्षेत्रों से आ रहे हर दिन मरीज
- बुखार टाइफाइड के मरीज किए जा रहे भर्ती

पिछले काफी दिनों से मौसम में गर्मी और तपिश देखने को मिल रही है। गर्मी के साथ ही उल्टी दस्त और बुखार के मरीजों की संख्या दस दिन में दो गुना से अधिक बढ़ चुकी है। गर्मी से टाइफाइड के मरीज बढ़ रहे हैं जिससे वह अस्पताल की ओर दौड़ रहे हैं। गुरुवार को जिला अस्पताल में करीब 1100 मरीजों ने पर्चे बनवाए। इनमें से तीन सौ से अधिक टाइफाइड के मरीज सामने आए जबकि चार सौ मरीज उल्टी दस्त के आए। इनमें बुखार के मरीज भी शामिल रहे जबकि अन्य मरीज दाद खाज तथा कुछ अन्य बीमारियों के पहुंचे। डा. अलंकार सोलंकी ने बताया कि अब उल्टी दस्त के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। सुबह दस बजे तक सौ से अधिक मरीजों को देखा है जिनमें से अधिकांश मरीज बुखार और उल्टी दस्त के आए। इसके बाद भी दोपहर डेढ़ बजे तक लाइन लगी रही जबकि ओपीडी 6 में हेपेटाइटिस के मरीजों को दवा दी गई।

शादी के बाद जेवर लेकर फरार हुई युवती

संवाददाता, विजय नगला

- तहरीर प्राप्त होने के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही पुलिस

अमृत विचार : शादी के 15 दिनों के बाद ही युवती घर से नगदी और जेवर लेकर फरार हो गई। पति ने तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव निवासी सावित्री देवी पत्नी सोनपाल ने तहरीर देते हुए बताया कि गांव निवासी निवासी युवक ने उनके बेटे की शादी लगभग 15 दिन पहले दूसरे प्रदेश की युवती से कराई थी जिसके बदले में 40 हजार रुपये लिए थे। अब वह युवती बिना किसी को बताए घर से भाग गई। सुबह परिजनों ने देखा तो वह कहीं नहीं मिली। गांव में तलाश करने के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चला।

वह शादी कराने वाले युवक के घर गई तो आरोप है कि वह गुस्सा गया। तहरीर पर पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू की है। सावित्री देवी ने बताया कि वह युवक शादी कराने के नाम पर कई ग्रामीणों से रुपये वसूल चुका है। कुछ दिन रुकने के बाद युवती नगदी और जेवर लेकर फरार हो जाती हैं। आरोप है कि युवक बाहरी जिलों में गाड़ी चलाता है। वह महिलाओं को बहला फुसलाकर लाता और शादी कराकर रुपये कमाता है। वह रुपये मांग रही है तो युवक धमका रहा है।

थाना प्रभारी अरिहंत कुमार सिद्धार्थ ने बताया कि मामले की तहरीर आई। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कवायद | शिक्षकों और कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति की गई है अनिवार्य

माध्यमिक स्कूलों में शिक्षकों की लगेगी ऑनलाइन हाजिरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- आदेश के बाद भी शिक्षकों के द्वारा नहीं लगाई जा रही थी ऑनलाइन उपस्थिति, अब होगी कार्रवाई

अमृत विचार : माध्यमिक स्कूलों में करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी शिक्षा का स्तर नहीं सुधर रहा है। जारी हुए परीक्षा परिणाम में सरकारी स्कूलों के बच्चे टॉप टेन की सूची में जगह तक नहीं बना सके हैं। ऐसे हालात होने पर जिले के माध्यमिक स्कूलों में शिक्षकों और बच्चों की उपस्थिति को लेकर शिक्षा विभाग सख्त हो गया है। सभी माध्यमिक स्कूलों में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति अब ऑनलाइन दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस व्यवस्था के लागू हो जाने से शिक्षण कार्य में पारदर्शिता तो आएगी ही साथ ही, उनकी मनमानी पर भी अंकुश लग जाएगा।

जिले में कुल 41 राजकीय, 39 सहायता प्राप्त और 228 वित्तविहीन इंटर कॉलेज संचालित हैं। जिले में संचालित माध्यमिक स्कूलों में कक्षा नौ से 12 तक करीब 1.40 लाख विद्यार्थी पंजीकृत हैं। माध्यमिक स्कूलों में नियमित कक्षाओं का संचालन नहीं होता है।

> सभी स्कूलों में शिक्षक और कर्मचारियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। पहले बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था को लागू किया गया था। इसके बाद भी लापरवाही बरती जा रही थी। अब ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। यदि किसी स्कूल में उपस्थिति डेटा अपडेट नहीं किया जाता है उस स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> -लालजी यादव, डीआईओएस

कई स्कूल तो ऐसे हैं उनमें बच्चों का नामांकन तो कर लिया जाता है लेकिन कक्षाएं संचालित नहीं होती। इसकी शिकायत स्थानीय शिक्षा अधिकारियों के साथ शासन स्तर पर पहुंचती हैं। इन हालातों के चलते माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों ऑनलाइन उपस्थित को अनिवार्य कर दिया है। शिक्षक और कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए यूपीएमएसपी पोर्टल और मोबाइल ऐप की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्कूलों को अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से प्रतिदिन उपस्थिति अपलोड करनी होगी। इसके साथ ही शैक्षिक पंचांग के अनुसार पढ़ाई का रोस्टर भी पोर्टल पर अपलोड रहेगा, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किस दिन कौन-सा विषय पढ़ाया जा रहा है।

शाम को चली धूल भरी आंधी फिर हुई बरसात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सुबह से शाम तक साफ रहा मौसम, तेज धूप और गर्म हवाओं से सड़कों पर था सन्नाटा
- दो दिनों से मौसम में देखा जा रहा परिवर्तन, गर्मी में राहत महसूस कर रहे लोग

अमृत विचार: गुरुवार की शाम को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। शाम करीब 6 बजे तेज धूलभरी आंधी के साथ आधा घंटे तक हल्की बारिश हुई। शाम को हवाओं के साथ हुई बारिश के बाद दिनभर की भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली। दिन में दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बाजार और सड़कों पर सन्नाटे वाली स्थिति बनी हुई थी। शाम को बारिश के बाद लोगों ने राहत महसूस की।

आसमान छाई काली घटाएं, चलती हवाएं। ● अमृत विचार

पिछले दो दिनों से मौसम में परिवर्तन देखा जा रहा है। बीते बुधवार की सुबह तेज हवाओं के बीच हुई बारिश के बाद शाम को उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया। यह स्थिति गुरुवार को भी बनी रही। दिन में खिली तेज धूप और चल रही गर्म हवाओं की वजह से सड़कों और बाजार में सन्नाटा पसरा। शाम पांच बजे के बाद अचानक से फिर मौसम में बदलाव देखा गया। देखते ही देखते आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ ही मिनटों में आंधी ने जोर पकड़ लिया, जिससे चारों ओर धूल का गुबार छा गया। दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ीं और राहगीरों को सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पडा। करीब एक घंटे तक तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी होती रही। एक घंटे बाद बारिश रुकी, लेकिन हवाओं के चलने का क्रम जारी रहा। बारिश के बाद हवाओं में नमी आ गई। ठंडी हवाएं चलने लगीं जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। शाम हुई बारिश से भीषण गर्मी से राहत मिली।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

* पतले-दुबले
* गाल पिचके
* कमजोर स्त्री-पुरुष
* मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए

परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
10 मई 2026, रविवार
24 मई 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

पर्यावरण संरक्षण के लिए बनेंगे प्लास्टिक मुक्त मॉडल तालाब

प्रत्येक ब्लॉक क्षेत्र में एक-एक तालाब का चयन कर बनाया जाएगा मॉडल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पर्यावरण के अनुकूल ग्राम पंचायतों में मेरा तालाब-मेरी जिम्मेदारी अभियान के तहत होगा निर्माण

अमृत विचार : पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए पंचायती राज विभाग ने नई पहल शुरू की है। मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक मुक्त तालाब का निर्माण किया जाएगा। जिले के प्रत्येक 15 ब्लॉकों की एक-एक ग्राम पंचायत में मॉडल तालाब बनाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बनने वाले तालाबों को पर्यावरण के लिए अनुकूल बनाया जाएगा। विभाग की ओर से जहां तालाब बनाया जाना है। उन ग्राम पंचायतों के चयन की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है।

डीपीआरओ ने बताया कि जिले की बड़ी ग्राम पंचायतों के तालाबों को मॉडल बनाने की मुहिम शुरू की गई है। यह कवायद मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी अभियान के तहत शुरू की गई है। स्वच्छ भारत मिशन (ओडीएफ प्लस) के तहत प्रत्येक विकासखंड में एक-एक तालाब को मॉडल के तौर पर विकसित किया जाएगा।

इस योजना के तहत पांच हजार से अधिक आबादी वाले ग्राम पंचायत को प्रथम चरण में शामिल किया गया है। शुरुआत जिले के सभी 15 ब्लॉकों में एक-एक तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी अभियान के तहत तालाब और उनके जलग्रहण क्षेत्र की सफाई पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस दौरान तालाबों के आस-पास डाले गए कूड़े करकट और गंदगी को पूरी तरह हटाया जाएगा। तालाब और उसके आस-पास के क्षेत्र से प्लास्टिक व अन्य ठोस कचरे का निस्तारण किया जाएगा जिससे तालाब पूरी तरह से साफ स्वच्छ और सुंदर दिखाई दें। यह तालाब पर्यावरण के लिए अनुकूल बनाए जाएंगे। डीपीआरओ ने बताया कि तालाबों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए ग्राम पंचायतों का चयन किया जा रहा है।

ग्राम पंचायतों के चयन में मापे जा रहे कई पैमाने

प्लास्टिक मुक्त मॉडल तालाब का निर्माण करने के लिए ग्राम पंचायतों के चयन में कई पैमानों को मापा जा रहा है। ऐसी ग्राम पंचायतों का चयन किया जा रहा है जहां धनराशि का अभाव न होने पाए। क्योंकि तालाबों का निर्माण ग्राम निधि से किया जाएगा। इसके अलावा ऐसे तालाबों का चयन किया जा रहा है जहां किसी प्रकार का विवाद न हो। इसके साथ ही तालाब के किनारे जमीन भी हो ताकि फिल्टर चेंबर, ट्रीटमेंट प्लांट आदि का निर्माण कराया जा सके।

जिले की 75 बड़ी ग्राम पंचायतों में बनेंगे प्लास्टिक मुक्त तालाब

मेरा तालाब-मेरी जिम्मेदारी अभियान के तहत प्रथम चरण में 15 ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक मुक्त मॉडल तालाब का निर्माण कराया जाएगा। इसके दूसरे चरण में जिले की बड़ी 75 ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक मुक्त तालाब का निर्माण किया जाएगा। तालाब के चारों ओर नो प्लास्टिक जोन घोषित किया जाएगा। तालाब में प्लास्टिक जाने से रोकने के लिए उसके आस-पास फिल्टर चैंबर बनेंगे। इससे तालाबों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के साथ ही भू-जल रिचार्ज व हरित ग्राम विकास होगा। ऐसा किए जाने से बारिश का पानी संचित होगा। साथ ही तालाब के पानी का उपयोग सिंचाई, पशुपालन व पौधरोपण के लिए उपयोग किया जा सकेगा।

तालाब में पहुंचेगा शुद्ध पानी

तालाब को पर्यावरण के लिए अनुकूल बनाने के लिए कई उपाय किये गए जाएंगे। तालाबों में पानी पूरी तरह से शुद्ध होकर पहुंचाने के लिए तालाब में प्रवेश से पूर्व रीड-बेड व बायो-फिल्टर सिस्टम नाली के अंत में कंकड़ व रेत का इस्तेमाल किया जाएगा। उसके आस-पास वेटीवर, नरकट, केली, केना आदि पौधे लगाए जाएंगे। इससे पानी प्राकृतिक रूप से शुद्ध होकर तालाब तक पहुंचेगा। इसके अलावा ग्रे-वॉटर की गंदगी हटाकर साफ पानी तालाब में भेजा जाएगा, जबकि ठोस अवशेष अलग संग्रह किया जा सकेगा।

> ग्राम पंचायतों में मॉडल तालाब बनाए जाने हैं। इनका निर्माण शासन की मंशा के अनुरूप किया जाएगा। प्रत्येक ब्लाक में 5-5 तालाब बनेंगे। प्रथम चरण में एक-एक का चयन किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों का चयन होने के बाद तालाब का निर्माण कराया जाने लगेगा।
> **-यावर अब्बास**, डीपीआरओ।

बाइक छूने पर युवक को लाठी-डंडों से पीटा, मौत

बदायूं, अमृत विचार : बाइक छू जाने पर कुछ लोगों ने एक युवक और उसके भाई व जीजा के साथ मारपीट की। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों में चीत्कार मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

थाना हजरतपुर क्षेत्र के गांव सुकटिया निवासी अजय (25) पुत्र गुड्डू के छोटे भाई की शादी थी जिसके चलते वह गुरुवार शाम अपने भाई और जीजा के साथ सामान की खरीदारी करके वापस लौट रहे थे। रास्ते में सैंजनी-हजरतपुर मार्ग पर गांव चितरी के पास उनकी बाइक दूसरी बाइक से छू गई। जिससे अजय और बाइक सवार युवक में कहासुनी शुरू हो गई। सूचना मिलने पर बाइक सवार के पिता और परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि अजय को लाठी-डंडों से बुरी तरह से पीटा। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ पीछे चल रहे अजय के भाई पवन, जीजा श्यामवीर और चचेरे भाई ने बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। मौके पर भीड़ जमा हो गई। दोनों पक्ष को अलग किया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस पहुंची। घायल को जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने अजय को मृत घोषित कर दिया।

विवाद में सफाई कर्मियों ने डाला सड़क पर कूड़ा

सड़क पर लगा कूड़े का ढेर, खड़े सभासद। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : गुरुवार सुबह नगर के एक मोहल्ले में सफाई कर्मी और दुकानदार के बीच की कहासुनी इतनी बढ़ गई गई कि पालिका के आधे सभासदों को मौके पर पहुंचना पड़ा। चेयरमैन आवास के निकट हुई घटना के बाद भी चेयरमैन के न पहुंचने पर चर्चाएं जोरों पर रहीं।

कटरा मौहल्ले के दुकानदार अतुल के मकान पर निर्माण कार्य के चलते एक राज मिस्त्री ने अस्थाई ढांचा बना रखा था जिससे सफाई कर्मी परेशान हो रहे थे। गुरुवार को उक्त ढांचे को हटाने को लेकर दोनों में बहस हो गयी। जिसके बाद नाराज सफाई कर्मी ट्राली में भरा और भी कूड़ा अतुल के दरवाजे के सामने ही फेंक गए, विवाद बढ़ने पर पालिका को सूचना दी गयी। राजीव बाबू ने इसके समाधान के प्रयास भी किए, लेकिन सफाई कर्मी आने को राजी नहीं हुए। इस दौरान पालिका के आधे सभासद मौके पर पहुंच गए।

सभी ने इसका पुरजोर विरोध किया। सभासद ईओ को मौके पर बुलाने की बात कह रहे थे और स्वयं ये कचरा सिर से उठाने की जिद करने लगे, करीब एक घंटे तक विवाद चलने के बाद सफाई कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर कर कूड़ा उठाना शुरू किया तब कहीं मामला शांत हुआ। चेयरमैन के न पहुंचने पर लोग तरह-तरह की बातें करते रहे।

बुध पूर्णिमा आज घाट पर तैनात रहेंगे मजिस्ट्रेट

बदायूं, अमृत विचार: बुध पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाएगा। गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालु स्नान करने के लिए पहुंचेंगे। घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीएम ने मजस्ट्रेट नामित किए हैं। कछला गंगा घाट पर तहसीलदार दीपक कुमार, नायब तहसीलदार रामचंद्र और खनन अधिकारी गुलश कुमार को नामित किया है। वहीं सहसवान के सुकर्रा घाट पर सहसवान के तहसीलदार राकेश कुमार, मालपुर घाट नायब तहसीलदार मोहित कुमार, अटैना घाट उसहैत पर बीडीओ मनीष कुमार, भुंडी में तहसीलदार विजय कुमार, बेलाडांडी में नायब तहसीलदार सतीश चंद्र मिश्रा, नगरिया खनु नायब तहसीलदार जितेंद्र कुमार, नौनी टिकन्ना पर वीरेंद्र राम, हजरतपुर में जिला पंचायत अधिशासी अभियंता पवन कुमार को मजिस्ट्रेट नामित किया है।

एसडीएम ने छात्रों को किया पुरस्कृत, खिले चेहरे

पुरस्कार वितरित कर छात्रों के साथ खड़ी एसडीएम साई आश्रित शाखमुरी।

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : कंपोजिट विद्यालय हर्रायपुर में नवीन सत्र के प्रथम माह का शत प्रतिशत छात्र उपस्थिति पुरस्कार उप जिलाधिकारी साई आश्रित शाखमुरी ने वितरित किया। माह अप्रैल में नामांकित 335 छात्र-छात्राओं में से 138 छात्र-छात्राओं ने पूरे माह शत-प्रतिशत उपस्थिति दी। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ने बच्चों से बातचीत की। उनके शैक्षिक स्तर को परखा, बच्चों के उत्तर देने पर उन्होंने पूरे स्टाफ की प्रशंसा की। साथ ही, विद्यालय की आवश्यकताओं को पूरा करने का भी आश्वासन दिया।

भ्रमण के दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुंवर सेन ने उनको विद्यालय के क्रियाकलापों से परिचित कराया। उप जिलाधिकारी ने सभी छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी । कार्यक्रम में ग्राम प्रधान धर्मपाल, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष वीरपाल सिंह, कुंवर सेन चित्रा, उमेश चंद्र, हिमानी वार्ष्णेय व अंजुम बुशरा के साथ-साथ छात्र अनुज यादव, सचिन, अरविंद,तनिष्का, पीयूष यादव ,मुस्कान, नंदिनी, कमल, रजत, सोहित, दिव्यांशु, रचित, देव,अनुष्का उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर बच्चे समेत तीन घायल

बिल्सी, अमृत विचार : नगर बिल्सी के कछला-शाहबाद हाईवे पर गुरुवार दोपहर रामा पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक बच्चे सहित तीन लोग घायल हो गए। घायलों को बिल्सी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हरियाणा के रोहतक निवासी बाबा सिंह पुत्र करीम सिंह अपने परिवार के साथ बाइक से मुजरिया की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे रामा पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सड़क पर काफी दूर तक घिसटती चली गई। इस दुर्घटना में बाबा सिंह, उनकी पत्नी करीना और पुत्र कृष्णा घायल हो गए। हादसे के बाद कार का अगला टायर भी फट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

बाजारों में बड़े पैमाने पर बिक रहा मिलावटी पनीर, नहीं हो रही कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 15अप्रैल से शुरू हो चुका है सहालग सीजन, शादी-विवाह में बढ़ गई पनीर की खपत
- गर्मी में दूध का उत्पादन कम होने के बाद भी मुनाफाखोर मिलावटी पनीर की कर रहे सप्लाई

अमृत विचार: सहालग सीजन शादी-विवाह में पनीर की खपत सामान्य दिनों से तीन गुना बढ़ गई है। गर्मी के दिनों में दूध के उत्पादन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, बल्कि कम हो जाता है। इसके बाद भी धंधेबाज मुनाफाखोरी के लिए मिलावटी पनीर की बिक्री खुलेआम कर रहे हैं। मांग की पूर्ति के लिए सिंथेटिक दूध से पनीर तैयार किया जा रहा है। ऐसे पनीर को चिकित्सक सेहत के लिए खतरनाक बता रहे हैं।

बताया जा रहा है कि सामान्य दिनों में 25 से 30 क्विंटल पनीर की खपत होती है वहीं सहालग में यह खपत 150 से 200 क्विंटल तक पहुंच जाती है। स्थानीय दुकानदार मिलावटी पनीर को 200 से लेकर 260 रुपये किलो पनीर की बिक्री कर रहे हैं। वहीं दुकानों पर शुद्ध पनीर 400-450 रुपये किलो बिक रहा है। शादी समारोह के सीजन में दूध और पनीर की मांग अधिक है। इसका लाभ मिलावट करने वाले धंधेबाज उठा रहे हैं। पाउडर और पैकेट के दूध में अरारोट मिलाकर पनीर बनाया जा रहा है जिसे सस्ते दामों में धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। मिलावट के इस खेल में सेहत को सुरक्षित रख पाना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे बने हुए हैं ज्यादा रकम खर्च करने के बाद भी लोगों को दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ शुद्ध मिलना मुश्किल हो गया है। यह स्थिति तब है जब हर साल दूध और दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ के 90 प्रतिशत सैंपल आने की रिपोर्ट खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को प्राप्त हो रही है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि जिले में हर माह करीब 8 लाख लीटर दूध का उत्पादन होता है। गर्मी में दिनों में यह संख्या घटकर सात लाख लीटर रह जाती है। इसके बाद भी त्योहार और सहालग में दूध की खपत दो से तीन गुना बढ़ जाती है।

> सहालग के सीजन में मिलावटी पनीर, मिठाई समेत अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए जांच टीम गठित है। टीमें क्षेत्र में सक्रिय हैं। शिकायत मिलने पर भी विभाग की ओर से कार्रवाई की जाती है। हाल के दिनों में दूध और दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ के 20 से अधिक सैंपल लिए गए हैं। इन्हें जांच को भेजा गया है। विभाग लगातार छापेमारी कर रहा है।
> **-सीएल यादव, सहायक आयुक्त खाद्य- द्वितीय**

ऊर्जा मंत्री से की बिजली संकट की शिकायत

- नहीं मिला सटीक जवाब, किसानों की सूख रही फसल

बिल्सी,अमृत विचार : क्षेत्र में गहराते बिजली संकट और लो-वोल्टेज की समस्या पर विभाग की बेबसी सामने आई है। ऊर्जा मंत्री को भेजी शिकायत के जवाब में अधिशासी अभियंता (विद्युत वितरण खण्ड, उझानी) ने स्वीकारा कि रिसौली बिजली घर के वनबेहटा फीडर से आपूर्ति में आ रही बाधा का मुख्य कारण अत्यधिक ओवरलोडिंग है।

क्षेत्र के ग्राम बन बेहटा निवासी भानु प्रताप सिंह ने बिजली संकट को लेकर ऊर्जा मंत्री को पत्र भेज कर पिछले दिनों शिकायत दर्ज कराई थी जिसके जवाब में कहा गया कि रिसौली उपकेंद्र के ''बन वेहटा फीडर'' पर वर्तमान में 240 एंपियर से अधिक का लोड चल रहा है। सुरक्षा और तकनीकी कारणों से इतनी अधिक क्षमता पर फीडर चलाना संभव नहीं है। इसी वजह से फीडर को बारी-बारी से चलाकर बिजली की आपूर्ति दी जा रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि विभाग ने अपनी मजबूरी दर्शा दी लेकिन बिजली आपूर्ति का कोई ठोस जवाब नहीं दिया जिससे लोगों में रोष है। गर्मी में बिजली न मिलने से लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

स्वतंत्रता संघर्ष के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शहीदों की याद में पौधरोपण करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारत के प्रथम स्वतंत्रता संघर्ष में शहीद हुए ककराला वासियों की याद में गुरुवार को ककराला में शहीद मेला उद्घाटन की अनुमति नहीं मिलने पर कांग्रेसियों ने बड़ा बाग पहुंच कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बड़ा बाग में शहीदों की याद में शहीद स्मारक बनाने का ऐलान करते हुए पौधारोपण किया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव के नेतृत्व में ककराला कांग्रेस नगर अध्यक्ष शहजादा रिजवान, कांग्रेस जिला कोषाध्यक्ष और शहीद मेला आयोजन समिति अध्यक्ष साजिद खान, जिला सचिव अहमद अमजदी, यूथ कांग्रेस ककराला के नगर प्रभारी लबीब खान, दिव्यांग कांग्रेस जिला कोऑर्डिनेटर फितरत खान, एक्स सर्विशमैन कांग्रेस जिला कोऑर्डिनेटर सत्यपाल फौजी, शाहरुख, मेहरू, जहीरुल मुल्ला जी समेत दर्जनों कांग्रेसी ककराला के पूरब पुल स्थित बड़ा बाग पहुंचे और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेसियों ने शहीदों की याद में बड़ा बाग में नीम का पौधा लगाया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने उम्मीद की कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी 8 मई से 10 मई तक तीन दिवसीय शहीद मेला आयोजन की अनुमति प्रशासन दे देगा। शहीद मेला में शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को सम्मानित किया जाना है।

युवती से दुष्कर्म पर 10 साल की सजा, 40 हजार जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- अदालत ने आरोपित किशोर को सुनाई सजा

अमृत विचार : विधि का उल्लंघन करने वाले किशोर को दुष्कर्म करने में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट दिनेश तिवारी ने दोषी पाया है। दोषी के 10 साल के कठोर कारावास और 40 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादनी ने कादरचौक के थानाध्यक्ष को तहरीर देकर बताया कि 22 जनवरी 2018 की रात लगभग 8 बजे वह पेशाब करने के लिए अपने घर के दरवाजे के बाहर गई थीं। वह अकेली थीं। उसके पड़ोस में रहने वाला किशोर आया और उसे पकड़कर जबरन मढ़ैया में ले गया, जहां उसके साथ गलत काम किया। शोर सुनकर पीड़िता के चाचा आ गए। आरोपी किशोर उन्हें देखकर भाग गया। उसने चाचा के साथ जाकर तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। न्यायालय में विधि का उल्लंघन करने वाले किशोर पर मुकदमा चलाया गया। न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन किया। विशेष लोक अभियोजक अमोल जौहरी व बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के आरोपी को दोषी पाते हुए सजा सुनाई गई।

खाद संकट और बिजली कटौती को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, बिसौली

एसडीएम को ज्ञापन देते किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार : विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा जिसमें यूरिया खाद संकट और बिजली कटौती पर रोष प्रकट किया गया है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के तहसील अध्यक्ष मुकेश भदौरिया के साथ अनेक किसान एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां पर किसानों ने एक पंचायत की उसके बाद किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम को सात सूत्रीय ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि इस समय यूरिया खाद नहीं मिल रही है। जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। सात सूत्रीय ज्ञापन में पुलिस द्वारा चेकिंग के नाम पर अनावश्यक रूप से किसानों को परेशान करने की भी बात कही। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कृषि प्रधान देश में किसान विरोधी नियम बनाकर उनको परेशान किया जाता है।

नौ मई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

बदायूं, अमृत विचार: नौ मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होना है। इसकी तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने नोडल अधिकारी और अधिवक्ताओं के साथ बैठक की। इसमें राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर चर्चा हुई। राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी जनपद न्यायाधीश मोहम्मद कमर और विधिक सचिव सुमन तिवारी ने चर्चा के दौरान कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट के फौजदारी वाद, शमनीय वाद, चेक बाउंस आदि से संबंधित धारा 138 एनआई एक्ट के वाद, लघुवाद, सिविल वाद आदि का निस्तारण किया जाएगा जिससे लोग लाभ उठाएं।

नन्हें-मुन्ने बच्चों ने मनाया पिंक-डे

संवाददाता, बिल्सी

पिंक परिधान पहने छोटे बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गुरुवार को बाबा इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा पी.जी. से के.जी. तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के लिए बड़े उत्साह और उमंग के साथ पिंक डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा विद्यालय परिसर गुलाबी रंग की छटा में सजा हुआ दिखाई दिया, जिससे वातावरण अत्यंत आकर्षक और आनंदमय बन गया।

सभी बच्चे पिंक थीम के सुंदर और मनमोहक परिधानों में सजे हुए थे। उनकी मासूम मुस्कान और उत्साह ने पूरे माहौल को और भी जीवंत बना दिया। शिक्षकों द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न रोचक गतिविधियां आयोजित की गईं।

विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय एवं निदेशिका साधना वार्ष्णेय ने बताया पिंक डे का उद्देश्य बच्चों में रंगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उसकी कल्पना शक्ति को विकसित करना और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना था। प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी ने बच्चों गुलाबी रंग के बारे में बताते हुए कहा गुलाबी रंग आंखो को शीतलता प्रदान करता है। वातावरण में ऊर्जा का संचार करता है। यह रंग मन में भी कोमल भावनाओं का संचार करता है। इस अवसर पर प्रशासक अमित माहेश्वरी समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

आंधी-बारिश और ओलावृष्टि, बत्ती हो गई गुल

ओरछी, अमृत विचार : गुरुवार शाम अचानक मौसम में पलटी मारी। दिन में तपिश के बाद शाम को आंधी और तेज बारिश हुई। कुछ क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई। ओरछी क्षेत्र में भी बारिश के साथ ओले गिरे। जिससे बत्ती गुल हो गई। जगह-जगह बिजली के खंभों पर फाल्ट हुए। राहगीरों ने दुकानों और पेट्रोल पंपों पर रुके। ओलावृष्टि ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी। किसानों की खेत मे तैयार हो रही फसल को नुकसान होने की उम्मीद है।

दुष्कर्म के आरोपी को जेल भेजा

बदायूं, अमृत विचार : जिला कासगंज के थाना साहवर क्षेत्र के गांव नबावगंज सराय निवासी भरत उर्फ मोनू पुत्र राजकुमार वाल्मीकि नाबालिग से दुष्कर्म मामले में वांछित था। पुलिस ने उसे गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

युवती से छेड़छाड़ रिपोर्ट दर्ज

कुंवरगांव, अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव में दवा लेने जा रहे भाई-बहन के साथ छेड़छाड़ और मारपीट की गई। आरोप है कि रास्ते में रोककर युवती का दुपट्टा खींचा गया और विरोध करने पर उसके भाई को आरोपियों ने पीटा। इस दौरान युवक का मोबाइल भी गायब हो गया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपनी बहन के साथ दवा लेने के लिए जा रहे थे।

उनके गांव के ही वीरेश कुमार, सुरेश कुमार पुत्र चन्द्रपाल, मोहित पुत्र सुरेश और सुमित ने उन्हें रास्ते में घेर लिया। उनकी बहन का दुपट्टा खींच लिया। विरोध करने पर उन्हें पीटा। मौके पर अफरा-तफरी मच गई थी।

फर्जी आधार कार्ड बनाने में तीन गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : थाना हजरतपुर पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज और फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह को पकड़ा है।

गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से तीन लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, एक प्रिंटर, दो फिंगरप्रिंट मशीन, दो आई स्कैनर, 70 मूल आधार कार्ड, एक हजार रुपये, कैमरा, 198 आधार स्लिप और अन्य कागजात बरामद हुए।

लालपुल क्षेत्र में गहराया पेयजल का संकट, बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

एक सप्ताह से नहीं हो रही पेयजल की आपूर्ति, मोहल्लावासियों में भारी रोष

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गर्मी और सूरज की तपिश के बीच शहर में कुछ मोहल्लों में पानी का संकट बना हुआ है। भीषण गर्मी से बेहाल लोगों को पिछले एक सप्ताह से गन तर करने को पानी नहीं मिल रहा है। नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही पर लोगों में भारी रोष है। वार्ड मेंबर का कहना है कि बिजली कटौती से पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है।

शहर के मोहल्ला ऊपर पारा और चौधरी सराय की आबादी करीब 12 हजार से अधिक है। इन दोनो मोहल्लों में पिछले साल दिन से पानी की सप्लाई नहीं दी जा रही है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि सुबह को पांच से दस मिनट और शाम को भी 20 मिनट तक पानी दिया जाता है। कई दिन से वह भी नहीं दिया जा रहा है। गर्मी में लोगों के हलक सूख रहे हैं। घर में महिलाएं काम काज नहीं कर पा रही हैं। ऊपरपारा और निवासियों का कहना है कि पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों ने नगर पालिका प्रशासन को भी समस्या से अवगत कराया है फिर भी कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। दिन में इधर उधर से पानी लाना पड़ रहा है। गुलाब वाली मस्जिद के निकट दर्जनों लोगों ने नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही पर रोष जताया है।

चौधरी सराय में शत प्रतिशत लोग नगर पालिका के पानी पर ही निर्भर हैं। यदि पानी आता है तो घरों में खाना पकता है। पानी नहीं आने पर बड़ी समस्या झेलनी पड़ती है।

मोहल्ले के जफर अल्वी, तारीक अंसारी, अनुज कुमार, नदीम अहमद, विक्की चौहान, आलम हुसैन, आरिफ अली, नदीम अली आदि ने नगर पालिका की लापरवाही पर रोष प्रकट करते हुए सुबह शाम पानी दिए जाने की मांग की है।

ऊपरपारा मोहल्ले के सभासद कामरान अली ने बताया कि इस समय बिजली आपूर्ति बाधित है इसलिए पानी की सप्लाई नियमित नहीं मिल रही है। बिजली सपलाई ठीक से शुरू होते ही पानी भी आने लगेगा। कामरान अली ने कहा कि नगर पालिका प्रशासन से इस मामले में बात की गयी है। जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

पानी की बड़ी समस्या बनी हुई है। सुबह शाम पानी नहीं मिल रहा है जिससे घरों में महिलाएं काम नहीं कर पा रही हैं। बच्चे परेशान हो रहे हैं। शिकायत करने पर भी सुनवाई नहीं हो रही है।

निजाकत, ऊपरपारा

गर्मी में दिन भर पानी की जरूरत होती है लेकिन नगर पालिका प्रशासन पानी नहीं दे रहा है। कई दिनो से पानी की किल्लत बनी हुई है। रात को पानी आता है जबकि दिन में नहीं मिलता है।

अरहम, लालपुल

शहर में कई मोहल्ले पानी संकट से जूझ रहे हैं। कबूलपुरा की टंकी से पानी आ रहा है जो कई दिन से बाधित है। अब मोहल्ले के लोग इस संकट को लेकर परेशान हैं। कोई सुनने को तैयार नहीं है।

अजमल, चौधरी सराय

पिछले सात दिन से पानी नहीं दिया जा रहा है। काफी दूर से पानी लाना पड़ रहा है। सब्जी की दुकान है। हर समय पानी चाहिए होता है। लेकिन इस क्षेत्र में पानी की भारी कमी है। नगर पालिका मौन है।

राजेश मौर्य, लालपुल

नारी सम्मान को निकाली रैली, विपक्ष निशाने पर

नगर में पैदल यात्रा निकालते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन और विपक्षी दलों के प्रति नाराजगी जताने के उद्देश्य से भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने गुरुवार शाम चारबाग मौहल्ले से एक पदयात्रा निकली जिसमें क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लिया और विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की।

कार्यक्रम के लिए शाम 5 बजे नगर के महिला पुरुष चारबाग कॉलोनी के मसिया देवस्थान पर एकत्रित हुए जिसके बाद दबतोरी रोड से होते हुए हाथो में ''जनाक्रोश महिला पदयात्रा'' के नाम का बैनर और महिला आरक्षण के समर्थन में लिखे नारों की तख्तियां उठाकर विपक्ष को कोसते हुए पदयात्रा निकाली। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कुशाग्र सागर अपना समर्थन देते हुए साथ रहे। विमल भारद्वाज कार्यक्रम की संयोजिका रहीं। उनके साथ संगीता रस्तोगी, सरिता वार्ष्णेय, सविता शर्मा, प्रवेश सिन्हा, अनीता शर्मा, वंदना गुप्ता, लता दिवाकर, नरेंद्र दिवाकर, मनोज गुप्ता, राजकुमार गिहार फौजी, पुष्पेंद्र शाक्य, वैभव शर्मा, मनोज शर्मा, राजेश भारद्वाज, ज्ञानेंद्र भारद्वाज आदि प्रमुखता से उपस्थित रहे।

घर में घुसकर छोटे भाई ने साथी संग मिलकर बड़े भाई को पीटा

कुंवरगांव, अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव अहरुईया में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। मामूली पारिवारिक विवाद में छोटे ने अपने साथी के साथ मिलकर अपने बड़े भाई पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों से बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया।

गांव निवासी रामबहादुर पुत्र छोटेलाल के अनुसार 25 अप्रैल की रात करीब आठ बजे वह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान उनका छोटा भाई राजेन्द्र अपने साथी पप्पू जाटव के साथ घर में घुस आया और अचानक हमला बोल दिया। दोनों ने लाठी-डंडों से जमकर पीटा। उनके दोनों हाथ में चोट आई। आरोप है कि मारपीट के दौरान जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर ग्रामीण एकत्र हो गए तो आरोपी भाग निकले। थाना प्रभारी राजेश कौशिक ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन घायल, एक की हालत गंभीर

दबतोरी, अमृत विचार : गुरुवार सुबह कोतवाली बिसौली क्षेत्र में दबतोरी मार्ग पर दो बाइकों की आमने सामने से भिड़ंत हो गई। हादसे में आसफपुर क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी अंकित और उनके पिता छत्रपाल और दूसरी बाइक पर सवार गांव जलालपुर निवासी भूप सिंह सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। भूप सिंह की हालत गंभीर होने पर राजकीय मेडिकल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बाइक हेलमेट नहीं पहने थे।

दबतोरी, अमृत विचार : गुरुवार सुबह कोतवाली बिसौली क्षेत्र में दबतोरी मार्ग पर दो बाइकों की आमने सामने से भिड़ंत हो गई। हादसे में आसफपुर क्षेत्र के गांव मौजमपुर निवासी अंकित और उनके पिता छत्रपाल और दूसरी बाइक पर सवार गांव जलालपुर निवासी भूप सिंह सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। भूप सिंह की हालत गंभीर होने पर राजकीय मेडिकल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बाइक हेलमेट नहीं पहने थे।

महिला से कुंडल छीनने का आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

मुठभेड़ के बाद जमीन पर पड़ा बरेली की महिला से कुंडल छीनने का आरोपी।

- 27 अप्रैल को उझानी से बरेली लौटते समय आश्रय आवास के पास छीने थे कुंडल
- पकड़े गए आरोपी पर चार बार दर्ज हो चुका है गैंगस्टर का मामला

अमृत विचार : महिला के कुंडल छीनने के आरोपी को सदर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक कुंडल, मोबाइल, घटना में प्रयुक्त बाइक, तमंचा, दो जिंदा व तीन खोखा कारतूस बरामद किए। आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी शातिर किस्म का है। उस पर पहले से चार बार गैंगस्टर समेत कई मामले दर्ज हैं।

जिला बरेली के थाना नबावगंज क्षेत्र के इंधजागीगर निवासी पीतम राम पुत्र मनोहर लाल 27 अप्रैल को अपनी पत्नी नीलम व बेटी स्वानी के साथ अपनी ससुराल उझानी क्षेत्र के मोहल्ला बहादुरगंज से वापस लौट रहे थे। सदर कोतवाली क्षेत्र में आश्रय आवास कॉलोनी के पास बाइक सवार दो युवक पीछा करते आए। नीलम के कानों से कुंडल छीनकर भाग गए थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। एसएसपी अंकिता शर्मा ने सीओ सिटी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया। टीम गुरुवार रात चेकिंग कर रही थी। कादरी तिराहे से जंगल की ओर बाइक सवार आता नजर आया। सामने पुलिस को देखकर बाइक घुमाकर भागने लगा। बारिश में सड़क गीली होने की वजह से बाइक फिसल गई। खुद को घिरता हुआ देख उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। उसने तीन फायर किए। सिपाही पुष्पेंद्र के दाहिने हाथ को छूते हुए गोली निकली। जबाव में पुलिस ने फायरिंग की। आरोपी के दोनों पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिर गया। अन्य चीजों के अलावा घटना में प्रयुक्त बाइक यूपी 24 बीबी 1699 बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम शहर के मोहल्ला नई सराय निवासी पप्पू उर्फ बिकारुद्दीन पुत्र अलाउद्दीन बताया। कहा कि वह अपने साथी के साथ मिलकर घटना को अंजाम देता है। उन दोनों ही आश्रय आवास के पास कुंडल छीने थे। दोनों ने एक-एक कुंडल बांट लिया था। पकड़े गए आरोपी पर लूट, आयुध अधिनियम, चार बार गैंगस्टर, चोरी आदि के 17 मामले दर्ज हैं।

सूचना मिलने पर सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की। मुठभेड़ में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक पवन कुमार व रवेंद्र कुमार, सिपाही पातीराम, पुष्पेंद्र, अंकित सिरोही व अंकुश कुमार रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
हम पति पत्नी अपने पुत्र मो. फहीम खान को उसके दुर्व्यवहार के कारण उससे सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। वह अपने कृत्यों व लेनदेन का स्वयं जिम्मेदार होगा। **मकबूल खान पुत्र मकसूद खां एवं हाजरा पत्नी मकबूल खान निवासीगण ग्राम भिन्डौलिया पो. पदारथपुर थाना बिथरी चैनपुर, जिला बरेली।**

BIMT
BADAUN INSTITUTE OF MANAGEMENT & TECHNOLOGY
(Affiliated to M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly)
REQUIRED
Candidates for B.Ed. Course
1- Principal/HOD 01
2- Perspectives in Education 01
3- Pedagogy Subject 03
(Math, Science, Social Science, Language)
4- Health and Physical Education 01
5- Fine Art 01
6- Performing Arts (Music/Dance) 01
Qualification/Experience as per NCTE/UGC Norms.
Submit your Resume within 07 Days in the BIMT.
Campus: Kakrala road, near Mandi Samiti, Badaun (U.P.)
E-mail: bimtbudaun@gmail.com
Contact: 9897777709, 9897777797

दिव्यांग की जमीन पर कब्जे में न्याय के लिए भटक रहा परिवार

संवाददाता, बिल्सी

- पीड़ित का कहना, लगभग 50 जगहों पर जाकर कर चुके हैं शिकायत

अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव सुंदरनगर में एक दिव्यांग व्यक्ति की जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़ित ओमप्रकाश दोनों पैरों से दिव्यांग हैं। अपनी पत्नी व अविवाहित बेटी कुसुमलता के साथ पिछले दो वर्षों से न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं।

ओमप्रकाश का आरोप है कि गांव के ही कुछ दबंगों ने वर्ष 2023 से उनकी तीन बीघा जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। उन्होंने जमीन का बैनामा अपनी बेटी कुसुमलता के नाम कर दिया लेकिन इसके बावजूद कब्जा नहीं हटाया गया। कब्जा करने वाले लोग दबंग प्रवृत्ति के हैं और पहले भी ऐसे मामलों में लिप्त रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने करीब 50 स्थानों पर शिकायत की। जिसमें संपूर्ण समाधान दिवस, डीएम, लखनऊ जनता दरबार व जनसुनवाई पोर्टल शामिल हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने लेखपाल व कानूनगो पर कब्जा दिलाने के लिए रुपये मांगने का आरोप लगाया। कुसुमलता ने बताया कि 17 तारीख को गांव जाने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। जिसमें उनकी मां घायल हो गईं। शिकायत के बावजूद पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय उल्टा उनके खिलाफ ही रिपोर्ट दर्ज कर ली।

बुद्ध पूर्णिमा पर स्नान आज, नरौरा से गंगा में छोड़ा गया पानी

- गंगा में पूर्णिमा स्नान में अब नहीं होगी श्रद्धालुओं को दिक्कत
- बाढ़ खंड ने पानी डिस्चार्ज कराने को लिखा था पत्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बुद्ध पूर्णिमा पर होने वाले गंगा स्नान पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने को बाढ़ खंड ने नरौरा से पानी डिस्चार्ज कराया है। गंगा नदी में पिछले पन्द्रह दिन से जलस्तर कम हो रहा था, जिससे स्नान करने में श्रद्धालुओं को दिक्कत हो रही थी। अब नरौरा से 15 हजार क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया है जिसके बाद श्रद्धालु गंगा में स्नान कर सकेंगे।

गर्मी के दिनों में गंगा में पानी कम रहता है। ऊपर से अधिक पानी न आने से गंगा का जल स्तर काफी नीचे रहता है जिससे स्नान करने वालों को भी दिक्कत होती है। शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा पर होने वाले गंगा स्नान पर्व को देखते हुए बाढ़ खंड ने नरौरा बैराज प्रशासन को पत्र लिख कर पानी डिस्चार्ज करने को कहा है। इसके बाद नरौरा बैराज से करीब 15 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है जो शुक्रवार सुबह तक गंगा नदी में पहुंच जाएगा। गंगा में पानी कम होने से कछला, हुसैनपुर और उसहैत क्षेत्र के अटेना घाट पर स्नान करने में दिक्कत हो रही है। उसहैत के अटेना घाट पर और कछला गंगा में बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु स्नान करने पहुंचते हैं। सुबह से शाम तक स्नान किया जाता है इसलिए गंगा में पर्याप्त पानी होना जरूरी है।

बाढ़ खंड अधिकारियों का कहना है कि इस समय पहाड़ों पर भी बारिश नहीं हो रही है इसलिए ऊपर से पानी बहुत कम आ रहा है। हरिद्वार और बिजनौर बैराज से बीस दिन पहले अधिक पानी आ गया था जिसके बाद नरौरा से भी अचानक पानी छोड़ा गया था लेकिन अब ऊपर से लेकर मैदानी इलाकों तक स्थिति सामान्य है कहीं पर भी बारिश की संभावना नहीं है। नरौरा से करीब 15 हजार क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है जो गंगा स्नान करने के लिए है।

कछला क्षेत्र में बह रही गंगा। ● अमृत विचार

गंगा किनारे दो हजार हेक्टेयर में है पालेज

गंगा किनारे बड़ी संख्या में स्थानीय किसान पालेज लगाते हैं। इस समय खेतों में तरबूज और खरबूजा तैयार हो रहा है। अगर ऊपर से अधिक पानी छोड़ दिया गया तो किसानों को भारी क्षति होगी, इसलिए हर दिन जल स्तर मापा जाता है। कादरचौक से आगे, कछला और हुसैनपुर के आस-पास करीब दो हजार हेक्टेयर से अधिक रकबा में पालेज तैयार की जाती है। पालेज उगाकर ही इस क्षेत्र के लोग एक साल तक पेट भरने का जुगाड़ करते हैं।

कछला व हुसैनपुर में उगाई जाती हैं सब्जियां

कछला और हुसैनपुर के बीच में हजारों किसान गंगा किनारे हरी सब्जियां उगाते हैं। मुख्य रूप से टमाटर ककड़ी और भिंडी उगाई जाती है इसलिए हर दिन गंगा का जल स्तर मापा जाता है। उसहैत के जटा और आस-पास के गांवों में किसान गंगा के पानी पा ही निर्भर हैं। पानी कम होने पर अधिक फसल होती है। इसलिए इस मौसम में गंगा में पानी बढ़ने से खतरा बन जाता है।

सूचना
मैंने अपने पुत्र हसीम खां को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **कयूम खां पुत्र मुस्तजाब खां नि मो. हुसैनीनगर वार्ड नं. 15 कस्बा व पोस्ट भीरा परगना भूड़ तहसील पलिया जिला खीरी।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में नाम संजू अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम राखी है। संजू और राखी यह दोनों नाम मेरे ही है और मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **राखी पत्नी श्री लाला राम निवासी ग्राम व पोस्ट चनेहटी थाना कैंट बरेली।**

NOTICE
I, Gaurav Kumar, son of Mr. Jay Prakash Rastogi resident of 16, Laxmi Nagar, Bareilly, hereby declare that in my son Pranav Rastogi's School (Hartmann College, Bareilly) documents, my name has been incorrectly recorded as "Gaurav Rastogi", whereas my correct name is "Gaurav Kumar", Gaurav Rastogi and Gaurav Kumar are the names of one and the same person.

सूचना
मैंने अपने पुत्र अतुल कश्यप व उसकी पत्नी काजल कश्यप को गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखलकर संबंध विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में ये अपने समस्त कृत्यों व लेनदेन के स्वयं जिम्मेदार होंगे। **लुसी पत्नी राजकुमार निवासी गंगानगर कॉलोनी नंदोषी सीबीगंज बरेली।**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
सम्पर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सर्वेक्षण | राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज होने पर ही सर्वे में शामिल होंगे किसानों के नाम

आज से शुरू होगा गन्ना फसल सर्वेक्षण, किसान भी होंगे शामिल

- गन्ना विभाग ने बैठककर गन्ना पर्यवेक्षकों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सहकारी गन्ना विकास समिति में गन्ना विकास परिषद के सौजन्य से गन्ना फसल सर्वेक्षण के लिए 1 मई से 30 जून तक होने वाले गन्ना सर्वेक्षण कार्य के प्रशिक्षण में कहा गया कि जिन किसानों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज हैं उनके नाम ही सर्वे किया जाएगा। साथ ही सर्वेक्षण के समय गन्ना फसल को कीट से बचाने का भी सुझाव दिया जाएगा।

सहकारी गन्ना विकास समिति कार्यालय में आयोजित बैठक में जिला गन्ना अधिकारी अशर्फीलाल ने कहा कि पूर्ण पारदर्शिता ही गन्ना सर्वेक्षण का मूल आधार है। जिन कृषकों के नाम राजस्व अभिलेखों में भूमि होंगे, सिर्फ उनके ही नाम पर सर्वे किया जाएगा। सर्वेक्षण कार्य एचएचसी मशीन व मोबाइल से ही किया जाएगा । सर्वे के समय ही विकास कार्य अंतर्गत पेड़ी प्रबंधन, गन्ना में लगने वाले प्रमुख कीट रोग की पहचान, नियंत्रण के उपाय के लिए सुझाव दिया। साथ ही, यह भी कहा गया कि जिस ग्राम में सर्वे प्रारंभ किया जाय, इसके पौधे के साथ-साथ पेड़ी का सत्यापन भी किया जाए। सैंपल सर्वे व बाढ़ग्रस्त ग्रामों का सर्वे पहले किया जाए। सर्वेक्षण से पूर्व टीम की सूचना चीनी मिल को तीन दिन पूर्व ही एसएमएस के माध्यम से दे दी जाए। नए सदस्यों को 30 सितंबर तक सदस्य बनाया जाय। उपज बढ़ोत्तरी के आवेदन भी 30 सितंबर तक ही निर्धारित शुल्क लेकर कराए जायं। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि सर्वेक्षण का कार्य सुबह सूर्योदय से पहले शुरू करें। तेज धूप से बचाव के लिए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। जीएम केन रूपापुर हरदोई ए. सिद्दीकी ने सर्वेक्षण कार्य के साथ विकास कार्य अंतर्गत गन्ना में लगने वाले प्रमुख कीट पहचान व उनके नियंत्रण पर विस्तार से बताया। चीनी मिल बदायूं के मुख्य गन्ना अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि पेड़ी सत्यापन के समय जो पेड़ी मौके पर नहीं है उसको डिलीट कर दिया जाए। प्रशिक्षण का संचालन मुकेश कुमार चौधरी ने किया। प्रशिक्षण में चीनी मिल बिसौली, बदायूं, फरीदपुर, रूपापुर, न्यौली, मंझावली, करीमगंज, राजपुरा के प्रतिनिधि, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सचिव, सहकारी गन्ना विकास समिति व समस्त गन्ना पर्यवेक्षक व चीनी मिल प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चीनी मिल प्रबंधकों व गन्ना पर्यवेक्षकों को संबोधित करते जिला गन्ना अधिकारी

गन्ने को कीट से बचाने का करें प्रयास

गन्ना की फसल में लाल कीट लग रहा है जिससे बचाव के लिये गन्ना किसानों को गांव-गांव गोष्ठी कर कीटनाशक का छिड़काव करने का सुझाव दिया जा रहा है। गन्ना विभाग ने अपने सभी चीनी मिलों व गन्ना पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया है कि गन्ना किसानों की समस्या को त्वरित निस्तारित किया जाए। गन्ने की फसल रेट रोग से बचने की कोशिश की जाए।

आरक्षण बिल के विरोध पर महिलाओं ने निकाली रैली

जन आक्रोश रैली निकालती महिलाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, उसावां

अमृत विचार: कस्बे में भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने जन आक्रोश पद यात्रा निकाली। यह पद यात्रा महिला आरक्षण बिल के पूरी तरह से पारित न होने के विरोध में निकाली गई।

जन आक्रोश रैली पूरे नगर में निकाली गई। महिलाओं ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव के खिलाफ नारे लगाए। महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सीमा राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा महिलाओं के हितों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने ''''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'''' लागू कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है, लेकिन विपक्षी गठबंधन के कारण महिला आरक्षण बिल अभी पूरी तरह से पारित नहीं हो पाया है। पद यात्रा में पंचायत अध्यक्ष प्रियंका सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष सीमा राठौर गार्गी मिश्रा, सुनीता आदि शामिल रहीं।

न्यूज ब्रीफ

ढेरम मडरिया में महिला से मारपीट की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला में दी तहरीर में क्षेत्र के ग्राम ढेरम मडरिया निवासी गयासुद्दीन ने बताया कि गांव का एयान, अबरार, समीना चार पहिया गाड़ी मदरसे की जगह में खड़ी करते हैं। जिसका विरोध करने पर 26 अप्रैल को शाम छह बजे आरोपियों ने गाली गलौज की। उसकी मां तसलीमन बेगम के साथ मारपीट की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाजार जा रही महिला से छेड़छाड़

मुरादाबाद, अमृत विचार : कटघर क्षेत्र की रहने वाली एक महिला गुरुवार सुबह करीब साढ़े दस बजे बाजार जा रही थी। इसी दौरान भीड़भाड़ वाले इलाके में एक नकाबपोश युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ की। घटना के कुछ ही देर बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया गया। पीड़िता की तहरीर पर मुगलपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब वायरल वीडियो के फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। एसपी सिटी कुमार रणविजय विजय ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ननद-भाभी के बाद किशोरी ने भी तोड़ा दम

रामपुर, अमृत विचार : सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के भमरौआ मार्ग पर बुधवार को हुए सड़क हादसे में घायल किशोरी कुमोद (12) बरेली में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हादसे में ननद-भाभी की मौत हो चुकी है, जबकि पांच लोग अभी भी गंभीर रूप से घायल है। सभी को मेरठ के लिए रेफर किया गया था। थाना शहजादनगर क्षेत्र के ग्राम पैगंबरपुर निवासी लज्जावती की पुत्रवधु बहु की कुछ दिन पहले डिलीवरी के दौरान मृत्यु हो गई थी, जिसकी अस्थियां गंगा में विसर्जित करके परिवार घर लौट रहा था। बुधवार सुबह 10 :30 बजे भमरौआ गांव के निकट सड़क हादसे में लज्जावती (45) और उनकी भाभी बासनगली निवासी पूजा (32) की मौत हो गई थी।

भाजपा जिला मंत्री समेत नौ पर मुकदमा

कुंदरकी, अमृत विचार : भाजपा के जिलामंत्री बृजेश लोधी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एक युवती की तहरीर पर पुलिस ने बृजेश लोधी समेत नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सामने आते ही राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। पीड़िता का आरोप है कि बृजेश लोधी ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर कई वर्षों तक शादी का झांसा दिया और इस दौरान उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं, उससे गंदी वीडियो बनाने का भी आरोप लगाया गया है। युवती का कहना है कि बाद में जब शादी से इनकार किया गया तो उसने पहले भी शिकायत की थी।

बार-बार शोषण के सदमे में छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

बिटिया ने फांसी लगा ली मगर किसी ने भी नहीं दी पुलिस को सूचना

मीरगंज कांड

- दूसरी जगह झगड़े की खबर पर गांव पहुंची थी डायल 112
- पुलिस न पहुंचती तो गुपचुप अंतिम संस्कार करने वाला था परिवार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : मीरगंज क्षेत्र में सुसाइड करने वाली कक्षा 8 की छात्रा के साथ हद से ज्यादा हैवानियत हुई थी। दरिंदगी का शिकार 12 बरस की बिटिया ने परेशान होकर फांसी लगा ली, इसके बाद भी उसकी मौत पर परदा डालने की आखिर तक कोशिश की गई। अब्बू दिल्ली में थे और मां ने कई घंटे बाद भी पुलिस को सूचना नहीं दी। दूसरी जगह झगड़े की सूचना पर डायल 112 की टीम गांव न पहुंची होती तो समाज को कंपा देने वाली बच्ची की मौत की कहानी पर हमेशा के लिए परदा डाल दिया जाता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जिस तरह बच्ची के यौन शोषण का सच सामने आया है, न सिर्फ समाज को शर्मिंदा करने वाला है, बल्कि गुमनाम शैतान की तलाश में जुटी पुलिस को भी टेंशन में डालने वाला है।

दरिंदगी का शिकार बनकर जान गंवाने वाली बच्ची मीरगंज क्षेत्र के गांव में रहने वाले तंगहाल परिवार की सबसे बड़ी बेटी थी। पिता दिल्ली में रहकर चप्पल फैक्ट्री में काम करता है। बच्ची अपनी मां और 4 छोटे भाई-बहनों के साथ गांव में रहती थी। गांव के सरकारी जूनियर हाईस्कूल में कक्षा आठ की पढ़ाई भी कर रही थी। तीन दिन पहले गांव में दो पक्षों के बीच झगड़ा होने की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम वहां पहुंची थी। कुछ ही कदम की दूरी पर छात्रा की मौत हुई थी मगर इसकी सूचना पर परिवार या गांव के लोगों ने पुलिस को नहीं दी थी। मौके पर पहुंची 112 टीम को पड़ोस में बच्ची की मौत का पता लगा तो पूरे मामले से थाना मीरगंज को अवगत कराया गया। इसके बाद थाने से पुलिस गांव पहुंची। उससे पहले छात्रा के शव के अंतिम संस्कार की तैयारी चल रहे थे। पुलिस के सामने भी बच्ची की मां पोस्टमार्टम न कराने की मांग करती रही। पुलिस ने समझा-बुझाकर शव पोस्टमार्टम को न भेजा होता तो 12 साल की उम्र में दरिंदगी की वजह से सुसाइड करने वाली छात्रा का सच शायद ही कभी सामने आ पाता।

हालात बता रहे, बच्ची का शोषण करने वाला कोई परिचित ही

सीसीटीवी खोलेगा राज, कई हिरासत में

छात्रा पर जुल्म और उसकी मौत की सच्चाई सामने लाने के लिए अंधेरे में हाथ-पैर मार रही पुलिस ने पड़ोस में लगे सीसीटीवी को प्रमुखता से जांच में शामिल किया है। पुलिस को अभी तक बताया गया है कि घटना के समय बच्ची की मां कोटेदार से राशन लेने गई थी और घर पर छात्रा के साथ उसकी छोटी बहन मौजूद थी। बहन ने ही पड़ोस में जाकर उसके फंदे से लटके होने की सूचना दी थी। इसके बाद मां ने भी किसी को खबर करना उचित नहीं समझा। हालात देखते हुए पुलिस का मानना है कि छात्रा का शोषण करने वाला कोई परिचित हो सकता है। छात्रा का लगातार शोषण होता रहा और परिवार में किसी को पता नहीं लगा, यह सवाल भी पुलिस को लगातार उलझा रहा है। कई बिंदुओं पर छानबीन जारी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, छात्रा का यौन शोषण हुआ था। उसके अंगों पर दांत से काटने के निशान भी पाए गए। मौत की वजह हैंगिंग आया है, जिसका मतलब सुसाइड है। बड़ा सवाल है, बच्ची को लगातार हैवानियत करने वाला आखिर कौन था? घर के हालात और बच्ची पर हुए जुल्म को देखकर माना जा रहा है कि कोई परिचित ही उसका शोषण कर रहा था। प्रश्न ये भी उठता है कि परिवार ने आखिर छात्रा की मौत की सूचना पुलिस को क्यों नहीं दी ? बेटी की मौत की खबर पाकर दिल्ली से गांव पहुंचे अब्बू कुछ बताने की स्थिति में नहीं है। पुलिस अब छात्रा की मां से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है, ताकि सनसनीखेज मामले की तह में पहुंचा जा सके। मां को पुलिस ने थाने बुलाकर लंबी पूछताछ की है। गुरुवार को सीओ मीरगंज अजय कुमार, थाना प्रभारी संजय तोमर और हलका इंचार्ज मृत छात्रा के घर पहुंचे और घटना के संबंध में गहराई से छानबीन की। आस पड़ोस में रहने वालों से भी पूछताछ की गई है। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा छात्रा की मौत को लेकर बेहद गंभीर नजर आ रही हैं। उन्होंने सीओ और इंस्पेक्टर को विवेचना के संबंध में जरूरी निर्देश दिए हैं। एसपी साउथ ने बताया कि पुलिस की दो टीमें मामले के खुलासे के लिए लगाई गई हैं। जल्द ही पर्दाफाश किया जाएगा।

फर्जी आईएएस विप्रा गैंग ने नौकरी के नाम पर दस लाख ठगे

बरेली, अमृत विचार : सुभाषनगर क्षेत्र के राजीव कॉलोनी निवासी अमित राज ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2020 में उसकी मुलाकात ग्रीन पार्क निवासी डॉ. विप्रा शर्मा से हुई थी, जिन्होंने खुद को एसडीएम बताया था। बातचीत के दौरान उन्होंने प्रशासन में ऊंची पहुंच का हवाला देते हुए अमित और उसके भाइयों को सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिया।

आरोप है कि डॉ. विप्रा शर्मा ने राजस्व विभाग में क्लर्क, कंप्यूटर ऑपरेटर और लेखपाल पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपये की मांग की। परिवार ने जेवर बेचकर दो लाख रुपये नकद और आठ लाख रुपये बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी ने अक्टूबर और दिसंबर 2024 में डाक के माध्यम से फर्जी नियुक्ति पत्र भेजे, जिन पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के सचिव के नकली हस्ताक्षर थे। जब ज्वाइनिंग नहीं हुई तो पीड़ित को शक हुआ और उसने लखनऊ जाकर जांच की, जहां नियुक्ति पत्र फर्जी निकले।

पीड़ित का आरोप है कि जब उसने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। अब उसने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ठगी करने वाली बहनों के बारे में और जानकारी कर रही है। उनके बैंक खातों की भी जानकारी बैंक से ली जा रही है। फिलहाल तीनों बहने जेल में है और उनके एकाउंट भी फ्रीज कराए जा चुके है।

मण्डलायुक्त ने की समीक्षा गेहूं खरीद बढ़ाने के निर्देश

अधिकारियों के साथ बैठक करते मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता , बरेली

- वृक्षारोपण की जियो टैगिंग और डेंगू-मलेरिया नियंत्रण पर विशेष जोर दिया

अमृत विचार: विकास भवन सभागार में मण्डलीय समीक्षा बैठक में मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी ने गेहूं खरीद, वृक्षारोपण, शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने सभी विभागों को कार्यों में तेजी लाने और जमीनी स्तर पर सुधार करने को कहा।

मण्डलायुक्त ने बताया कि प्रदेश में गेहूं खरीद में मंडल दूसरे स्थान पर है। इसे और बेहतर करने की आवश्यकता है। उन्होंने डिप्टी आरएमओ को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और अधिक से अधिक किसानों को क्रय केन्द्रों तक लाया जाए। साथ ही केन्द्रों पर बोरों की उपलब्धता, पेयजल और बैठने की व्यवस्था करने को कहा। वृक्षारोपण की समीक्षा के दौरान कहा कि सभी विभाग अपने निर्धारित लक्ष्य समय से पूरा करें। एक ही स्थान पर बार-बार पौधारोपण न करने और प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग कर पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। कार्ययोजना प्रस्तुत न करने वाले विभागों पर नाराजगी भी जताई। शिक्षा विभाग की समीक्षा में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि स्कूल चलो अभियान के तहत अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराया जाए। बैठक में जिलाधिकारी बदायूं अवनीश कुमार राय, जिलाधिकारी शाहजहांपुर धर्मेंद्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेंद्र सिंह सहित मंडल के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने तकनीक और नवाचार पर दिया जोर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

प्रदर्शनी का अवलोकन करती कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। ● अमृत विचार

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी का किया उद्घाटन, प्रयोगों को सराहा

अमृत विचार: महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कृषि संकाय एवं प्रोद्योगिकी विभाग की ओर से आयोजित कृषि प्रदर्शनी में आधुनिक कृषि यंत्रों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को प्रदर्शनी का अवलोकन कर कृषि क्षेत्र में हो रहे प्रयोगों की सराहना की।

विश्वविद्यालय के कृषि संकाय एवं प्रोद्योगिक विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कुलाधिपति ने नारियल फोड़कर कृषि संकाय के नए आधुनिक कृषि उपकरणों का शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में खरीदे गए दो ट्रैक्टर, पावर टीलर, आगर, ड्रोन सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों को प्रदर्शित किया गया। कुलाधिपति ने इन संसाधनों को छात्रों के व्यवहारिक ज्ञान और अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आगे चलकर विश्वविद्यालय ही इन्हीं उपकरणों का निर्माण करें। निर्माण करके बाजार में भी विश्वविद्यालय निर्मित उपकरण बेचे जाए। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रामफल और एवोकाडो की खेती रही। एवोकाडो के पौधे को उन्होंने राजभवन में भी लगवाने की बात कही। कुलाधिपति ने इन फसलों के उत्पादन की सराहना करते हुए इसे आधुनिक और विविधीकृत कृषि की दिशा में अहम कदम बताया।

कहा कि इस तरह के प्रयोग किसानों के लिए प्रेरणादायक साबित हो सकते हैं। विश्वविद्यालय के कृषि संकाय की ओर से विश्वविद्यालय परिसर के उत्पादों को राज्यपाल अपने साथ ले गई। कृषि संकाय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कृषि उपकरणों और तकनीकों की कुलाधिपति को विस्तृत जानकारी दी। कुलपति प्रो. केपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह, कृषि संकाय के विभागाध्यक्ष प्रो. उपेंद्र बालियान, पीओपी अनिल साहनी सहित विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्ष, संकायाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी सम्मानित

संवाददाता, ककराला

मेधावी छात्र को प्रतीक चिन्ह देते हाजी मुस्लिम खां। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुस्लिम पी.जी. कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के संस्थापक पूर्व विधायक हाजी मुस्लिम खां को प्रतीक चिन्ह देकर किया गया

मुख्य अतिथि व महाविद्यालय संस्थापक हाजी मुस्लिम खां ने इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र के 75 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक विकास में महिलाओं का शिक्षित होना आवश्यक है। इंटरमीडिएट में प्रत्येक कॉलेज से सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले तीन-तीन मेधावियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुस्लिम पी.जी. कॉलेज में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में जब टॉपर बच्चों के नाम पुकारे गए, तो पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम का संचालन एम.एस.डब्ल्यू विभाग के विभागाध्यक्ष मुहम्मद शोएब ने किया। प्रबंध समिति व प्राचार्या डॉ रोशन परवीन व कार्यक्रम प्रभारी अबू तालिब खान, कार्यालय अधीक्षक अतहर मोहम्मद खान, तकनीकी सहायक अनस खां व कॉलेज के समस्त शिक्षक, छात्र-छात्राएं रहे।

पुजारियों को मिले वेतन एवं भत्ता

चंदौसी, अमृत विचार: नगर में राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संगठन विस्तार को लेकर घंटाघर मंदिर पर एक बैठक की गई । बैठक में पुजारियों को वेतन व अन्य भत्ते की मांग उठाई गई। बैठक में राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने बताया कि राष्ट्रीय पुजारी परिषद का गठन कोरोना काल में हुआ था। सरकार से पुजारी को 40000 रुपए वेतन प्रति माह मिलने एवं मंदिरों का संरक्षण सरकार द्वारा किए जाने की मांग की। कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 20 अप्रैल 2022 को पुजारी एवं पुरोहित कल्याण बोर्ड बनाने की घोषणा को अति शीघ्र क्रियाशील कराने की मांग की।

10वीं में प्राजना, 12 वीं में बदायूं की अनामिका मंडल टॉपर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद खुशी मनाती छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (सीआईएससीई) ने गुरुवार को सुबह 11 बजे आईसीएसई (10वीं) और आईएससी (12वीं) की परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए। बरेली के सेंट मारिया गोरिटी की प्राजना पाराशर ने 10वीं में 99.6 फीसदी अंक हासिल कर बरेली मंडल में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं 12वीं में बदायूं के डीई पॉल स्कूल की अनामिका 98: 25 प्रतिशत अंक लाकर मंडल टॉपर बनी।

12वीं में सेंट मारिया गोरेटी की आर्यालय शाही 97. 25 प्रतिशत के साथ मंडल में दूसरे स्थान पर रही। इसके अलावा बहेड़ी के असीसी कान्वेंट स्कूल की इमान निशत ने 97. 25 प्रतिशत अंक लाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हार्टमैन स्कूल के अनिरुद्ध जौहरी ने 96. 75 के साथ चौथा स्थान हासिल किया। इसके अलावा गिरीश प्रसाद मेमोरियल कॉलेज के हर्षित सिंह 95. 25 प्रतिशत अंक के साथ मंडल में पांचवें स्थान पर रहा। कक्षा 10 में हार्टमैन कॉलेज के राघव पुरोहित के 99 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे नंबर पर रहे। गिरीश प्रसाद मैमोरियल कॉलेज की इफरा कुलसुम ने 98. 4 प्रतिशत अंक लाकर तीसरा स्थान हासिल किया। एसटी एक्सवेयर कॉलेज के ईशान विष्ट 88. 6 प्रतिशत अंक के साथ मंडल में चौथे स्थान पर रहे। वहीं सेंट मारिया कांवेंट स्कूल की शगुन सिंह, श्रेयांस संयुक्त रूप से पांचवे स्थान पर रहे।

कार्यालय ग्रा. पं. भवानीपुर नगला विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भवानीपुर नगला में गौवंश आश्रय स्थल विकास खंड इस्लामनगर जिला बदायूं में गोबर खाद की नीलामी दिनांक 04.05.2026 को पंचायत भवन पर दोपहर 12:00 बजे की जाएगी।

प्रधान सचिव

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 01 वर्ष 2026-27

अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **कार्यों का विवरण:-** 1. इज्जतनगर मंडल के भोपतपुर स्टेशन पर प्राईवेट साइडिंग के कारण Hitachi STS मेक इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग में आल्ट्रेशन एवं अन्य विभिन्न सिगनलिंग कार्य।, **अनुमानित लागत:-** ₹ 46,92,553.10, **बयाना राशि:-** ₹ 93,900, **कार्य समापन अवधि:-** 3 माह, **कार्यों का विवरण:-** 2. इज्जतनगर मंडल छह स्टेशनों (बरेली जं., भोजीपुरा, खटीमा, बिलासपुर, फतेहगढ़ एवं कायमगंज) पर कोच गाइडेन्स डिस्पले सिस्टम का प्रावधान।, **अनुमानित लागत:-** ₹ 2,69,87,925.51, **बयाना राशि:-** ₹ 5,39,800, **कार्य समापन अवधि:-** 9 माह, **ई-निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:-** दिनाँक 19.05.2026 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मंडल सिगनल व दूरसचांर इंजीनियर, मुजाधि/सिग्नल-20 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **क्र०सं०:-** 1, **ई-प्रापण निविदा संख्या:-** उपमु०ई०-नि०-मुख्या०-गोर०-02 -2026, **कार्य का नाम:-** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल के गोरखपुर कैण्ट-वाल्मिकिनगर दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत फेज-I व II (गोरखपुर कैण्ट (सहित) से कप्तानगंज (सहित)) के मध्य बचे हुए विविध कार्य।, **अनुमानित निविदा मुल्य:-** 44266761.72, **बयाना राशि (रु०):-** 885300.00, **निविदा प्रपत्र का मुल्य (रु०):-** 0.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:-** 04 (चार) माह, • **बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथि** - 08.05.2026, • उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि- दिनांक 22.05.2026 को 15.00 बजे तक, • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि दिनांक 22.05.2026 को 15.30 बजे, • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।, • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/नि0/मुख्या0/ गोरखपुर

मुजाधि/डब्लू-58

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गौरव गुप्ता व श्री सौरभ गुप्ता निवासी-9ए लोहिया विहार आवासीय योजना सी0बी0 गंज, बरेली द्वारा भूखण्ड स0-9ए लोहिया विहार योजना, क्षेत्रफल 316 .50 वर्गमी0, पर व्यवसायिक क्रिया के अन्तर्गत स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना 2031 के अनुसार स्थल का भू-उपयोग आवासीय दर्शित है। उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण माडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा माडल जोनिंग रेग्यूलेशन-2025 के प्रस्तर 15 .3 .2 के क्रम स0-2 .2 के अन्तर्गत व्यवसायिक क्रिया आवासीय भू-उपयोग 12 .00 मी0 चौड़े मार्ग पर अनुमन्य है। स्थल के सम्मुख 60 .00 मी0 चौड़ा मार्ग स्थित है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रस्तर 15 .1.3 के बिन्दु सं0-(iv) में उल्लेख है कि "महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित लेआउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित करने के उपरांत दी जाएगी।" उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति / सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव को स्वीकार नही किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गौरव गुप्ता व श्री सौरभ गुप्ता निवासी-9 लोहिया विहार आवासीय योजना सी0बी0 गंज, बरेली द्वारा भूखण्ड स0-9 लोहिया विहार योजना, क्षेत्रफल 351.50 वर्गमी0, पर व्यवसायिक क्रिया के अन्तर्गत स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना 2031 के अनुसार स्थल का भू-उपयोग आवासीय दर्शित है। उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण माडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा माडल जोनिंग रेग्यूलेशन-2025 के प्रस्तर 15 .3 .2 के क्रम स0-2 .2 के अन्तर्गत व्यवसायिक क्रिया आवासीय भू-उपयोग 12 .00 मी0 चौड़े मार्ग पर अनुमन्य है। स्थल के सम्मुख 60 .00 मी0 चौड़ा मार्ग स्थित है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन-2025 के प्रस्तर 15 .1 .3 के बिन्दु सं0- (iv) में उल्लेख है कि "महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित लेआउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित करने के उपरांत दी जाएगी।" उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति / सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव को स्वीकार नही किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

कार्यालय ग्राम पंचायत सुरला विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिबोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईंट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - सुमन देवी सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत रहपुरा करीम बक्श विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिबोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईंट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - शशि गंगवार सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत सफरी विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिबोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईंट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - अंजली गंगवार सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत खितौसा विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिबोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईंट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 11.05.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - मुनीश गंगवार सचिव- अजय वंश

कार्यालय ग्राम पंचायत गोपालपुर अजीजपुर विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी-जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिबोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/ मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईंट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 12.05.2026 को अपरान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 12.05.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान - नीतू कुमारी सचिव- अजय वंश

न्यूज ब्रीफ

संविधान सम्मत नहीं है नारी वंदन प्रस्ताव

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. विधान परिषद में नारी वंदन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सपा के सदस्य राजेन्द्र चौधरी ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे त्रुटिपूर्ण और संविधान सम्मत न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ था, न कि केवल एनडीए सरकार द्वारा। सपा सदस्य ने आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे पर भ्रम फैला रही है और वास्तविक आरक्षण लागू करने के बजाय परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। सपा की विचारधारा को राममनोहर लोहिया से जोड़ते हुए कहा कि पार्टी शुरू से महिला समानता और आरक्षण की पक्षधर रही है।

महिला आरक्षण पर सरकार का समर्थन

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने महिलाओं को राजनीति में उचित भागीदारी देने के मुद्दे पर केंद्र और राज्य की पहल का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला लंबे समय से संसद और विधानसभाओं में लंबित होने पर चिंता भी व्यक्त की, उन्होंने महिला आरक्षण बिल न पास होने को "अति-दु:खद, दुर्भाग्यपूर्ण और चिंतनीय" बताया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बसपा प्रमुख ने कहा कि इस विषय पर उत्तर प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बहुजन समाज पार्टी इस पहल का समर्थन करती है और महिला आरक्षण के पक्ष में है।

पॉलीटेक्निक : आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी, जिसे अभ्यर्थियों के हित में बढ़ाकर अब 10 मई 2026 कर दिया गया है। परिषद के सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों और विभिन्न संस्थाओं की मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। साथ ही आवेदन पत्रों में त्रुटि सुधार की तिथियों में भी बदलाव किया गया है। अब अभ्यर्थी 8 मई से 11 मई 2026 तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी परिषद के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर या हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। परिषद के अनुसार, प्रदेश में पॉलीटेक्निक की कुल 2,71,093 सीटों के मुकाबले अब तक करीब 3 .5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया है। साथ ही अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे बढ़ी हुई समय-सीमा का लाभ उठाते हुए समय पर आवेदन करें और आवश्यक सुधार भी निर्धारित अवधि में पूरा कर लें।

धार्मिक स्थलों के लिए 17 परियोजनाएं मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग ने बुलंदशहर, चंदौली और चित्रकूट में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए 997 लाख रुपये की 17 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक स्थलों का कायाकल्प कर वहां बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। बुलंदशहर जिले में 3 .15 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें ऊंचागांव के सिद्ध बाबा (काल भैरव) मंदिर, खुर्जा के बौद्ध महासभा संस्थान, डिबाई के मां आशावर देवी मंदिर, शिकारपुर के शिव मंदिर और अनूपशहर के छोटी माता मंदिर का विकास शामिल है। चंदौली में 4 .76 करोड़ रुपये की छह परियोजनाएं मंजूर हुई हैं। इसमें शंकर मंदिर, हनुमान मंदिर और काली मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों के विकास के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन को भी बढ़ावा देने की योजना शामिल है। चकिया और चहनिया क्षेत्रों में बहुउद्देशीय सुविधाओं का विकास कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था तैयार की जाएगी। चित्रकूट में 2 .06 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है। पालेश्वरनाथ मंदिर, राम शैया स्थल, वाल्मीकि घाट और महर्षि आश्रम परिक्रमा पथ जैसे स्थलों के विकास से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार आस्था और विकास को साथ लेकर काम कर रही है।

महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान परिसर में विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करते सत्ता पक्ष के सदस्य।

सरकार के खिलाफ विरोध जताते विपक्षी पार्टियों के सदस्य। अमृत विचार

राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बना विशेष सत्र

विधानसभा : सत्ता और विपक्ष में सीधा टकराव, तेज रही बयानों की धार, इतिहास से लेकर नीयत तक पर उठाए गए सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा का माहौल गुरुवार को पूरी तरह सियासी टकराव में तब्दील रहा। कार्यवाही शुरू होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए।

विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा के लोग महिला सम्मान की बात करते हैं, लेकिन यही लोग थे जब बसपा ने सपा से समर्थन वापस ले लिया था तो सपा के गुंडे स्टेट गेस्ट हाउस में मायावती को सिलिंडर लीक कर जान से मारना चाहते थे। ये लोग अब महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं। स्व. फूलन देवी को डाकू बना देने में इन्हीं सपा के लोगों का हाथ था। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा ने लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया और अब राजनीतिक कारणों से सवाल उठा रहे हैं। मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने बहस को और तीखा करते हुए कहा कि "इतिहास गवाह है कि महिलाओं ने संघर्ष किया, लेकिन कुछ लोग हर दौर में विरोध की राजनीति करते रहे।" उन्होंने विपक्ष

सदन में बोलते मुख्यमंत्री योगी।

पर सामाजिक विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया। इस बीच सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने भी विपक्षी दलों पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि "मर्यादा भी लौट आए तो कांग्रेस और सपा के आचरण पर शर्माएगी।" उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में नारी शक्ति को कमजोर करने का काम इन्हीं दलों ने किया। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने सदन के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा थी कि महिलाओं को राजनीति में भी अवसर मिले पर सपा-कांग्रेस के कारण ऐसा नहीं हो सका। भाजपा विधायक केतकी सिंह ने कहा कि विपक्ष की ओर से महिला आरक्षण का विरोध करना लोकतंत्र का काला दिन है।

मुद्दा और तेज होने के संकेत

दिनभर चली बहस में साफ दिखा कि महिला आरक्षण का मुद्दा अब केवल विधायी चर्चा नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति और जनसंदेश का माध्यम बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश कर रहा है, वहीं विपक्ष इसकी टाइमिंग और क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर रहा है। महिला आरक्षण पर यह विशेष सत्र नीतिगत बहस से ज्यादा राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन में बदलता दिखा। आने वाले चुनावी माहौल में यह मुद्दा और तेज होने के संकेत साफ हैं।

सपा-कांग्रेस महिला विरोधी थे और रहेंगे : पूजा पाल

सपा विधायक पूजा पाल ने कहा कि पीएम मोदी ने देश की आबादी को सम्मान दिलाने का प्रयास किया। विपक्ष में बैठे सपा और कांग्रेस जो खुद को महिला हितैषी बताते हैं, यही लोग इसका विरोध करने लगे। ये लोग दिखा रहे कि ये महिला विरोधी थे, हैं और रहेंगे। उस दिन महिलाएं टीवी पर टकटकी लगाकर देख रही थीं, ये वो महिलाएं थी जो गरीब थीं, किचन में काम कर रही थीं, लेकिन जब बिल पास नहीं हुआ तो उनके मन को ठेस पहुंची। उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाए जाने का जिक्र करते हुए सीएम योगी को धन्यवाद दिया।

सपा कांग्रेस के लोग महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते हैं। कांग्रेस के प्रमुख परिवार की दो-दो महिलाएं संसद की सदस्य हैं और यूपी के प्रमुख विपक्षी दल के नेता के घर की महिला सांसद है, लेकिन वो गरीब महिलाओं का विरोध करते हैं। पूर्व मंत्री राजा भइया ने कहा कि एक दिन वह भी आ सकता है, जब पुरुषों को आरक्षण मांगना पड़ेगा। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष ने तंज कहा कि बेटा बचाओ अभियान शुरू होगा।

विपक्ष ने भी पलटवार में कोई कमी नहीं छोड़ी। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की घोषणा की जाए। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने इसे "राजनीतिक दिखावा" बताते हुए कहा कि यदि सरकार गंभीर होती तो बिल लागू करने में देरी नहीं होती। सपा के संग्राम यादव ने मुख्यमंत्री के भाषण को "दोहराव" बताते हुए नई नीति की मांग की। सत्र के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान और राजभर के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे माहौल और गरमा गया। विधानसभा अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो सकी।

सात विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी, सदन पटल पर दी गई जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को विधायी कार्यवाही के दौरान नए विधेयकों के पारित होने के साथ-साथ पूर्व सत्र में पारित महत्वपूर्ण प्रस्तावों को राज्यपाल की मंजूरी मिलने की औपचारिक जानकारी भी सदन पटल पर दी गई। सदन की कार्यसूची के क्रमांक-10 के अंतर्गत प्रमुख सचिव ने घोषणा करते हुए बताया कि विधानसभा और विधान परिषद से पूर्व में पारित कई विधेयकों को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है और वे अब अधिनियम का रूप ले चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन विधेयक 2026, नगर निगम संशोधन विधेयक 2026, नगर पालिका संशोधन विधेयक 2026, विनियोग विधेयक 2026 तथा राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2026 शामिल हैं। इन सभी को फरवरी 2026 के सत्र में विधानसभा व विधान परिषद से पारित कर राज्यपाल के पास भेजा गया था, जहां 24 फरवरी 2026 को स्वीकृति मिलने के बाद ये विधेयक कानून बन गए। सदन में दी गई इस सूचना का उद्देश्य सदस्यों को यह अवगत कराना था कि जिन विधेयकों पर पूर्व में चर्चा कर मंजूरी दी गई थी, वे अब विधिक रूप से लागू हो चुके हैं। यह प्रक्रिया विधानमंडल की औपचारिकता का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है, जिसके तहत पारित विधेयकों की अंतिम स्थिति सदन के समक्ष रखी जाती है।

विधान परिषद में महिला आरक्षण पर गरमाई बहस, कई सदस्यों ने विचार रखे

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए सरकार प्रयासरत : केशव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रस्तुत नारी सशक्तीकरण विरोधियों के आचरण संबंधी निंदा प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में महिला सशक्तीकरण को लेकर गुरुवार को बुलाए गए विशेष सत्र की शुरूआत हुई। नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'नारी सशक्तीकरण विषय पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिस पर पांच घंटे की चर्चा निर्धारित की गई। साथ ही प्रमुख सचिव ने वर्ष 2026 के तेरहवें से अठारहवें अधिनियमों की घोषणा की।

चर्चा की शुरुआत करते हुए नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने की और सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री ने जून 1995 में वीआईपी गेस्ट हाउस प्रकरण से शुरुआत की, 2013 में आरोपी तत्कालीन विधायक अरुण वर्मा गैंगरेप पीड़िता की हत्या का जिक्र किया, संदिग्ध परिस्थितियों में होने वाली मौत को लेकर तत्कालीन सपा सरकार को घेरा। बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या की घटना, बुलंदशहर में ईंट-भट्टा हत्याकांड फरवरी 2014, जब महिला ने रेप का विरोध किया तो उस भट्ठे के मालिक आस मोहम्मद ने जिंदा जला दिया था, आदि की चर्चा करते हुए समाजवादियों को महिला आरक्षण बिल का विरोधी की संज्ञा दी।

शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है और इसे लागू किया जाना चाहिए। रालोद के योगेश चौधरी ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए समर्थन किया। सुभासपा के विछे लाल राम ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग दोहराई। भाजपा की प्रज्ञा त्रिपाठी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विधेयक का विरोध महिलाओं का अपमान है। भाजपा सदस्य रमा निरंजन और वंदना वर्मा ने भी महिला सशक्तिकरण में सरकारी प्रयासों को रेखांकित किया। राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी विधेयक के समर्थन में विचार रखे। इसके अलावा भाजपा के भूपेंद्र चौधरी, सपा के राजेंद्र चौधरी और भाजपा के देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी चर्चा में भाग लिया।

दूसरे पहर में जयपाल सिंह व्यस्त की अध्यक्षता में पुनः शुरू सदन की कार्यवाही के दौरान संजय कुमार निषाद, आशीष पटेल, मान सिंह यादव, विजय लक्ष्मी गौतम, हरी सिंह ढिल्लों, अशोक कटियार, अश्वनी त्यागी, संतोष सिंह, नरेन्द्र कश्यप, आकाश अग्रवाल, गोविंद नारायण शुक्ल और लालजी प्रसाद निर्मल सहित कई सदस्यों ने नारी सशक्तीकरण पर अपने विचार रखे।

लोकसभा में पारित बिल लागू हो : सपा

नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने महिला विधेयक को अपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रदेश में महिला अपराध के मामले अधिक हैं और सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। महिला सम्मान को "दिखावा" करार दिया। उन्होंने बिना परिसीमन के महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने तथा पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को आरक्षण में समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने की भी मांग की। सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा ने महिला आरक्षण विधेयक की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए बताया कि 19 सितंबर 2023 को लोकसभा में पेश होकर 20 सितंबर को पारित, 21 सितंबर को राज्यसभा से मंजूर और 28 सितंबर को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद भी अब तक इसे लागू नहीं किया गया।

निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

कार्यवाही के दौरान पूर्व सदस्य अरुण कुमार सिंह मुन्ना और आनंद भूषण सिंह बब्बू राजा के निधन पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। साथ ही पूर्व सदस्य महेन्द्र यादव और मोहसिना खलील किदवई के निधन पर सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

पंकज व धर्मपाल ने देखी कार्यवाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला आरक्षण के मुद्दे पर बुलाए गए उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने राज्यपाल दीर्घा में बैठकर कार्यवाही देखी। कार्यवाही के बाद मीडिया से बातचीत में पंकज चौधरी ने विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर राजनीति कर सपा अपना "वास्तविक चेहरा" उजागर कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान राज्यपाल दीर्घा में बैठे भाजपा नेता।

और इसकी मूल भावना समानता व न्याय पर आधारित है।

पंकज चौधरी ने आरोप लगाया कि विपक्ष महिला आरक्षण जैसे गंभीर मुद्दे का भी राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भाजपा इसे महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने का माध्यम मानती है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग की महिलाओं को समान अवसर मिलना चाहिए और यही भाजपा की नीति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह केवल कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और अधिकार सुनिश्चित करने का संकल्प है।

आयुष कॉलेजों में शुरू होगा सोवा रिग्पा पाठ्यक्रम

2500 वर्ष पुरानी चिकित्सा पद्धति की पढ़ाई को बढ़ावा देगी प्रदेश सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रदेश सरकार आयुष कॉलेजों में 2500 वर्ष पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली सोवा रिग्पा (अमची) और सिद्ध पद्धति के पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा को संस्थागत पहचान देना, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित करना और मरीजों को वैकल्पिक उपचार

विकल्प उपलब्ध कराना है।

सरकार की योजना है कि आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के साथ सोवा रिग्पा को भी मुख्यधारा में शामिल किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि ये पद्धतियां कैंसर, गठिया, मानसिक रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों के पूरक उपचार में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार के अनुसार पाठ्यक्रम निर्माण, मानकों के निर्धारण और आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। सरकार की मंजूरी मिलते ही चयनित आयुष कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

वाराणसी बनेगा हब

वाराणसी में सोवा रिग्पा का प्रमुख केंद्र विकसित किया जाएगा, जो शोध, प्रशिक्षण और उपचार का समेकित हब होगा।

रोजगार के अवसर

इन पाठ्यक्रमों से युवाओं को नए रोजगार मिलेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी।

क्या है सोवा रिग्पा

* तिब्बती मूल की प्राचीन चिकित्सा पद्धति
* शरीर-मन संतुलन पर आधारित
* जड़ी-बूटियों व प्राकृतिक तत्वों से उपचार

क्या है सिद्ध पद्धति

* दक्षिण भारत की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली
* वात, पित्त, कफ संतुलन पर आधारित
* आहार व जीवनशैली पर जोर

लापरवाही | वर्ष 2023-24 से पूर्व मनरेगा में पौधरोपण के कार्य 30 फीसद से कम खर्च में फंसे

जियो टैग नहीं हो पाए 5 .41 लाख कार्य

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में वर्ष 2023-24 से पूर्व मनरेगा के तहत कराए गए 5,41,369 कार्यों की जियो टैगिंग नहीं हुई है। इतनी संख्या में आज भी कार्य केंद्र के नरेगा सॉफ्ट पर लंबित हैं। इनमें सबसे ज्यादा कार्य पौधरोपण के बदले नियम के पेंच में फंसे हैं। जिनमें 30 फीसद से कम खर्च हुआ है और जियो टैगिंग इससे अधिक खर्च होने पर पूर्ण होती है।

जिम्मेदार अधिकारी इस प्रगति पर चुप्पी साधे हैं। जबकि, जानकारों की मानें तो वर्ष 2023-24 से पूर्व

● पहले पौधों की खरीद का बना था एस्टीमेट, बाद में मिले नि:शुल्क

पौधरोपण अभियान के बदले नियम की वजह से पौधों की खरीद नहीं की गई। पौधे वन विभाग से निशुल्क लेकर लगाए गए। इस कारण पहले से बने एस्टीमेट के अनुसार कार्य में खर्च 30 फीसद से कम आया और द्वितीय जियो टैगिंग नहीं हो पाई। दूसरी वजह पौधरोपण के बाद मौके पर उतने पौधे नहीं मिले। इससे दो साल में अनुरक्षण कार्य में खर्च 30 फीसद से कम हुआ। कई कार्य विवाद की वजह से शुरू नहीं हो पाए या विरोध की वजह से बीच में ठप होने से मानकों के पेंच में पोर्टल पर लंबित रह गए। इस मामले पर मनरेगा मुख्यालय के ज्वाइंट कमिश्नर संजय पांडेय से संपर्क किया तो वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाए।

केंद्र ने बनाई गाइडलाइन, गांव-गांव सत्यापन शुरू

दो से तीन वर्षों में स्थलों पर काफी परिवर्तन हो चुका है। यह भी कह सकते कि उतने पौधे व कार्य नहीं हैं। इस वजह से जियो टैगिंग होना मुश्किल है। ऐसी स्थिति में केंद्र ने कार्य पूर्ण करने के लिए गाइडलाइन बनाकर जारी की है। इस क्रम में गांव-गांव भौतिक सत्यापन शुरू हो गया है। सत्यापन के बाद गांव में बैठकें करके रिपोर्ट के आधार पर जियो टैगिंग करके पोर्टल पर कार्य पूर्ण किए जाएंगे।

इन वर्षों के इतने कार्य लंबित

वर्ष 2024-25 में 1,99,265

वर्ष 2025-26 में 3,29,945

मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप, सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सुधार की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में मृतक, डुप्लीकेट, स्थानांतरित और अपात्र मतदाताओं के नाम शामिल हैं। सपा ने रायबरेली की हरचंदपुर और बछरावां तथा झांसी की बबीना सीट का हवाला देते हुए कई बूथों पर अनियमितताओं का दावा किया। इसके अलावा बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में फार्म-19 जमा न होने का मुद्दा भी उठाया गया। सपा ने निर्वाचन आयोग से संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

फसल क्षति पर हजारों किसानों को मिली मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● प्रभावित किसानों को राहत देने का अभियान तेज

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में फसल क्षति से प्रभावित किसानों को राहत देने का अभियान तेज कर दिया गया है। खराब मौसम, अग्निकांड, ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन को सक्रिय रहकर नुकसान का आकलन करने और शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026-27 में अग्निकांड से 8 जिलों में 111.134 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई, जिसमें 668 किसानों में से 51 को 1.81 लाख से अधिक की राहत दी जा चुकी है। ओलावृष्टि से सबसे अधिक नुकसान हुआ, जहां 13 जिलों में 38,369.72 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। इसमें 1,07,104 किसानों में से 23,983 किसानों को 14.92 करोड़ से अधिक की सहायता वितरित की गई है। अतिवृष्टि से 9 जिलों में 1,358.678 हेक्टेयर फसल को नुकसान हुआ, जहां 3,920 किसानों में से 1,849 किसानों को 1.09 करोड़ की राहत मिली है। शेष किसानों का आकलन तेजी से किया जा रहा है और उन्हें जल्द सहायता देने की प्रक्रिया जारी है।

अब तक के सभी समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है।
-कार्ल मार्क्स, जर्मन दार्शनिक

विकास का महामार्ग

उत्तर प्रदेश का गंगा एक्सप्रेस वे केवल 594 किमी लंबा राजमार्ग नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक संरचना को पुनर्परिभाषित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसे एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की धुरी कहना अतिशयोक्ति नहीं, परंतु यह तभी संभव होगा, जब सड़क निर्माण के साथ-साथ औद्योगिक, सामाजिक और संस्थागत सुधार समान गति से और साथ-साथ आगे बढ़ें। मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे यूपी के पश्चिमी, मध्य व पूर्वी हिस्सों को एक आर्थिक गलियारे में बदलने की क्षमता रखता है।

पहले जहां इन क्षेत्रों के बीच यात्रा में 13 से 14 घंटे लगते थे, अब यह दूरी 6 से 7 घंटे में सिमट सकती है। 120 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति केवल यात्रियों की सुविधा नहीं बढ़ाएगी, बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत को घटाकर व्यापार की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ाएगी। तेजी से माल की ढुलाई होने से कृषि उत्पाद, डेयरी, हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को नए और बड़े बाजार मिलेंगे। यह कहना भी सर्वथा उचित है कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के बदलते विकास मॉडल की अभिव्यक्ति है। जो राज्य कभी पलायन और अवसरहीनता के लिए जाना जाता था, वह अब निवेश आकर्षित करने की दिशा में सक्रिय है। एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों— जिनमें लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई क्लस्टर शामिल हो सकते हैं— स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देंगे, हालांकि इन क्षेत्रों में वास्तविक निवेश और रोजगार सृजन इस बात पर निर्भर करेगा कि भूमि, बिजली, श्रम और नीति स्थिरता कितनी प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाती है। धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। मेरठ से प्रयागराज, जो कुंभ और संगम के कारण वैश्विक पहचान रखता है का सीधा जुड़ाव तीर्थ यात्रियों के लिए वरदान होगा, परंतु टोल शुल्क का सवाल यहां प्रासंगिक है। यदि टोल अत्यधिक हुआ, तो आम यात्रियों के लिए यह सुविधा सीमित हो सकती है, इसलिए टोल नीति में संतुलन आवश्यक है, ताकि लागत वसूली और सामाजिक समावेशन दोनों साथ चल सकें।

रणनीतिक दृष्टि से शाहजहांपुर के पास 3.5 किमी की हवाई पट्टी इस परियोजना को विशेष बनाती है। आपातकालीन या युद्ध की स्थिति में यह लड़ाकू विमानों के लिए आपातकालीन वैकल्पिक रनवे के रूप में काम कर सकती है, जिससे हिंडन, आगरा और बरेली एयरबेस को लाभ पहुंचेगा, युद्ध या ऐसी स्थितियों में इन सैन्य एयर बेस पर दबाव कम होगा और सामरिक लचीलापन बढ़ेगा। जहां तक इस एक्सप्रेस वे की लागत का प्रश्न है, इसके निर्माण में करीब 37,350 करोड़ रुपये, यानी लगभग 63 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर खर्च हुए हैं। पहली नजर में अधिक लग सकता है, लेकिन भूमि अधिग्रहण, उच्च गुणवत्ता निर्माण, पुलों, इंटरचेंज और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखें, तो यह लागत राष्ट्रीय औसत के अनुरूप ही है। असली सवाल लागत नहीं, बल्कि निवेश पर मिलने वाले सामाजिक-आर्थिक प्रतिफल का है। वस्तुतः गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए 'सड़क' से अधिक 'संभावनाओं का मंच' है। यह विकास का गेटवे तभी बनेगा, जब इसके किनारे उद्योग, कौशल और निवेश की वास्तविक धारा बहे।

प्रसंगवश

गौतम बुद्ध एवं उनके समकालीन मत

जिस वक्त सिद्धार्थ ने प्रव्रज्या ली, उस समय मानसिक जगत में बहुत उथल-पुथल मची हुई थी। देश में अलग-अलग दर्शन की बासठ परंपराएं विद्यमान थीं। इनमें से कम से कम छः ध्यान देने योग्य थीं। इन दार्शनिक परंपराओं में से पहली परंपरा के मुखिया का नाम पूर्ण-काश्यप था। इनका मत अक्रियावाद कहलाता था। उनका विचार था कि 'कर्म' का 'आत्मा' पर किसी भी तरह से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दूसरी परंपरा नियतिवाद के नाम से जानी जाती थी। इसके मुख्य उपदेशक मक्खली गोसाल थे। इनका मत 'भाग्यवादी' या 'पूर्व निश्चयवादी' था। इनके अनुसार न कोई कुछ कर सकता है और न होने से रोक सकता है।

तीसरी परंपरा 'उच्छेदवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रस्तुतकर्ता अजित केसकंबल थे। इनका मत 'सर्वनाशवाद' का था। इनके अनुसार यज्ञ, होम बेकार हैं। कर्मफल जैसी कोई चीज नहीं होती, जिन्हें 'आत्मा' भोग सके या उसे भुगतने पड़े। चौथी परंपरा 'अन्योन्यवाद' कहलाती थी। इस मत के मुखिया पकुध कच्चायन थे। इनके अनुसार प्राणी सात तत्वों- पृथ्वी, जल, तेज, वायु, सुख, दुःख और आत्मा के समुच्चय से मिलकर बना है। ये सारे तत्व स्वतः निर्मित हैं और नित्य हैं। इनका किसी भी तरह से नाश नहीं हो सकता है। पांचवी परंपरा 'विक्षेपवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रवर्तक संजय बेलट्ठिपुत्त थे। इनके दर्शन में घोर संदेहवाद था।

डॉ. सुभाष चंद्र
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

छठी परंपरा 'चातुर्याम संवरवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रमुख निगण्ठनाथ पुत्त थे, जो उस समय जीवित थे, जब गौतम प्रकाश की खोज में रत थे। इनका मानना था कि 'आत्मा' को अपने पूर्व जन्मों के कर्म तथा वर्तमान जन्म के कर्मों के परिणाम स्वरूप ही पुनर्जन्म ग्रहण करना पड़ता है, इसलिए इन्होंने सलाह दी थी कि तपश्चर्या के द्वारा बुरे कर्मों को समाप्त कर देना चाहिए।

बुद्ध ने अपने समकालीन दार्शनिकों के मतों को स्वीकार नहीं किया। बुद्ध का उनकी शिक्षाओं को अस्वीकार करना सकारण था। बुद्ध का कहना था यदि पूर्ण-काश्यप के सिद्धांत को माना जाए, तब तो कोई कुछ भी बुरा कर सकता है, किसी को भी हानि पहुंचा सकता है, एक, दूसरे की हत्या कर सकता है और उस पर किसी भी प्रकार का सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं होगा। यदि मक्खली गोसाल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए, तो मनुष्य भाग्य का गुलाम हो जाएगा तथा वह किसी भी तरह से अपने को बंधनों से मुक्त नहीं कर सकेगा।

यदि अजित केसकंबल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए तो इंसान के लिए खाने, पीने और मौज करने के अलावा कोई कार्य शेष नहीं रहता। यदि संजय बेलट्ठिपुत्त का सिद्धांत सत्य मान लिया जाए तो मनुष्य केवल जल की तरह यों ही बहता रहेगा तथा उसका जीवन निरूद्देश्य हो जाएगा। यदि निगण्ठनाथ पुत्त का मत सही मान लिया जाए तो मनुष्य का जीवन कायक्लेश और तपश्चर्या के अधीन हो जाएगा, जिससे उसकी इच्छाओं और मूल भावनाओं का सर्वथा निच्छेद हो जाएगा।

इसीलिए इन दार्शनिकों का कोई भी मत बुद्ध को उपयुक्त प्रतीत नहीं हुआ और आपने अन्यत्र ही कहीं से प्रकाश पाने की उम्मीद रखी। बुद्ध के अनुसार चार आर्य सत्य हैं। पहला- दुःख है, दूसरा दुःख का कारण है, तीसरा दुःख के कारण का निवारण है तथा चौथा दुःख निवारण का मार्ग है। चारों आर्य सत्य से निजात पाने के लिए बुद्ध ने आष्टांगिक मार्ग का अनुसरण बताया था। वे हैं सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वचन, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। बुद्ध के अनुसार इसी मार्ग के अनुसरण से मानव का कल्याण संभव है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एग्जिट पोल्सः कहीं हैट्रिक तो कहीं सत्ता परिवर्तन के आसार

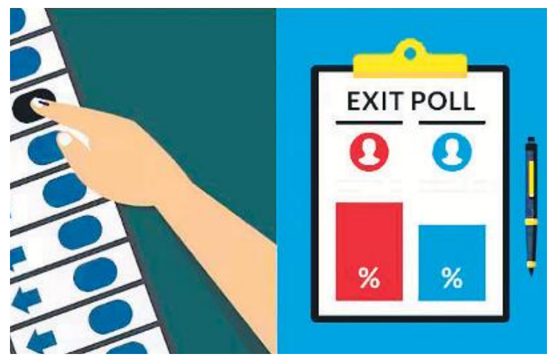

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी, इन पांच महत्वपूर्ण राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भारतीय लोकतंत्र के महापर्व का एक महत्वपूर्ण अध्याय संपन्न हो गया है। अब जनता का जनादेश ईवीएम में सुरक्षित है और पूरे देश की नजर चार मई को आने वाले अंतिम परिणामों पर टिकी है, लेकिन परिणामों से पहले, विभिन्न सर्वेक्षण एजेंसियों के 'एग्जिट पोल' ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। इन आंकड़ों ने कहीं जश्न का माहौल बना दिया है, तो कहीं रणनीतियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। ये एग्जिट पोल्स न केवल संभावित परिणामों का संकेत देते हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं, क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों और मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं को भी उजागर करते हैं, हालांकि एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। फिर भी इन अनुमानों के जरिए हम राजनीतिक रुझानों और संभावित सत्ता संतुलन को समझने की कोशिश कर सकते हैं।

पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर हुआ मुकाबला इस साल का सबसे दिलचस्प चुनाव रहा है। यहां बहुमत के लिए 148 सीटों की आवश्यकता है। एग्जिट पोल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो अपने एग्जिट पोल में चाणक्य स्ट्रैटेजीज ने भाजपा को 150-160, टीएमसी को 130-140, कांग्रेस को शून्य तथा अन्य को 6-10 सीटें दी हैं। केवल पीपुल्स पल्स का एग्जिट पोल ऐसा सामने आया है, जिसमें टीएमसी की सत्ता वापसी का अनुमान लगाया गया है। इस एग्जिट पोल में टीएमसी को 117-187, भाजपा 95-110, कांग्रेस 1-3, लेफ्ट 0-1 तथा अन्य को शून्य सीटें मिलने का अनुमान है। पीपुल्स पल्स को छोड़कर बंगाल के सभी एग्जिट पोल्स राज्य में सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा कर रहे हैं। भाजपा को यहां स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। 'प्रजापोल' जैसे सर्वेक्षण तो भाजपा को 200 के पार ले जा रहे हैं। यदि ये आंकड़े सही साबित होते हैं, तो यह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बड़ा उलटफेर होगा। भाजपा का ध्रुवीकरण और 'परिवर्तन' का नारा जमीनी स्तर पर काम करता दिख रहा है, जबकि टीएमसी के लिए सत्ता विरोधी लहर और भ्रष्टाचार के आरोप बड़ी चुनौती बन गए हैं।

एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं।

असम की 126 सीटों पर मतदान नौ अप्रैल को ही संपन्न हो गए थे। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। यहां हिमंत बिस्वा सरमा का नेतृत्व और विकास के साथ-साथ पहचान की राजनीति का मेल भाजपा के लिए 'विनिंग फॉर्मूला' साबित होता दिख रहा है। असम में सभी एग्जिट पोल्स एक स्वर में भाजपा की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। यहां भाजपा गठबंधन न केवल सत्ता बचाए रखने में सफल दिख रहा है, बल्कि उसकी सीटें पिछली बार के मुकाबले बढ़ने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन यहां काफी पिछड़ता नजर आ रहा है। एग्जिट पोल्स के अनुसार, भाजपा गठबंधन को 68 से लेकर 100 सीटों तक मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 22-36 सीटों तक सीमित दिख रहा है।

केरलम की 140 सीटों पर भी नौ अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां सत्ता की चाबी पाने के लिए 71 सीटों की जरूरत है। केरलम का रिवाज रहा है कि यहां हर पांच साल में सत्ता बदलती है, जिसे पिछले चुनाव में वामपंथी मोर्चे (एलडीएफ) ने तोड़ा था, लेकिन इस बार के एग्जिट पोल्स संकेत दे रहे हैं कि जनता फिर से 'यूडीएफ' (कांग्रेस गठबंधन) की ओर लौट रही है। पिनाराई विजयन की सरकार को तगड़ा झटका लगने का अनुमान है। यहां पर एग्जिट पोल्स अपेक्षाकृत एकमत दिखाई देते हैं और पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाला एलडीएफ 49-65 सीटों तक सिमटता दिख रहा है, जबकि यूडीएफ को 70-90 सीटों के बीच स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां बहुमत का आंकड़ा 118 है। तमिलनाडु में मुकाबला हमेशा की तरह दो द्रविड़ दिग्गजों के बीच है। यहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला डीएमके गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है, हालांकि एआईएडीएमके गठबंधन भी कुछ पोल्स में कड़ी टक्कर देता नजर आ रहा है, लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े के करीब फिलहाल डीएमके ही दिख रही है। स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके गठबंधन को 122-160 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एआईएडीएमके गठबंधन 65-110 सीटों के बीच रह सकता है।

पुडुचेरी की 30 सीटों पर एक्सिस माई इंडिया का पोल भाजपा गठबंधन (16-20 सीटें) को स्पष्ट बहुमत दे रहा है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 6-8 सीटों पर सिमटता दिख रहा है। यह संकेत देता है कि छोटे, लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस केंद्रशासित प्रदेश में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है।

यद्यपि एग्जिट पोल एक रोमांचक तस्वीर पेश करते हैं, लेकिन इनकी विश्वसनीयता पर हमेशा प्रश्नचिह्न लगा रहता है। इतिहास गवाह है कि एग्जिट पोल कई बार पूरी तरह धराशायी हुए हैं। हाल के वर्षों में हरियाणा, महाराष्ट्र (जहां महायुति की जीत का अंतर पोल्स से कहीं ज्यादा था) और झारखंड (जहां एनडीए की हार हुई) के नतीजों ने दिखाया है कि साइलेंट वोटर की नब्ज पकड़ना सर्वे एजेंसियों के लिए कितना कठिन है। इन सर्वे की अपनी सीमाएं भी हैं। दरअसल एग्जिट पोल एक बहुत छोटे 'सैंपल साइज' पर आधारित होते हैं। करोड़ों मतदाताओं वाले राज्यों में कुछ हजार लोगों की राय पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती। कई बार मतदाता अपना असली झुकाव नहीं बताते या मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय दबाव महसूस करते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने

पीएम नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आते ही महिलाओं के नाम जनधन खाते खोले, तो सपा के लोगों ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि कहां हैं 15 लाख रुपये, जबकि इन्हीं अकाउंट में कोविड के दौरान महिलाओं को शासन की सहायता दी गई। सपा के लोग महिलाओं के सम्मान के प्रति कभी संवेदनशील नहीं हैं।

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

सदन का विशेष सत्र बुलाया गया, तो उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री जी नारी सशक्तिकरण पर अपनी बात रखेंगे, पर उन्होंने यहां प्रवचन किया। यही बातें मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहीं। यही बातें मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहीं। मुख्यमंत्री ने यहां भी वही पुराना कैसेट जारी कर दिया।

-संग्राम यादव
सपा विधायक

मजदूर दिवसः श्रमिक अधिकार व खोता बचपन

संध्या राजपुरोहित
लेखिका

हर वर्ष पहली मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। यह दिन श्रमिकों के अधिकारों, उनके सम्मान और उनके संघर्षों को याद करने का अवसर है, किंतु इसी अवसर पर यह प्रश्न और तीखा हो उठता है कि क्या हमने उन बच्चों को देखा है, जिनका बचपन मजदूरी के बोझ तले दब गया है? मध्य प्रदेश, जहां देश की बड़ी आदिवासी आबादी निवास करती है, इस प्रश्न को और गहराई देता है। झाबुआ, अलीराजपुर, धार, डिंडोरी, मंडला और बड़वानी जैसे जिलों में बचपन अक्सर समय से पहले ही वयस्कता का बोझ उठाने लगता है। बच्चे परिवार की आय में हाथ बंटाने के लिए खेतों में काम करते हैं, जंगल से संसाधन जुटाते हैं, या शहरों में जाकर निर्माण स्थलों पर मजदूरी करते हैं।

इस समस्या की गंभीरता केवल अनुभवजन्य नहीं, बल्कि आंकड़ों में भी स्पष्ट दिखाई देती है। यूनिसेफ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की संयुक्त रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में लगभग 16 करोड़ बच्चे बाल श्रम में संलग्न हैं, जिनमें से लगभग आधे खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं। देश में 2011 की जनगणना के अनुसार पांच से 14 वर्ष आयु वर्ग के एक करोड़ से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में श्रम में लगे थे और विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है।

हालिया अभियानों और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023–24 के दौरान देशभर में 44,000 से अधिक बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया, जिनमें बड़ी संख्या आदिवासी और वंचित वर्गों से संबंधित थी। मध्य प्रदेश में भी 2024 के दौरान रायसेन जिले से 50 से अधिक आदिवासी बच्चों को जबरन मजदूरी से छुड़ाया जाना इस समस्या की जड़ों की गहराई को उजागर करता है।

बच्चों की मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह समस्या केवल बाल श्रम नहीं, बल्कि जीविका संकट का परिणाम है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि आदिवासी समुदायों में गरीबी का स्तर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। सीमित कृषि भूमि, जंगल आधारित आजीविका का कमजोर होना और रोजगार के अवसरों का अभाव परिवारों को मजबूर कर देता है कि वे बच्चों को भी कमाने के लिए आगे बढ़ाएं।

आदिवासी समुदायों की आर्थिक स्थिति प्रायः कमजोर होती है। ये लोग वनों, पहाड़ों और दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी होती है। इन समुदायों की आजीविका मुख्यतः कृषि, वनोपज संग्रह, और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर होती है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और औद्योगिक विकास के कारण आदिवासियों की पारंपरिक जीविका के स्रोत नष्ट होते जा रहे हैं। इस कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय हो जाती है और बच्चों को भी कम उम्र में ही श्रम कार्यों में लगना पड़ता है।

बच्चों की यह मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं। वहीं कुछ निर्माण स्थलों, ईंट-भट्टों और खदानों में काम करने को मजबूर हो जाते हैं। कई बार वे घरेलू नौकर के रूप में शहरी परिवारों में काम करने के लिए भेज दिए जाते हैं, जहां उनके साथ दुर्व्यवहार और शोषण की घटनाएं आम होती हैं।

कई बार उन्हें न्यूनतम मजदूरी से भी कम पैसे दिए जाते हैं और उनके काम के घंटों की कोई सीमा नहीं होती। उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है और वे कानूनी सुरक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस प्रकार बचपन की मासूमियत श्रम के कठोर बंधनों में जकड़ जाती है। मौसमी पलायन इस समस्या को और जटिल बना देता है। मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों से हर वर्ष हजारों परिवार गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हैं। श्रम विभाग और विभिन्न सामाजिक संगठनों की रिपोर्ट्स बताती हैं कि इन परिवारों के साथ जाने वाले बच्चे अक्सर स्कूल से कट जाते हैं और मजदूरी में शामिल हो जाते हैं। इस प्रकार शिक्षा का अधिकार कागजों तक सीमित रह जाता है।

शिक्षा के संदर्भ में स्थिति चिंताजनक है। आदिवासी बहुल जिलों में ड्रॉपआउट दर भी सामान्य से अधिक पाई गई है, विशेषकर प्राथमिक से माध्यमिक स्तर पर। शिक्षा से यह दूरी पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाले गरीबी के चक्र को मजबूत करती है। वे अपने माता-पिता की तरह असंगठित श्रम में फंस जाते हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार मध्य प्रदेश में बच्चों में कुपोषण की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। जब कुपोषित बच्चे कठोर श्रम में लगते हैं, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास और अधिक प्रभावित होता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

घर जो कभी सोता नहीं था

लखनऊ के पुराने मोहल्ले कैसरबाग में, पीपल वाले चौराहे से दो गलियां छोड़कर, एक हवेली खड़ी थी, जिसे सब 'जागता घर' कहते थे। 187 साल पुरानी, तीन मंज़िला, 14 कमरों की हवेली। उसकी खिड़कियों से रात के तीन बजे भी पीली रोशनी छनकर सड़क पर गिरती थी। लोग कहते थे कि जब पूरा शहर सो जाता है, तब भी वो घर जागता रहता है। हवेली के आखिरी वारिस थे रघुवीर बाबू। 78 साल की उम्र, कमर झुकी हुई। उनकी दिनचर्या उल्टी थी। जब मोहल्ले में सब्ज़ी वाले की आवाज़ गूंजती, रघुवीर बाबू सोने जाते। जब रात 11 बजे गलियां सुनसान हो जातीं, वो लालटेन जलाकर जाग जाते।

रश्मि त्रिपाठी
ब्लॉगर

हवेली में घड़ी नहीं थी। रघुवीर बाबू कहते, 'घड़ी का क्या है, वो तो वक़्त को कैद करती है। ये घर वक़्त को जीता है।' रात भर वो क्या करते थे? कभी छत पर बैठकर तारों की गिनती। कभी नीचे तहखाने में अपने दादा के ज़माने के खत पढ़ते। कभी रसोई में आधी रात खिचड़ी चढ़ा देते और कहते, 'हो सकता है कोई मुसाफिर भूखा गुज़र जाए।'

1931 की बात है। रघुवीर बाबू के दादा, ठाकुर शिव प्रताप सिंह, अंग्रेज़ों के खिलाफ पर्चे छापते थे। हवेली का तहखाना क्रांतिकारियों का अड्डा था। रात-रात भर मशीन चलती, पर्चे छपते और जवान लड़के आते-जाते। एक रात अंग्रेज़ सिपाहियों ने छापा मारा। शिव प्रताप ने सबको पिछले दरवाज़े से निकाल दिया, खुद पकड़े गए। जाते-जाते उन्होंने अपनी पत्नी से सिर्फ इतना कहा था, 'चिराग जलता रहना चाहिए। जब तक एक भी क्रांतिकारी बाहर है, ये घर सो नहीं सकता।' उस दिन से हवेली का चिराग नहीं बुझा। शिव प्रताप नौ साल बाद जेल से लौटे, मगर घर की आदत बदल चुकी थी। दिन में सोना, रात में जागना। वो कहते थे, 'रात ईमानदार होती है बेटा। दिन में तो सब मुखौटा पहन लेते हैं।'

ये आदत उनके बेटे को लगी, और बेटे से रघुवीर बाबू को।

2020 आया। लखनऊ बदल रहा था। बिल्डर हवेली के चक्कर काटने लगे। 'बाबू, 12 करोड़ देंगे। क्या करोगे इस भूतहा घर में?' हवेली नहीं बिकी। आज 2026 है। रघुवीर बाबू अब नहीं हैं। पर हवेली वहीं है। अब अविनाश और उनकी पत्नी वहां रहते हैं। उन्होंने हवेली को 'रात लाइब्रेरी' बना दिया है। रात 10 बजे से सुबह पांच बजे तक उसके दरवाज़े खुले रहते हैं। छात्र आते हैं पढ़ने। लेखक आते हैं लिखने। कोई मुसाफिर आता है तो खिचड़ी मिलती है। और हाँ, UPSC वाले लड़के तो वहीं सोते-बैठते हैं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अमेरिका-ईरान तनाव का भारतीय शादियों पर प्रभाव

वर्तमान समय में पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव भारत जैसे देशों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खासकर भारतीय शादियों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है, जो पहले से ही महंगाई और बढ़ते खर्चों के दबाव में हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय तनाव का सबसे बड़ा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उसका असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई देता है। शादी-विवाह के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

शादी समारोहों में बड़ी मात्रा में भोजन तैयार किया जाता है, जिसके लिए गैस सिलेंडरों की आवश्यकता अधिक होती है। कई क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की कमी की शिकायतें सामने आती हैं। इससे कैटरिंग व्यवसाय और हलवाइयों को काफी परेशानी होती है। कई बार समय पर सिलेंडर न मिलने से भोजन व्यवस्था प्रभावित हो जाती है, जिससे पूरे आयोजन पर असर पड़ता है।

धनीश शर्मा
लेखक

महंगाई का असर केवल गैस तक सीमित नहीं रहता। तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन महंगा होता है, जिसका सीधा असर सब्जियों, खाद्य सामग्री, टेंट, सजावट, बैंड-बाजा और अन्य सेवाओं पर पड़ता है। परिणामस्वरूप शादी का कुल खर्च काफी बढ़ जाता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ता है, जिनके लिए शादी का बजट संभालना चुनौती बन जाता है।

खाड़ी में तनाव के असर से सोना और चांदी के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। प्रतिदिन इनके भाव में होने वाली वृद्धि का सीधा असर भारतीय शादियों पर भी पड़ रहा है। हमारे समाज में विवाह के दौरान आभूषणों का विशेष महत्व होता है, खासकर लड़की पक्ष के लिए। अधिकांश परिवार अपनी बेटी की शादी में सोने-चांदी के गहने देना सामाजिक जिम्मेदारी और सम्मान से जोड़कर देखते हैं, लेकिन जब बाजार में सोने-चांदी के दाम आसमान छूने लगते हैं, तो इसका सबसे अधिक आर्थिक दबाव लड़की वालों पर पड़ता है। कई बार रिश्ते तय होने के बाद विवाह की तारीख आने तक कीमतें इतनी बढ़ जाती हैं कि पहले बनाया गया बजट पूरी तरह बिगड़ जाता है। इससे परिवारों को अतिरिक्त कर्ज लेना पड़ता है या अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। महंगाई का यह बोझ शादी जैसे शुभ अवसर को भी तनावपूर्ण बना देता है।

इन परिस्थितियों में अब कई लोग सादगीपूर्ण शादी की ओर भी बढ़ रहे हैं। वे अनावश्यक खर्चों को कम कर रहे हैं और अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार ही आयोजन कर रहे हैं। इससे आर्थिक बोझ कम होता है और समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर अब हमारी सामाजिक परंपराओं तक पहुंच चुका है। शादी जैसे पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों पर भी वैश्विक राजनीति का प्रभाव दिखाई देने लगा है, हालांकि भारतीय समाज में ऐसे लोग भी हैं, जो दिखावे के साथ करोड़ो रुपये विवाह में खर्चा करने में पीछे नहीं हैं, जिससे मिडिल क्लास के लोगों के घरों में होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम में उसका असर साफ दिखाई देता हैं। आपसी होड़ में विवाह का बजट पॉकेट के बाहर हो जाता है, जिससे मिडिल क्लास के कई परिवार कर्जो में डूब जाते हैं ये भी भारतीय समाज की कड़वी सच्चाई है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ऐसे हुआ ब्लेड का आविष्कार

शेविंग के इतिहास में 19वीं सदी का दौर एक बड़ा बदलाव लेकर आया। 1800 के मध्य में पुरुषों के बीच क्लीन शेव के साथ मूंछें रखने का ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय होने लगा, लेकिन उस समय आज जैसे आधुनिक ब्लेड उपलब्ध नहीं थे। शुरुआती दौर में लोग कांसे या धातु की गोल, तेज वस्तुओं से शेव करते थे। बाद में 1890 के आसपास स्ट्रेट रेजर का चलन बढ़ा, जिन्हें टिकाऊ और प्रभावी माना जाता था, लेकिन इन्हें इस्तेमाल करना आसान नहीं था और धार बार-बार तेज करनी पड़ती थी।

इसी समस्या ने अमेरिकी आविष्कारक किंग कैंप जिलेट को नया समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। पेशे से ट्रैवलिंग सेल्समैन रहे जिलेट को 1895 में शेविंग करते समय यह अहसास हुआ कि रेजर की धार जल्दी खत्म हो जाती है। उन्होंने ऐसा पतला, सस्ता और आसानी से बदला जा सकने वाला ब्लेड बनाने का विचार किया। शुरुआत में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने इसे असंभव माना, लेकिन बाद में आविष्कारक विलियम निकर्सन की मदद से कई वर्षों की मेहनत के बाद यह सपना साकार हुआ। 1903 में पहला सेफ्टी रेजर बाजार में आया और 1904 में इसका पेटेंट कराया गया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कंपनी ने अमेरिकी सैनिकों को शेविंग किट उपलब्ध कराई, जिससे इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। सैनिकों द्वारा लाखों ब्लेड और रेजर के उपयोग ने कंपनी को वैश्विक पहचान दिलाई। आगे चलकर जिलेट ने मल्टी-ब्लेड तकनीक, डिस्पोजेबल रेजर और आधुनिक ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स के जरिए बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। 2005 में प्रॉक्टर एंड गैंबल द्वारा अधिग्रहण के बाद यह ब्रांड आज भी शेविंग इंडस्ट्री का अग्रणी नाम बना हुआ है।

वैज्ञानिक के बारे में

किंग कैंप जिलेट का जन्म 5 जनवरी 1855 को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य में हुआ था। उनके पिता एक हार्डवेयर व्यापारी थे, जिससे उन्हें बचपन से ही व्यवसाय और तकनीक में रुचि मिली। युवावस्था में वे एक ट्रैवलिंग सेल्समैन के रूप में काम करते थे, जिसने उन्हें लोगों की जरूरतों को समझने का अवसर दिया। वे केवल आविष्कारक ही नहीं, बल्कि एक विचारक भी थे और समाज सुधार से जुड़े विचार रखते थे। उन्होंने "The Human Drift" नामक पुस्तक भी लिखी। 1932 में उनका निधन हुआ, लेकिन उनके आविष्कार ने उन्हें अमर बना दिया।

गिद्धों की अद्भुत जीवन रक्षा तकनीक

गिद्ध एक ऐसा पक्षी है, जिसे अक्सर उपेक्षा की दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन वही प्रकृति का सबसे कुशल सफाईकर्मी है। अपनी अद्भुत पाचन शक्ति, अनोखी जीवन रक्षा तकनीक और सामाजिक व्यवहार से गिद्ध पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखते हैं। आसमान में अथाह ऊंचाइयों पर हवा में तैरते, धरती पर पसरे सन्नाटे के साक्षी गिद्धों को देखकर मन में आकर्षण नहीं, बल्कि एक प्रकार की उपेक्षा का भाव ही पैदा होता है। उनका गंजा सिर, भारी सशक्त चोंच और मृत जीवों पर निर्भर जीवनशैली उन्हें 'अप्रिय' पक्षियों की पंक्ति में खड़ा कर देती है। किंतु यदि हम प्रकृति को उसके वास्तविक स्वरूप में समझने का प्रयास करें, तो यही गिद्ध हमें पृथ्वी के सबसे महत्वपूर्ण और कुशल सफाईकर्मी के रूप में दिखाई देते हैं, ऐसे प्रहरी जो बिना किसी पहचान या प्रशंसा के हमारे पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में सहायक होते हैं।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

जटायु और संपाती का गौरव

भारतीय संस्कृति और रामायण के अमर प्रसंगों में गिद्ध केवल पक्षी नहीं, बल्कि उच्च आदर्शों और त्याग के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

शौर्य और त्याग का प्रतीक

जब रावण माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब वृद्ध जटायु ने ही अपनी क्षीण होती शक्ति की परवाह किए बिना उसका मार्ग रोका और वीरतापूर्वक युद्ध किया। यह केवल संघर्ष नहीं, बल्कि नारी-सम्मान की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण था। भगवान राम द्वारा जटायु का अंतिम संस्कार स्वयं करना, इस पक्षी की श्रेष्ठता और त्याग का प्रमाण है। संपाती दूरदृष्टि का अद्भुत उदाहरण जटायु के ज्येष्ठ भ्राता संपाती ने अपनी असाधारण तीक्ष्ण दृष्टि से हजारों मील दूर लंका में सीता जी की उपस्थिति को पहचान लिया था। यह प्रसंग गिद्धों की उस विलक्षण दृष्टि-क्षमता की ओर संकेत करता है, जिसे आज का आधुनिक विज्ञान भी स्वीकार करता है। गिद्ध 3-4 किलोमीटर की ऊंचाई से भी धरती पर पड़े 3 फुट के मवेशी को भी देख लेता है।

पैरों पर विसर्जन: जीवन बचाने की एक अनूठी तकनीक

पहली नजर में यह व्यवहार विचित्र लगता है कि गिद्ध अपने ही पैरों पर मूत्र विसर्जन करते हैं, लेकिन यह कोई असामान्य आदत नहीं, बल्कि उनके लिए एक अत्यंत उपयोगी वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे यूरोहाइड्रोसिस कहा जाता है। गिद्धों के पास पसीने निः सृत करने वाली ग्रंथियां नहीं होतीं। भीषण गर्मी में, जब अधिकांश जीव पसीने के माध्यम से शरीर का तापमान नियंत्रित करते हैं, ऐसे में पैरों पर तरल का विसर्जन 'वाष्पीकरण द्वारा शीतलन' का कार्य करता है, जो उनके शरीर को ठंडा रखता है।

प्राकृतिक सैनिटाइजर

सड़े-गले मांस के संपर्क में रहने से उनके पैरों पर अनेक हानिकारक जीवाणु चिपक जाते हैं। इनके मूत्र में उपस्थित अम्लीय तत्व इन जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा समाप्त हो जाता है। यह प्रक्रिया उन्हें एक प्रकार की प्राकृतिक रोग-प्रतिरोधक सुरक्षा प्रदान करती है।

सामाजिक सूचना तंत्र और ऊंची उड़ान

गिद्धों की उड़ान अद्वितीय है। वे हवा की गर्म धाराओं का उपयोग करते हुए बिना पंख फड़फड़ाए घंटों तक आकाश में मंडराते रहते हैं, जिससे ऊर्जा की अत्यधिक बचत होती है। इनका सामाजिक व्यवहार भी अत्यंत रोचक है। एक गिद्ध जब मृत पशु देखता है, तो किसी ऊंचे वृक्ष पर बैठकर विशेष प्रकार से 'चैंव-चैंव' की आवाज निकालते हुए गर्दन घुमाकर कुछ संकेत करता है। इस संकेत में यह सूचना होती है कि मरे हुए पशु की किस्म, स्थान और कितने गिद्धों के लिए भोजन उपलब्ध है। इस आवाज को जो भी दूसरा गिद्ध सुनता है, वह उसी तरह का संकेत अपने पीछे वाले गिद्धों के लिए भी कर देता है। भोजन की मात्रा के अनुसार गिद्ध एकत्र होने पर सबसे पहले खबर देने वाले को आगे चलने का सम्मान देते हैं, क्योंकि उसे उस पशु के मांस का सबसे नरम भाग खाने का अधिकार होता है। ऐसी सामाजिकता और न्यायप्रिय उदारता यदि मनुष्यों में भी होती, तो समाज में लूट-खसोट न होती।

सुदृढ़ पाचन शक्ति: प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला

गिद्धों का पाचन तंत्र किसी चमत्कार से कम नहीं। उनके पेट में मौजूद प्रबल अम्ल एंथ्रैक्स, हैजा और बोटुलिज्म जैसे खतरनाक बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देता है। वास्तव में, वे प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला हैं, जो मृत शवों का निस्तारण कर पर्यावरण को संक्रमण मुक्त बनाए रखते हैं।

पारिस्थितिकी संकट और संरक्षण

भारत में एक समय गिद्धों की संख्या में तीव्र गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण पशुओं में प्रयुक्त दवा दर्द निवारक दवा डाइक्लोफेनाक था। इस दवा के अवशेष वाले मृत पशुओं को खाने से गिद्धों की मृत्यु होने लगी। गिद्धों की कमी से पर्यावरण में सड़न और आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ी, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न रक्षक हैं।

उपेक्षा से उपयोगिता की ओर

गिद्ध हमें यह गहरा संदेश देते हैं कि प्रकृति में कोई भी जीव अनावश्यक नहीं होता। उनका हर व्यवहार चाहे वह कितना ही असामान्य क्यों न लगे जीवन के संतुलन के लिए जरूरी होता है। वे गंदगी के बीच रहकर भी संसार को स्वच्छ बनाते हैं और मृत्यु के बीच रहकर भी जीवन की रक्षा करते हैं। वास्तव में, गिद्ध केवल सफाईकर्मी नहीं, बल्कि प्रकृति के ऐसे नेकनीयत रखने वाले नायक हैं, जो बिना किसी पहचान के हमारी पृथ्वी को सुरक्षित और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने में निरंतर लगे हुए हैं।

मरीन लाइफ

जाइंट आइसोपोड : गहरे समुद्र का अद्भुत सफाईकर्मी

विशाल आइसोपोड (Giant Isopod) समुद्र की गहराइयों में पाया जाने वाला एक बेहद अनोखा और रहस्यमय जीव है, जो देखने में जमीन पर पाए जाने वाले कीड़ों या जूं जैसे जीवों से मिलता-जुलता लगता है, लेकिन आकार में उनसे कहीं अधिक बड़ा होता है। सामान्यतः जहां स्थलीय कीट छोटे होते हैं, वहीं यह समुद्री जीव लगभग 16 इंच तक लंबा हो सकता है, जो इसे अपने वर्ग के जीवों में खास बनाता है। यह मुख्य रूप से समुद्र तल यानी डीप-सी (Deep Sea) में रहता है, जहां सूरज की रोशनी तक नहीं पहुंच पाती और तापमान बेहद कम होता है। इतनी कठिन परिस्थितियों में जीवित रहना ही इसे एक अद्भुत जीव बनाता है। विशाल आइसोपोड का शरीर कठोर खोल से ढका होता है, जो इसे बाहरी खतरों से

बचाता है और इसके कई पैर होते हैं, जिनकी मदद से यह समुद्र की सतह पर धीरे-धीरे चलता है। यह जीव मांसाहारी प्रवृत्ति का होता है, लेकिन खुद शिकार करने की बजाय यह अधिकतर समुद्र में मरे हुए जीवों को खाकर जीवित रहता है, जिसे "स्कैवेंजिंग" कहा जाता है। समुद्र की गहराइयों में भोजन की कमी होती है, इसलिए यह जीव लंबे समय तक बिना खाए भी रह सकता है और जब इसे भोजन मिलता है, तो यह एक साथ अधिक मात्रा में खा लेता है।

इसकी सूंघने की क्षमता बहुत तेज होती है, जिससे यह दूर से ही मरे हुए जीवों का पता लगा लेता है। वैज्ञानिकों के लिए यह जीव खास रुचि का विषय है, क्योंकि यह हमें समुद्र के गहरे और कम खोजे गए हिस्सों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। इसके अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पृथ्वी पर जीवन कितनी कठिन परिस्थितियों में भी संभव है। विशाल आइसोपोड न केवल समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह प्रकृति की अद्भुत विविधता और अनुकूलन क्षमता का भी बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, यह जीव अत्यधिक दबाव (pressure) वाली परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रह सकता है, जहां सामान्य जीवों का टिक पाना कठिन होता है। इसकी धीमी जीवनशैली और ऊर्जा बचाने की क्षमता इसे लंबे समय तक जीवित रहने में मदद करती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव लाखों वर्षों से लगभग उसी रूप में मौजूद है, जिससे यह 'जीवित जीवाश्म' (living fossil) जैसा प्रतीत होता है। गहरे समुद्र में इसकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि प्रकृति ने हर परिस्थिति के अनुसार जीवन को ढालने की अद्भुत क्षमता विकसित की है।

वैज्ञानिक फैक्ट

क्यों आता है हमें पसीना

पसीना आना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब शरीर का तापमान बढ़ता है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए शरीर पसीना छोड़ता है। यह प्रक्रिया शरीर की प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम की तरह काम करती है।

मानव शरीर में लाखों स्वेद ग्रंथियां होती हैं, जो त्वचा के माध्यम से पसीना बाहर निकालती हैं। जब हम गर्म वातावरण में होते हैं, व्यायाम करते हैं या तनाव महसूस करते हैं, तो हमारा मस्तिष्क शरीर को ठंडा रखने के लिए इन ग्रंथियों को सक्रिय कर देता है। पसीना त्वचा पर आकर वाष्पित होता है, जिससे शरीर का तापमान कम हो जाता है। सौभाग्य से, शरीर में तापमान को महसूस करने और नियंत्रित करने के लिए बहुत ही परिष्कृत तंत्र मौजूद हैं। जैसे ही आपके शरीर का आंतरिक तापमान बढ़ने लगता है, आपका हाइपोथैलेमस (आपके मस्तिष्क का एक छोटा सा क्षेत्र) आपके पूरे शरीर में फैली हुई एक्राइन पसीना ग्रंथियों को बताता है कि पसीना उत्पन्न करके आपको ठंडा करने का समय आ गया है।

हालांकि शरीर को ठंडा करना सिर्फ पसीने के टपकने जितना आसान नहीं है। इस प्रक्रिया के लिए पसीने का कुछ हिस्सा त्वचा से वाष्पित होना जरूरी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि पसीने के जरिए शरीर को ठंडा करने की प्रक्रिया भौतिकी के एक सिद्धांत पर आधारित है, जिसे 'वाष्पीकरण की ऊष्मा' कहा जाता है। पसीने को त्वचा से वाष्पित करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है और वह ऊर्जा ऊष्मा है। शरीर की अतिरिक्त ऊष्मा पसीने की बूंदों को वाष्प में परिवर्तित करने में उपयोग होने लगती है, जिससे आपको ठंडक महसूस होने लगती है।

पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण है गर्मी या शारीरिक गतिविधि। इसके अलावा, भावनात्मक स्थिति जैसे डर, घबराहट या तनाव भी पसीना बढ़ा सकते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि परीक्षा या इंटरव्यू के समय हाथों में पसीना आने लगता है। यह भी शरीर की प्रतिक्रिया ही है। पसीने का एक और महत्वपूर्ण काम शरीर से विषैले तत्वों (toxins) को बाहर निकालना है। पसीने में ज्यादातर पानी और नमक होता है, लेकिन यह शरीर की सफाई में भी मदद करता है। कुछ लोगों को जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, जिसे 'हाइपरहाइड्रोसिस' कहा जाता है। यह एक मेडिकल स्थिति हो सकती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी खास कारण के भी अत्यधिक पसीना आता है। ऐसे मामलों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है। पसीने से कभी-कभी बदबू भी आती है, जो सीधे पसीने की वजह से नहीं, बल्कि त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के कारण होती है। जब ये बैक्टीरिया पसीने के साथ प्रतिक्रिया करते हैं, तब गंध उत्पन्न होती है। पसीना आना कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर की एक जरूरी प्रक्रिया है। यह हमें गर्मी से बचाता है, शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है और स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक होता है। इसलिए पसीने को लेकर घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि इसे शरीर की एक प्राकृतिक और लाभदायक क्रिया के रूप में समझना चाहिए।

इलाज में सहायक मस्तिष्क कोशिकाओं की आणविक क्रियाएं

आसान नहीं है दर्द को दूर करना। बिछुड़ने के गम और कारोबारी घाटे से अथवा चोट या घाव लगने के दर्द की न्यूरो-फिजियोलॉजी को समझना आसान बिल्कुल नहीं है। आयुर्वेद और भारत की लोकचिकित्सा में बहुत से दर्द निवारक तो बताए गए हैं, लेकिन अवसाद और इससे पैदा दर्द की मॉलिक्यूलर बायोलॉजी बिल्कुल अलग है। मध्यकाल में युद्धों के दौरान लगे घावों से पैदा दर्द के अहसास को दूर करने के लिए योद्धा लोग अक्सर अफीम को साथ रखते थे ताकि वे इसकी कुछ मात्रा के सेवन एक दवा के रूप में कर सकें। इनकी फार्माकोलॉजी और रासायनिक एवं इनके एक्टिंग मैकेनिज्म पर भी बहुत काम हुआ है। लोगों को अफीम के बारे में अमूमन मालूमात हैं, जो एक दर्दनिवारक नशीला पदार्थ है। शरीर विज्ञानियों ने शरीर के भीतर ही छिपे हुए कुदरती दर्दनिवारकों (बॉडीज ऑन नेचुरल ऑपिओइड्स) का पता लगाया है। इन सबको एंटागोनिस्ट कहा जाता है, जो मॉडर्न फार्माकोलॉजी की एक टर्म है। बात अफीमचियों द्वारा नशे के रूप में अफीम का सेवन करने की नहीं है। मॉडर्न क्लिनिकल फार्माकोलॉजी एक और विधा है, जिसमें दवा के असर को जीवों में देखा जाता है। सभी जीव इन कुदरती या शरीर द्वारा बनाए गए दर्द निवारकों को सिंथेसायिज करके लैब में बनाकर देखा जाता और फार्मूला सिद्ध होने के बाद इसे ड्रग इंडस्ट्री द्वारा बड़े स्तर पर एक प्रोडक्ट या दवा के रूप में उपलब्ध कराया जा सकता है। गोली या पेय के प्रति सभी लोग एक जैसी प्रतिक्रिया नहीं देते। दर्द निवारक की अधिक मात्रा, जैसे कि एस्पिरिन में मौजूद एक्टिव पुनर्प्राप्त रसायन एसिटिल सैलीसाइलिक एसिड जिसे सैलीसाइलिक एसिड से हासिल किया जाता है। इसके मॉलिक्यूल प्रोस्टाग्लैंडीन के स्राव को रोकते हैं, जो कि दर्द की अनुभूति के लिए एक मध्यस्थ कुदरती द्रव है।

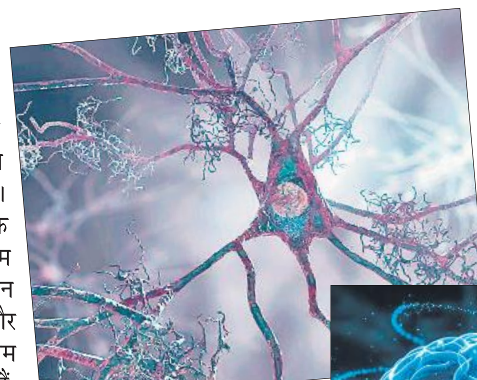

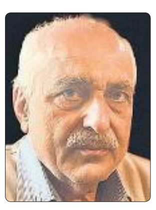

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

प्रोस्टाग्लैंडिन लिपिड यौगिक होते हैं, जो ऊतक क्षति या संक्रमण वाले स्थानों पर स्थानीय रूप से उत्पन्न होते हैं। ये रासायनिक संदेशवाहक के रूप में कार्य करते हैं और सूजन, रक्त प्रवाह और प्रजनन जैसी शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं।

पारंपरिक हार्मोनों के विपरीत, प्रोस्टाग्लैंडिन आवश्यकता पड़ने पर शरीर में संश्लेषित होते हैं और आमतौर पर अपने उत्पादन स्थल के निकट ही कार्य करते हैं, साथ ही इनका अर्द्ध-जीवनकाल बहुत कम होता है। एस्पिरिन के काम करने के तरीके में साइक्लोऑक्सीजिनेज एंजाइमों, खास तौर पर साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 और साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को हमेशा के लिए रोकना शामिल है। यह रुकावट एराकिडोनिक एसिड को प्रोस्टाग्लैंडीन और थ्रोम्बोक्सेन में बदलने से रोकती है। ये दोनों कई शारीरिक प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं। साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 के एक्टिव हिस्से में मौजूद एक सेरीन अवशेष को एसिटाइलेट करके, एस्पिरिन प्लेटलेट्स में थ्रोम्बोक्सेन ए-2 के बनने को रोक देती है, जिससे प्लेटलेट्स का जमा होना और खून के थक्के बनना कम हो जाता है। इसलिए हृदयाघात से पीड़ितों को एस्पिरिन की मामूली सी मात्रा नियमित तौर से लेने की सलाह दी जाती है। यह हमेशा रहने वाला असर प्लेटलेट की 7 से 10 दिनों तक की जिंदगी तक बना रहता है। एस्पिरिन द्वारा साइक्लोऑक्सीजिनेज-13 को रोकने की वजह से ही इसमें सूजन-रोधी, दर्द-निवारक और बुखार-रोधी गुण भी होते हैं। कम मात्रा में लेने पर, एस्पिरिन मुख्य रूप से प्लेटलेट्स में मौजूद साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 पर असर डालती है, जिससे दिल की बीमारियों से सुरक्षा मिलती है, लेकिन ज्यादा मात्रा में लेने पर, यह साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को भी रोकती है, जिससे इसके सूजन-रोधी और दर्द-निवारक असर और भी बढ़ जाते हैं।

प्रख्यात विज्ञान पत्रिका साइंस में छपी एक स्टडी के मुताबिक, साइंटिस्ट्स ने ब्रेन की एक ऐसी प्रक्रिया को ईजाद किया है, जिससे मालूम होता है कि कुछ लोगों में क्रोनिक दर्द से डिप्रेशन क्यों होता है, लेकिन दूसरों में नहीं। ये नतीजे इस सोच को चुनौती देते हैं कि लंबे समय तक दर्द से डिप्रेशन होना तय है। जानवरों पर स्टडी के साथ-साथ इंसानों में बड़े पैमाने पर ब्रेन इमेजिंग का इस्तेमाल करके, टीम ने पाया कि लगातार दर्द हिप्पोकैंपस में धीरे-धीरे बदलाव लाता है। यह ब्रेन का एक हिस्सा जो याददाश्त में अपनी भूमिका के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। ये बदलाव इस बात पर असर डालते हैं कि कोई व्यक्ति समय के साथ डिप्रेशन में जाता है या इमोशनली मजबूत रहता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के प्रोफेसर जियानफेंग फेंग ने बताया है कि क्रोनिक दर्द अक्सर डिप्रेशन या एंग्जायटी में बदल जाता है, लेकिन अब तक हम यह नहीं समझ पाए हैं कि ऐसा कुछ लोगों के साथ क्यों होता है और दूसरों के साथ नहीं। शोध के नतीजों से पता चलता है कि हिप्पोकैंपस एक कंट्रोल सेंटर की तरह काम करता है, जो ब्रेन को लंबे समय तक दर्द के प्रति इमोशनल रिस्पॉन्स को रेगुलेट करने में मदद करता है। डिप्रेशन होना इस बात पर निर्भर करता है कि यह सिस्टम समय के साथ कैसे रिस्पॉन्स देता है।

एडल्ट्स को प्रभावित करता क्रोनिक दर्द

क्रोनिक दर्द दुनियाभर में 20 प्रतिशत से ज्यादा एडल्ट्स को प्रभावित करता है और यह एंग्जायटी और डिप्रेशन से बहुत ज्यादा जुड़ा हुआ है, लेकिन लगातार दर्द वाले कई लोगों में ये दिक्कतें कभी नहीं होतीं और इस अंतर के पीछे के बायोलॉजिकल कारण अभी भी साफ नहीं है। इसका पता लगाने के लिए, रिसर्चर्स ने यूनाइटेड किंगडम के बायोबैंक समेत बड़े पॉपुलेशन डेटासेट से ब्रेन स्कैन की जांच की। जिन लोगों को क्रोनिक दर्द था और जिनमें डिप्रेशन नहीं हुआ, उनका हिप्पोकैंपल वॉल्यूम थोड़ा बड़ा था और इस हिस्से में एक्टिविटी ज्यादा थी। उन्होंने कुछ सीखने और याद रखने वाले कामों में भी बेहतर परफॉर्म किया, जिससे पता चलता है कि ब्रेन शुरू में लगातार दर्द के हिसाब से ढल सकता है। इसके उलट, जिन लोगों को क्रोनिक दर्द और डिप्रेशन दोनों थे, उनमें हिप्पोकैंपल वॉल्यूम कम था, एक्टिविटी में रुकावट थी और कॉग्निटिव परफॉर्मेंस खराब थी। लंबे समय के डेटा से पता चला कि ये अंतर एक साथ दिखने के बजाय धीरे-धीरे सामने आते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,913.50	23,997.55
गिरावट	582.86	180.10
प्रतिशत में	0.75	0.74

सोना 1,54,800 प्रति 10 ग्राम
चांदी 2,42,700 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, शुक्रवार, 1 मई 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2535, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2695, रविन्द्रा 2480, फॉर्चुन 13kg 2375, जय जवान 2080, सचिन 2300, सूरज 2080, अवसर 2125, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2440, मोर 2285, चक्र टिन 2505, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2490
किराना :- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150
चावल (प्रति कु0) :- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400, लाडली 4400
दाल दलहन :- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600
चीनी :- द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि का 18 प्रतिशत है यूपी के खातों में

- बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज ने जारी किए आंकड़े
- दूसरे नम्बर पर हैं बिहार और पश्चिम बंगाल, जहां 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने वाली प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खुले खातों और जमा राशि के मामले में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। राज्य में इस साल अप्रैल तक 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं, जो कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

बैंक प्रतिनिधि (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि अप्रैल 2026 तक बढ़कर लगभग 3.07 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

आंकड़ों के अनुसार, आठ अप्रैल 2026 तक जन-धन खातों की कुल संख्या बढ़कर 58.06 करोड़ हो गई जो अप्रैल 2025 में 55.28 करोड़ और अप्रैल 2024 में 52.01 करोड़ थी। जमा राशि में भी इसी अनुपात में बढ़ोतरी देखी गई है।

अप्रैल 2024 के 2.34 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर यह अप्रैल 2026 में 3.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, भारत सरकार का एक प्रमुख वित्तीय कार्यक्रम है। इसके तहत शून्य राशि यानी बिना किसी रकम के बैंक खाते खोले जाते हैं। इसका उद्देश्य हर परिवार को बैंकिंग सेवा से जोड़ना है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में खोले गए कुल 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं। यह कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। उसके बाद बिहार और पश्चिम बंगाल का स्थान है, जहां क्रमशः 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं।

बीएलएस ई-सर्विसेज के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) लोकनाथ पांडा ने कहा कि बिजनेस कोरेस्पोंडेंट केंद्र अब बैंक शाखाओं के प्रभावी विस्तार के रूप में कार्य कर रहे हैं। इससे न केवल ग्राहकों की भागीदारी बढ़ी है, बल्कि वित्तीय समावेश के प्रति लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

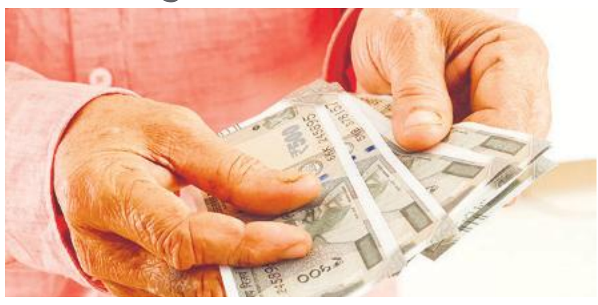

अन्य बड़े राज्यों की स्थिति

राजस्थान (24,000 करोड़ रुपये), महाराष्ट्र (22,000 करोड़ रुपये) और मध्य प्रदेश (19,000 करोड़ रुपये) के साथ कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों में भी खातों की सक्रियता में तेजी दर्ज की गई है।
जमा में यह बढ़ोतरी बैंक प्रतिनिधि नेटवर्क में तेजी से विस्तार का नतीजा है। बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सेंटर बैंक का ऐसा सेवा केंद्र होता है जहां बैंक की शाखा न होते हुए भी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके कारण बैंकिंग सेवाओं को गांवों और दूर-दराज क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

कच्चे तेल में उबाल से फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल के ऊंचे स्तर, कमजोर वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स करीब 583 अंक नुकसान में रहा जबकि निफ्टी 180 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 582.86 अंक यानी 0.75 प्रतिशत टूटकर 76,913.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,237.5 अंक तक लुढ़क गया था लेकिन दोपहर के सत्र में कुछ संभल गया। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 180.10 अंक यानी 0.74 प्रतिशत गिरकर 23,997.55 पर बंद हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग एक प्रतिशत से अधिक टूटकर बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए थे।

- 1,237.5 अंक तक लुढ़कने बाद दोपहर के सत्र में संभला
- निफ्टी भी 180 अंक गिरकर 23,997.55 अंक पर बंद हुआ

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर :- सन फार्मा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।
नुकसान में रहे शेयर :- हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर नुकसान में रहे।

स्माल कैप 0.58% और मिडकैप 0.84% फिसला

मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.84 प्रतिशत के नुकसान में रहा जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में धातु खंड को सर्वाधिक 2.13 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। पीएसयू बैंक खंड में 1.66 प्रतिशत, रियल्टी खंड में 1.44 प्रतिशत और जिंस खंड में 1.36 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,468.42 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि शुरुआत में घबराहट भरी बिकवाली के बाद बाजार में सुधार देखने को मिला। हालांकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल में आए तेज उछाल की वजह से आई।

सरकारी बैंकों में एक साल में हुईं 50 हजार नयी भर्तियां

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी क्षेत्र के बैंकों के परिचालन को मजबूत बनाने के लिए कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त रूप से बढ़ाने की रणनीति के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 50,000 से ज़्यादा उम्मीदवारों का चयन किया गया जो इससे पिछले साल से 33 प्रतिशत अधिक है। ये नियुक्तियां बैंक कर्मी चयन संस्थान (आईबीपीएस) के जरिये की जाती हैं।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक एक विज्ञप्ति में बताया कि उसके वित्तीय सेवा विभाग ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मानव संसाधन क्षमता को मज़बूत करने के लिए लगातार और लक्षित उपाय किए हैं। ये उपाय कर्मचारियों की संख्या को संतुलित तरीके से बढ़ाने, काम करने के तरीके को बेहतर बनाने और शासन-केंद्रित सुधारों के ज़रिए किए जा रहे हैं। सरकारी बैंकों में संस्थान के जरिये होने वाली ये भर्तियां इसमें शामिल बैंकों के कर्मचारियों से जुड़ी खास ज़रूरतों के हिसाब से होती है। यह केंद्रीकृत और मानकीकृत ढांचा, चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और कुशलता सुनिश्चित करता है।

विज्ञप्ति में सरकारी बैंकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर बताया गया है कि 2025-26 में सरकारी बैंकों में कुल 50,552 उम्मीदवारों का चयन हुआ है और उन्हें नौकरी के प्रस्ताव के पत्र जारी किए गए हैं। यह बैंकिंग क्षेत्र की बढ़ती व्यावसायिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों की संख्या में हुई एक बड़ी बढ़ोतरी को दिखाता है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या 30,827 थी, जो अब बढ़कर 37,860 हो गई।

समाधान योजनाओं को एनसीएलटी की मंजूरी में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में समाधान योजनाओं की मंजूरी में हो रही देरी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए स्थिति को 'गंभीर' बताते हुए कहा है कि इस समस्या का युद्धस्तर पर समाधान नहीं हुआ तो दिवाला कानून का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को देशभर की एनसीएलटी पीठों में स्टाफ और बुनियादी ढांचे की कमी को भी रेखांकित किया। इसके साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि मामले को मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत के समक्ष रखा जाए ताकि इसे उचित पीठ को सौंपा जा सके।

शीर्ष अदालत में एनसीएलटी की प्रधान पीठ की तरफ से रखी गई रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में 383 आवेदन समाधान योजनाओं की मंजूरी के लिए लंबित हैं, जिनमें देरी एक महीने से लेकर 700 दिनों से अधिक तक की है।

कहा-यह गंभीर स्थिति, युद्धस्तर पर नहीं हुआ समाधान तो दिवाला कानून का उददेश्य ही विफल हो जाएगा

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत किसी ऋणग्रस्त कंपनी को उबारने के लिए कर्ज समाधान योजना पेश की जाती है। इसमें आमतौर पर कंपनी के पुनर्गठन, कर्ज के पुनर्समायोजन या अधिग्रहण के जरिए उसके कारोबार को फिर से पटरी पर लाने की योजना शामिल होती है।

शीर्ष अदालत ने यह आदेश 2023 में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायालय (एनसीएलएटी) के एक आदेश के खिलाफ दायर दो याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया। उच्चतम न्यायालय ने 16 अप्रैल को सुनवाई के दौरान एनसीएलटी से देशभर में लंबित मामलों, उनकी अवधि और देरी के कारणों का विवरण मांगा था।

इसके साथ ही भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड को भी मामले में पक्षकार बनाते हुए आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

अब इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक में स्वयं सहायता समूह खोल सकते हैं बचत खाता

नई दिल्ली, एजेंसी

डाक विभाग के अंतर्गत आने वाले सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाले इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक ने स्वयं सहायता समूह बचत खाता आरंभ करने की गुरुवार को घोषणा की। डाक विभाग का कहना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन बढ़ाना और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को बल मिलेगा।

आईपीपीबी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर विश्वेश्वरन ने कहा कि बैंक का डोरस्टेप बैंकिंग मॉडल (ऐसी सेवा जिसके तहत बैंक अपने ग्राहकों को बैंक शाखा में आए बिना, उनके घर या कार्यस्थल पर ही बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं) और डिजिटल बुनियादी ढांचे द्वारा हमारा लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने और सतत आर्थिक विकास को गति देने में सक्षम बनाना है।

इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक स्वयं सहायता समूह बचत खाता योजना के अंतर्गत न्यूनतम प्रारंभिक जमा राशि तथा मासिक औसत शेष राशि की आवश्यकता नहीं होगी। पर इस सुविधा पर राशि सीमा 2 लाख रुपये लागू होगी।

लागू बचत दरों के अनुसार त्रैमासिक ब्याज भुगतान किया जाएगा। नकद जमा और निकासी, प्रति माह खाता विवरण, खाता बंद करने, तथा क्यूआर कार्ड जारी करने जैसी सुविधाओं के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा।

बिजनेस ब्रीफ

70 करोड़ से ज्यादा हुए फोनपे के पंजीकृत उपयोगकर्ता

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान मंच फोनपे पर 29 अप्रैल 2026 तक कुल पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। कंपनी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में उसके व्यापक पहुंच और भुगतान तथा वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में उसके डिजिटल मंच के विस्तार को दर्शाती है। यह उपभोक्ताओं के बढ़ते भरोसे, और भरोसेमंद डिजिटल भुगतान अनुभव पर कंपनी के लगातार ध्यान को भी प्रतिबिंबित करती है। कंपनी के अनुसार, पहले 10 लाख उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने में उसे 136 दिन लगे थे, जबकि अब इतने ही नए उपयोगकर्ता जोड़ने में लगभग छह दिन लगते हैं।

जल्द ही ऋण गारंटी के साथ बिना कुछ गिरवी रखे मिल सकेगा कर्ज

- कंपनियों के लिए कर्ज गारंटी को लेकर ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था पर काम जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार पश्चिम एशिया संकट के बीच कंपनियों के लिए आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसी व्यवस्था शुरू करने पर विचार कर रही है। इसके तहत कर्ज गारंटी और बिना कुछ गिरवी रखे कर्ज उपलब्ध कराया जा सकता है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य पात्र इकाइयों को परिचालन दायित्वों को पूरा करने तथा कारोबार फिर शुरू करने में सहायता देना था।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग में अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने यहां आयोजित 'सीआईआई एमएसएमई लीडरशिप समिट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था लाने पर विचार जारी है जिसमें बिना कुछ गिरवी रखे ऋण, ऋण गारंटी, कर्ज पुनर्गठन और ऋण स्थगन शामिल हो सकती हैं।

कच्चे माल की खरीद के लिए एनएसआईसी (राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि.) कार्यक्रम के तहत भी काम जारी है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामकों से कुछ नियामकीय राहत देने पर भी विचार किया जा रहा है। सिंह ने उद्योग से इन प्रस्तावित उपायों पर प्रतिक्रिया भी मांगी।

पहले लागू आपात ऋण गारंटी योजना में लगभग सभी आर्थिक क्षेत्र शामिल थे और इसके तहत सदस्य ऋण संस्थानों द्वारा दिए गए ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी दी जाती थी।

दस साल, बेमिसाल : यूपीआई बना दुनिया का सबसे बड़ा तत्काल डिजिटल भुगतान मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

कहीं से कहीं को तत्काल भुगतान करने की सुविधा मुट्ठी में पड़े मोबाइल फोन के जरिए आम लोगों तक पहुंचने वाली यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) नाम की खोज ने बाजार में अपने 10 साल पूरे कर लिये हैं और देखते ही देखते यह ऐप आधारित भुगतान के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफार्म बन गयी है।

भारतीय रिज़र्व बैंक की देखरेख में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने 11 अप्रैल 2016 को इसका लोकार्पण किया था। एक दशक में यह भारत में डिजिटल पेमेंट्स के पारिस्थितकी तंत्र की रीढ़ बन गया है। इस तरह की अवधारणा को भारत जैसे देश में आम लोगों द्वारा अपनाये जाने को लेकर पहले की तमाम दुविधाओं और आशंकाओं को गलत सिद्ध करते हुए यूपीआई वित्तीय समावेशन का एक अहम ज़रिया बनकर उभरा है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई के जरिये 2016-17 में जहां सिर्फ़ दो करोड़ ट्रांज़ैक्शन हुए थे। वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24,162 करोड़ से ज़्यादा, यानी लगभग 12,000 गुना ज्यादा हो गयी। इसी दौरान ट्रांज़ैक्शन का मूल्य भी वित्त वर्ष 2016-17 में सात हजार करोड़ रुपये से तेज़ी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

एफडीआई नियमों में ढील पर अधिसूचना जल्द

- चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियां के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में ढील से जुड़े फैसले को जल्द अधिसूचित करेगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि अधिसूचना विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत जारी की जाएगी, जिसके बाद संशोधित प्रावधान लागू हो जाएंगे।

मार्च में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2020 में जारी प्रेस नोट-3 को संशोधित करने की मंजूरी दी थी। इस संशोधन के तहत 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियां को विभिन्न क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग के तहत भारत में निवेश की अनुमति होगी। हालांकि यह राहत उन संस्थाओं पर लागू नहीं होगी जो चीन/हांगकांग या भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले अन्य देशों में पंजीकृत हैं। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक घटकों, पॉलिसिलिकॉन और इंगट-वाफर जैसे विनिर्माण क्षेत्रों में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का निपटान 60 दिनों के भीतर किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, मंत्रिमंडलीय सचिव की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा जिन अन्य क्षेत्रों या गतिविधियों को जोड़ा जाएगा, वे भी इस दायरे में आएंगे।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इन बदलावों को अधिसूचित कर दिया है, लेकिन आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने अभी तक फेमा कानून के तहत अधिसूचना जारी नहीं की है।

एफडीआई 90 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कुल एफडीआई के 90 अरब डॉलर के पार पहुंच जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सुधारात्मक उपाय, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि देश को अच्छा निवेश आकर्षित करने में मदद कर रही है।

विकास

'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' पर बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भौगोलिक रूप से संवेदनशील हिमालयीय क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क बुनियादी ढांचा विकसित करना जटिल भौगोलिक परिस्थितियों, ढलानों की अस्थिरता और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि सरकार वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन की समस्या से निपटने के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता किया गया है।

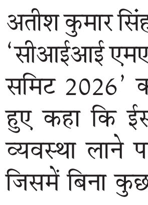

अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें

वहीं, सुरंग और सड़क परियोजनाओं के लिए भू-वैज्ञानिक जांच और आंकड़ों के आदान-प्रदान हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ भी सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिला यांत्रिकी संस्थान (एनआईआरएम) के साथ मिलकर परियोजनाओं की तकनीकी जांच, डिजाइन की पुष्टि, सुरंगों की सुरक्षा जांच और निगरानी जैसे काम किए जा रहे हैं। गडकरी ने बताया कि अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की को पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता पर दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें वास्तविक समय पर निगरानी प्रणाली का उपयोग होगा। उत्तराखंड में चारधाम मार्ग के करीब 100 किलोमीटर हिस्से में भूस्खलन की निगरानी और समय रहते चेतावनी देने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित प्रणाली लगाने का भी समझौता किया गया है।

मंत्री ने कहा कि अब सड़क परियोजनाओं की योजना बनाते समय लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) और यूएवी जैसी तकनीक का उपयोग कर विस्तृत सर्वे किया जा रहा है, ताकि भूस्खलन की संभावनाओं और पुराने आंकड़ों को ध्यान में रखकर बेहतर और सुरक्षित सड़कें बनाई जा सकें।

एफटीए से निर्यात और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: पीयूष गोयल

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच देने, देश के निर्यात को बढ़ावा देने और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करने में मदद करेंगे।

गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने हाल ही में एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत न्यूजीलैंड भारत में 20 अरब डॉलर (करीब दो लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। गोयल ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा, "हम भारतीय उद्योग के लिए नए बाजार खोल रहे हैं और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए कदम उठा रहे हैं...।

वर्ल्ड ब्रीफ

दिल्ली में द्वारका गोल्फ कोर्स के तालाब में तीन बच्चों की डूबकर मौत

नई दिल्ली। द्वारका के सेक्टर 24 इलाके में स्थित एक गोल्फ कोर्स के तालाब में बृहस्पतिवार सुबह आठ से 10 साल की उम्र के तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर द्वारका सेक्टर 23 थाने की पुलिस सुबह मौके पर पहुंची। दमकल विभाग सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी बुलाया गया। पुलिस ने बताया, गोल्फ कोर्स परिसर के अंदर तालाब में तीन बच्चों को मृत पाया गया। दमकल विभाग ने शवों को बाहर निकाला। बच्चों के कपड़े किनारे पर मिले, जिससे अनुमान है कि वे नहाने के लिए तालाब में उतरे होंगे। अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

धन शोधन मामले में आई पैक निदेशक विनेश चंदेल को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में आई पैक के सह संस्थापक और निदेशक विनेश चंदेल को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने कहा कि ईडी ने जमानत याचिका का विरोध नहीं किया। न्यायाधीश बंसल ने जमानत देते हुए कई शर्तें भी लगाई हैं। इससे पहले 14 अप्रैल को अदालत ने ईडी को चंदेल से 10 दिनों तक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दी थी और कहा था कि यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि वह अपराध से अर्जित कई करोड़ रुपये की आय, हेरफेर आदि से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी ने चंदेल को 13 अप्रैल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

नेपाल में बारिश के बीच जीप खाई में गिरने से 20 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के रोल्पा जिले में बृहस्पतिवार को एक जीप पहाड़ी सड़क से फिसलकर लगभग 700 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना थवांग ग्रामीण नगरपालिका के जलजाला क्षेत्र में हुई, जब बारिश के बीच वाहन कीचड़ भरे रास्ते पर फिसल गया और पहाड़ी से नीचे गिर गया। रोल्पा जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी सुनील थापा के अनुसार, शुक्रवार को जलजाला में आयोजित बैसाख पूर्णिमा उत्सव में भाग लेने जा रहे स्थानीय लोगों ने निजी जीप किराए पर ली थी।

विमान किराए में मनमानी वृद्धि मामले में टालमटोल पर केंद्र को कड़ी फटकार

तीन तारीखों के बाद भी शपथपत्र न देने और बार-बार वक्त मांगने का कारण बताना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने देश में निजी एयरलाइनों के विमान किरायों और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को सुव्यवस्थित करने संबंधी नियामक दिशानिर्देशों का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर हलफनामा दाखिल नहीं करने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सख्त कदम उठाते हुए केंद्र को एक अर्जी के साथ 8 मई तक हलफनामा दाखिल करने को कहा, जिसमें तीन बार समय दिए जाने के बाद भी शपथ पत्र दाखिल न करने की वजह और इसके लिए अतिरिक्त समय मांगने के कारणों का उल्लेख किया गया हो।

पिछले साल 17 नवंबर को, शीर्ष न्यायालय ने सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा था। लक्ष्मीनारायणन ने नागर विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले एक सशक्त और स्वतंत्र नियामक की मांग की थी। बृहस्पतिवार को याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इस पर केंद्र के वकील ने पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति का हवाला दिया। पीठ ने उनसे पूछा, हलफनामा दाखिल करने में आपको क्या दिक्कत आ रही है। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि वे नियम बनाने पर विचार कर रहे हैं। पीठ ने कहा, आप हलफनामा दाखिल करें और सब कुछ रिकॉर्ड पर रखें। आप हलफनामा दाखिल क्यों नहीं कर सकते। केंद्र का यह क्या रुख है। हमने आपको तीन बार समय दिया है।

इस बार भी मांगा तीन सप्ताह का समय, कोर्ट का साफ इन्कार

केंद्र ने हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। पीठ ने इससे इन्कार कर दिया कहा, 8 मई को हलफनामा मिल जाना चाहिए। जो कुछ कहना चाहते हैं तभी कहें। अगली 11 मई को होगी।

पिछली सुनवाइयों में सुप्रीम कोर्ट ने मनमानी किराया वृद्धि को बताया था यात्री का शोषण

केंद्र ने 23 फरवरी को उच्चतम न्यायालय को बताया था कि नागर विमानन मंत्रालय याचिका में उठाए गए मुद्दों पर तत्परता से विचार कर रहा है। न्यायालय ने 19 जनवरी को मामले की सुनवाई करते हुए विमान किरायों में होने वाले अप्रत्याशित उतार–चढ़ाव में हस्तक्षेप करने की बात कही थी और त्योहारों के दौरान होने वाली अत्यधिक वृद्धि पर चिंता जताई थी। न्यायालय ने इस वृद्धि को शोषण करार देते हुए केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था। इससे पहले पिछले साल नवंबर में, पीठ ने केंद्र सरकार, डीजीसीए और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी।

दावा... अनदेखी की जा रही है किराया बढ़ाने की

याचिका में दावा किया गया था कि सभी निजी एयरलाइनों ने बिना किसी ठोस कारण इकोनॉमी श्रेणी के यात्रियों के लिए नि:शुल्क चेक इन सामान की सीमा 25 किलोग्राम से घटा कर 15 किग्रा कर दी और ऐसा कर पूर्व में टिकट के अंतर्गत आने वाली सेवा को राजस्व का एक नया स्रोत बना दिया गया। याचिका में कहा गया है कि चेक इन के तहत केवल एक सामान की अनुमति देने की नई नीति और इस सेवा का लाभ न उठाने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवजा या लाभ न देना मनमाना और भेदभावपूर्ण है। याचिका में दावा किया गया है कि वर्तमान में किसी भी प्राधिकरण को विमान किराये या अन्य शुल्कों की समीक्षा करने या उन पर सीमा लगाने का अधिकार नहीं है, जिसके चलते एयरलाइंस छिपे हुए शुल्कों और अप्रत्याशित मूल्य निर्धारण के माध्यम से उपभोक्ताओं का शोषण कर रही हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम ज़मानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां रखने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने कांग्रेस नेता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। खेड़ा ने कहा कि यदि उन्हें दर्ज मामले में अग्रिम जमानत नहीं मिलती है तो गिरफ्तारी पूर्व जमानत का पूरा उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सुनवाई के विषय हैं और उन्हें गिरफ्तार कर अपमानित करना आवश्यक नहीं है। उन्होंने यह भी दलील दी कि उनके खिलाफ लगाई गई धाराओं में से कुछ जमानती हैं, जबकि अन्य में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है।

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच डेढ़ घंटे से अधिक समय तक फोन पर चली महत्वपूर्ण वार्ता में ईरान संकट, यूक्रेन संघर्ष और रूस-अमेरिका संबंधों सहित कई वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ईरान युद्ध पर बातचीत के दौरान पुतिन ने ट्रंप को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अमेरिका और इजराइल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई फिर शुरू करते हैं तो इसके गंभीर परिणाम ईरान या उसके पड़ोसियों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने विशेष रूप से ईरानी भूमि पर किसी भी जमीनी अभियान को अस्वीकार्य और अत्यंत खतरनाक बताया।

क्रेमलिन के अनुसार पुतिन और ट्रंप की बातचीत सौहार्दपूर्ण, स्पष्ट और व्यावसायिक रही। पुतिन ने ईरान संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों के प्रति रूस की प्रतिबद्धता दोहराई और ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद कम करने के लिए कई प्रस्ताव रखे। वार्ता की शुरुआत में वॉशिंगटन हिल्टन होटल में ट्रंप पर हुए कथित हमले के प्रयास को लेकर उनके प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। पुतिन ने ईरान और फारस की खाड़ी क्षेत्र पर चर्चा के दौरान ट्रंप के युद्धविराम बढ़ाने के निर्णय का समर्थन किया और कहा कि इससे वार्ता के लिए अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रूस ईरान, खाड़ी देशों, इजराइल और अमेरिका के साथ परामर्श जारी रखे हुए है। ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर शीघ्र युद्धविराम पर बल दिया और कहा कि उनके प्रतिनिधि रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संपर्क बनाये रखेंगे।

पुतिन ने इस दौरान दावा किया कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को रणनीतिक बढ़त हासिल है लेकिन वह वार्ता के जरिए समाधान को प्राथमिकता देंगे। रूस ने आगामी विजय दिवस समारोह के दौरान संभावित युद्धविराम की इच्छा भी जताई, जिसे ट्रंप ने ऐतिहासिक महत्व वाला कदम बताया। दोनों नेताओं ने आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्रों में संभावित सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जतायी। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि यह कॉल पुतिन के अनुरोध पर रूसी पक्ष की ओर से शुरू की गई थी।

90 मिनट तक चली बातचीत

- दोनों नेताओं ने फोन पर द्विपक्षीय संबंधों के साथ यूक्रेन युद्ध पर भी की लंबी चर्चा

ईरान के समृद्ध यूरेनियम को संभालने की पुतिन की पेशकश ट्रंप ने ठुकराई

वाशिंगटन। ट्रंप ने दावा किया कि पुतिन ने फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूस की उस पेशकश को दोहराया, जिसमें वह तीसरे देश के रूप में ईरान के 970 पाउंड समृद्ध यूरेनियम के भंडार को संभालने के लिए तैयार है। ट्रंप ने बताया कि पुतिन ने उनसे कहा, वह इसमें उनकी मदद करना चाहते हैं और वह संवर्धन में शामिल होने के इच्छुक हैं। इस पर उन्होंने उनसे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने को कहा।

जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज पलटने से छह लोगों की मौत, 10 लोग लापता

जबलपुर, एजेंसी

- अचानक आंधी आने के बाद हुई दुर्घटना, 29 लोग सवार थे क्रूज में, 13 को बचाया गया

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में अचानक आई आंधी के कारण 29 लोगों को लेकर जा रहा एक क्रूज बरगी बांध में पलट गया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई जबकि 10 लोग लापता हैं। इसके अलावा 13 लोगों को बचा लिया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

बरगी बांध का निर्माण जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर किया गया है। बरगी शहर के पुलिस अधीक्षक अंजुल मिश्रा ने बताया कि लापता लोगों की तलाश में युद्ध स्तर पर अभियानजारी है। जबलपुर के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, संभागीय एसीएस, एडीजी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बचाव अभियान की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा कि जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज दुर्घटना की खबर बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली है। उन्होंने इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

हेगसेथ की अमेरिकी कांग्रेस में पेशी, डेमोक्रेट सांसदों ने लगाए ईरान युद्ध पर जनता को गुमराह करने के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की ईरान युद्ध को लेकर जनता को गुमराह करने और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के आरोपों पर यहां प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति की सुनवाई के दौरान बुधवार को डेमोक्रेट सांसदों से तीखी बहस हुई। छह घंटे चली इस सुनवाई में माहौल गरमा गया, जिसमें ट्रंप प्रशासन के 1500 अरब डॉलर के रक्षा बजट पर चर्चा हो रही थी। हेगसेथ 28 फरवरी को शुरू हुए ईरान युद्ध के बाद पहली बार कांग्रेस के सामने पेश हुए।

- ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य पर उठाए सवाल, देश के लिए आपदा बताया

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने युद्ध की लागत 25 अरब डॉलर बताई, लेकिन कई डेमोक्रेट सांसदों ने इस पर संदेह जताया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य तक पर सवाल उठाए। इस पर हेगसेथ ने पलटवार करते हुए कहा कि ट्रंप विभिन्न पीढ़ियों में सबसे तेज और सूझबूझ वाले कमांडर इन चीफ हैं। उन्होंने डेमोक्रेट सदस्यों से पूछा कि क्या उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की क्षमता पर कभी सवाल उठाया था। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी सुनवाई में मौजूद थे। हेगसेथ ने कहा कि इस समय सबसे बड़ा खतरा विपक्षी नेताओं के गैरजिम्मेदार और निराशावादी बयान हैं, जो मिशन की सफलता को नजरअंदाज कर रहे हैं।

युद्ध के बीच वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नया नेतृत्व लाने के लिए यह जरूरी था। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने उनके फैसलों का समर्थन किया। वहीं, कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद जॉन गरामेंडी ने ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक और आर्थिक आपदा बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में एक और युद्ध में फंस गया है। हेगसेथ ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह दुश्मनों को बढ़ावा देने जैसा है। हेगसेथ बृहस्पतिवार को सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सामने भी पेश होंगे।

आपकी आवाज ही बन जाती है आपकी दुश्मन

एआई वॉयस क्लोनिंग

कल्पना कीजिए, आपको एक अनजान नंबर से फोन आता है। दूसरी तरफ से आपके बेटे या बेटी की रोने की आवाज आती है जो कह रहे हैं कि वे किसी बड़ी मुसीबत में हैं या पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया है। घबराहट में आप पैसे ट्रांसफर कर देते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि आपका बच्चा तो सुरक्षित था। उसने न कोई अपराध किया था, नहीं उसे पुलिस ने पकड़ा था। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि डिजिटल अरेस्ट और एआई वॉयस क्लोनिंग का नया और खतरनाक दौर है। अब अपराधी आपके पैसे लूटने के लिए आपकी भावनाओं और तकनीक का भी सहारा ले रहे हैं।

न्यूज डिकोडर

आंकड़े क्या कहते हैं

एक अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा फर्म की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 47 प्रतिशत लोग वॉयस क्लोनिंग स्कैम का शिकार हुए हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसके साथ ऐसा हुआ। एआई अब आपकी आवाज के उतार–चढ़ाव और भावनाओं को भी 95 प्रतिशत सटीकता के साथ कॉपी कर सकता है।

डिजिटल अरेस्ट... यह है अपराधियों का नया खेल

- ठगों के हाथ में एआई ने वॉयस क्लोनिंग तकनीक नाम का जादुई हथियार थमा दिया है। एआई की मदद से 30 सेकंड की आवाज का सैंपल लेकर उसकी हूबहू नकल तैयार की जा सकती है। आवाज की चोरी सोशल मीडिया से होती है।
- अपराधी खुद को सीबीआई, पुलिस या नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं। वे बैकग्राउंड में असली ऑफिस जैसा सेटअप रखते हैं और पैसे ऐंठने के लिए आपको घंटों कैमरे के सामने रहने को मजबूर करते हैं।
- एआई सिर्फ आवाज ही नहीं, बल्कि वीडियो कॉल पर आपके परिचित का चेहरा भी लगा सकता है, जिससे असलियत को पहचानना लगभग नामुमकिन हो जाता है। कोई भी आसानी से इसके झांसे में आकर अपराध का शिकार हो सकता है।

आपके लिए जरूरी बातें

- पैनिक बटन सिंड्रोम यानी अपराधी आपको सोचने का समय नहीं देते। वे इमरजेंसी और इज्जत का हवाला देकर आपको डराते हैं ताकि आप बिना जांचे–परखे तुरंत पैसे भेज दें।
- हम अपनी हर जानकारी, लोकेशन और वीडियो सार्वजनिक रखते हैं। यह कच्चा माल साबित होता है। आपकी एक रील आपकी आवाज का क्लोन बनाने में मदद करती है।
- भारत में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानून नहीं है। कोई भी एजेंसी वीडियो कॉल करके आपको घर में कैद रहने का आदेश नहीं दे सकती, न फोन पर पैसों की मांग करती है।
- मनी ट्रेल का गायब होना, ये ठग आपसे पैसे क्रिप्टोकरेंसी या अनजान म्यूल अकाउंट्स में ट्रांसफर करवाते हैं, जिससे पुलिस के लिए उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

एक्सपर्ट टिप्स

- परिवार के साथ एक गुप्त कोड वर्ड तय करें। अगर कभी कोई इमरजेंसी कॉल आए तो उस कोड वर्ड को पूछें। अगर दूसरी तरफ वाला न बता पाए तो समझ लें कि वह एआई की नकल है।
- क्रॉस–वेरिफिकेशन करें, यानी घबराने के बजाय फोन कॉल को काटें और सीधे उस व्यक्ति को फोन लगाएं जिसके बारे में दावा किया जा रहा है। उनके दोस्तों या साथ रहने वालों से संपर्क करें।
- वीडियो कॉल पर गंभीरता से गौर करें। अगर वीडियो कॉल पर चेहरा थोड़ा धुंधला दिखे या होंठों की मूवमेंट आवाज से मेल न खाए तो कॉल काट दें और सच्चाई का पता लगाने का प्रयास करें।
- आपके साथ ऐसा कुछ होता है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। शुरुआती 1–2 घंटे में पैसे वापस मिलने की संभावना रहती है।

पूर्व एफबीआई निदेशक ने मेरी हत्या के लिए कोड संदेश भेजे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी की एक पोस्ट को लेकर दावा किया कि कोमी ने उनकी हत्या का खुफिया संदेश साझा किया है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर '86 47' वाक्यांश का उल्लेख करते हुए इसे एक माफिया शब्द (मॉब टर्म) बताया।

- ट्रंप ने लगाए आरोप, ट्रुथ सोशल पर साझा किया खुफिया संदेश

उन्होंने दावा किया कि '86' का उपयोग अपराधी हत्या के लिए करते हैं, जबकि '47' का मतलब अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति यानी स्वयं ट्रंप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जेम्स कोमी ने समुद्र तट पर सीपियों से '86 47' लिखकर उनकी हत्या का संकेत दिया है। गौरतलब है कि '86' शब्द का उपयोग अमेरिका में किसी चीज को हटाने या रद्द करने के लिए किया जाता है। कोमी ने इस तस्वीर को एक राजनीतिक संदेश के रूप में साझा किया था और उन्होंने किसी भी हिंसक इरादे से इन्कार किया है। इस मामले में कोमी पर 28 अप्रैल को राष्ट्रपति के जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने 29 अप्रैल को अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उन्हें बिना किसी शर्त रिहा कर दिया गया। कोमी ने खुद को निर्दोष बताते हुए इन आरोपों को खारिज किया है। यह कोमी के खिलाफ ट्रंप प्रशासन का दूसरा कानूनी मामला है, इससे पहले 2025 में भी उन पर एक मामला चला था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज का दिन अच्छा रहेगा। कला या लेखन से जुड़े जातकों को बड़ा मंच मिल सकता है। पुरानी उधारी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष – आज का दिन करियर में स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण है। आपकी कार्यकुशलता की वरिष्ठों द्वारा प्रशंसा होगी।

मिथुन – आज व्यावसायिक यात्रा के योग हैं। भाई–बहनों से वैचारिक मतभेद सुलझेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क – आज का दिन बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के जातकों के लिए विशेष लाभकारी है। अपनी वाणी के जादू से कठिन कार्य भी करवा लेंगे।

सिंह – आज नेतृत्व क्षमता में निखार आएगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा।

कन्या – आज कानूनी मामलों में राहत मिलने की संभावना है। मानसिक शांति के लिए योग करें। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

तुला – आज व्यापार में आधुनिक तकनीक का प्रयोग लाभ देगा। संतान की शिक्षा को लेकर चली आ रही चिंता दूर होगी।

वृश्चिक – आज अचल संपत्ति या वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। माता के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगी। ऑफिस की राजनीति से खुद को दूर रखें।

धनु – आज पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। छोटी दूरी की यात्राएं फलदायी रहेंगी। अपने हुनर के प्रदर्शन का भरपूर मौका मिलेगा।

मकर – आज धन संचय के नए रास्ते खुलेंगे। किसी मांगलिक कार्य में धन खर्च होने की संभावना है। सेहत अच्छी रहेगी।

कुंभ – आज जो छात्र विदेश जाने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अच्छी खबर मिल सकती है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव होगा।

मीन – आज खर्चों की अधिकता मानसिक तनाव दे सकती है। बाहरी लोगों पर अधिक भरोसा न करें। धार्मिक स्थल की यात्रा मन को सुकून देगी।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

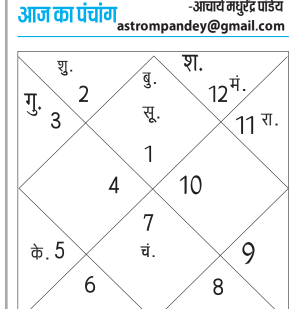

आज की ग्रह स्थिति : 1 मई, शुक्रवार 2026 संवत–2083, शक संवत 1948 मास– वैशाख, पक्ष–शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 22 .52 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल–पश्चिम, **ऋतु**– ग्रीष्म। **चन्द्रबल**– मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर। **ताराबल**–अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। **नक्षत्र**– स्वाती 2 मई 04 .35 तक तत्पश्चात विशाखा।

सुडोकू - 135 का हल

7	1	6	4	3	2	9	8	5
4	3	8	9	5	7	6	2	1
5	9	2	6	8	1	4	3	7
8	7	1	3	9	5	2	6	4
2	5	3	1	6	4	7	9	8
9	6	4	2	7	8	1	5	3
6	4	5	8	1	9	3	7	2
1	8	9	7	2	3	5	4	6
3	2	7	5	4	6	8	1	9

सुडोकू -136

4	5							
		1		7	2			
6				9			5	3
7			8	6				
	8						3	
	6			5	1			
2	9							5
			6	3				
		6			4		7	8

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय कला तस्कर सुभाष कपूर और नैन्सी वीनर ने बेचा था अमेरिका में

अमेरिका ने भारत को 1 .4 करोड़ डॉलर मूल्य की 650 प्राचीन वस्तुएं लौटाईं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका ने भारत को करीब 1.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटाई हैं, साथ ही कहा है कि इस एशियाई देश को चुराई गई कलाकृतियां वापस दिलाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। प्राचीन वस्तुएं लौटाने की घोषणा मंगलवार को मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने की।

ये वस्तुएं कई तस्करी गिरोहों की जांच के बाद बरामद की गईं, जिनमें कुख्यात कला व्यापारी सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े गिरोह भी शामिल हैं। इन्हें न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की दूत राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम में भारत को सौंपा गया। ब्रैग ने कहा, भारत की सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले तस्कर गिरोह का दायरा बहुत बड़ा है, जैसा कि आज 600 से अधिक वस्तुओं की वापसी से स्पष्ट है। भारत को चुराई गई कलाकृतियां लौटाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग की सराहना की। कहा, उनकी लगातार सतर्कता के कारण इन सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं की बरामदगी और वापसी संभव हो सकी।

- अवलोकितेश्वर की 20 लाख डॉलर मूल्य की कांस्य प्रतिमा शेरों से सजे सिंहासन पर द्विकमल आसन पर विराजमान है। इस पर कारीगर का नाम द्रोणादित्य अंकित है, जो छत्तीसगढ़ के रायपुर के पास सीपुर के निवासी थे। ये प्रतिमा 1939 में लक्ष्मण मंदिर के पास मिली कांस्य प्रतिमाओं के भंडार का हिस्सा थी और 1952 तक रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में शामिल हो गई थी जहां से इसे चुरा लिया गया था।

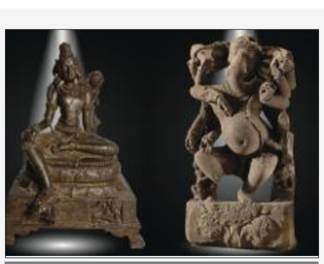

ये हैं प्रमुख कलाकृतियां

- एक अन्य कलाकृति लाल बलुआ पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है, जिसमें बुद्ध अपना दाहिना हाथ अभय मुद्रा में उठाए खड़े हैं, जो सुरक्षा का संकेत है। इस प्रतिमा के घुटनों के नीचे के पैर टूटे हुए हैं और सिर के पीछे का आभामंडल भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है। संभवत: यह नुकसान उत्तरी भारत से इसे लूटे जाने के दौरान हुआ होगा। करीब 75 लाख डॉलर मूल्य की इस प्रतिमा को कपूर न्यूयॉर्क में तस्करी कर लाया था और इसे एंटीक्विटीज ट्रैफिकिंग यूनिट ने उसकी एक भंडार इकाई से जब्त किया था।

एक अन्य वस्तु नृत्य करते हुए गणेश की बलुआ पत्थर की प्रतिमा है, जिसे कपूर के सहयोगी रंजीत कंवर ने 2000 में मध्य प्रदेश के एक मंदिर से लूटा था। बाद में तस्कर वामन घिया ने इसे न्यूयॉर्क स्थित गैलरी मालिक डोरिस वीनर को बेच दिया था। यह गणेश प्रतिमा 2012 की नीलामी में एक निजी संग्रहकर्ता ने खरीदी थी, जिसने इस वर्ष की शुरू में इसे मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय को सौंपा।

महाराजा चार्ल्स से भारत को कोहिनूर हीरा लौटाने को कहूंगा : ममदानी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह अमेरिका की यात्रा पर आए ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ममदानी ने बुधवार को उनसे मुलाकात करने से पहले यह बात कही। महाराजा दलीप सिंह द्वारा 105 .6 कैरेट का कोहिनूर हीरा 1849 में महारानी विक्टोरिया को भेंट किया गया था। इसे 1937 में महारानी ने अपने मुकुट में जड़वाया था। भारत ने भी संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन से कोहिनूर हीरे को वापस लाने के तरीकों का पता लगाना जारी रखेगा। कोहिनूर हीरा वर्तमान में लंदन टावर में रखा गया है।

हम वह नहीं कर पाए जिसके लिए मुंबई इंडियंस जानी जाती है। यह सीजन कुछ ऐसा ही रहा है। जब आपको एक-दो मौके मिलते हैं और आप उन्हें लपक लेते हैं, तभी किस्मत और लय बदलती है।
–हार्दिक पंड्या

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 1 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स

समय - शाम 7:30 बजे

गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से लिया पिछली हार का बदला

आईपीएल-2026 : चार विकेट से हराया, गेंदबाजों ने किया शानदार प्रदर्शन

अहमदाबाद, एजेंसी

अशरद खान (तीन विकेट), जेसन होल्डर और राशिद खान (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (43), जॉस बटलर (39) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 42वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 25 गेंदें शेष रहते चार विकेट से हरा दिया।

गुजरात टाइटंस ने 15.5 ओवर में छह विकेट पर 158 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। वहीं यह आरसीबी की तीसरी हार है। राहुल तेवतिया ने 17 गेंदों में चार चौकों की मदद से नाबाद 27 रनों की मैच विजयी पारी खेली। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस के लिए साई सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़। तीसरे ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने साई सुदर्शन (छह) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। पांचवें ओवर में भुवनेश्वर ने शुभमन गिल को आउट कर गुजरात को दूसरा झटका दिया। गिल ने 18 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 43 रनों की पारी खेली। आठवें ओवर में भुवनेश्वर ने जॉस बटलर को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। बटलर ने दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 39 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर (12) और शाहरुख खान (आठ) को रोमारियो शेफर्ड ने आउट किया। 14वें ओवर में जीत की ओर बढ़ रहीं गुजरात को सुयश शर्मा ने जेसन होल्डर को आउट कर आरसीबी को छठा झटका दिया। जेसन होल्डर ने 10 गेंदों में एक छक्का लगाते हुए 12 रन बनाये। गुजरात टाइटंस ने 15.5 ओवरों में छह विकेट पर 158 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से अपने नाम किया। राशिद खान सात रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने मैच का विजयी चौका लगाया। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लिये। रोमारियो शेफर्ड को दो विकेट मिले। सुयश शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों ने आरसीबी को 19.2 ओवरों मे 155 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया था। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए जेकब बेथेल और विराट कोहली की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज ने जेकब बेथेल (पांच) रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में कगिसो रबाड़ा ने विराट कोहली को आउट कर आरसीबी को दूसरा झटका दिया। विराट कोहली ने 13 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाये। कप्तान रजत पाटीदार (19) को अरशद खान ने आउट किया।

मैच के दौरान बातचीत करते गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और साई सुदर्शन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

155/10 (19.2 ओवर)

जैकब बेथेल का राशिद बो सिराज	05
विराट कोहली का राशिद बो रबाडा	28
देवदत्त पडीक्कल बो राशिद	40
रजत पाटीदार का होल्डर बो अरशद	19
जितेश शर्मा का बटलर बो होल्डर	01
टिम डेविड का होल्डर बो राशिद	09
कृणाल पंड्या का होल्डर बो अरशद	04
रोमारियो शेफर्ड का सुदर्शन बो होल्डर	17
वेंकटेश अय्यर का सुदर्शन बो अरशद	12
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	15
जोश हेजलवुड रन आउट	00

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन** : 1-34, 2-35, 3-79, 4-80, 5-91, 6-96, 7-126, 8-126, 9-155

गेंदबाजी : सिराज 4-0-38-1, रबाडा 4-0-44-1, होल्डर 4-0-29-2, अरशद 3.2-0-22-3, राशिद 4-0-19-2

गुजरात टाइटंस

158/6 (15.5 ओवर)

साई सुदर्शन का जितेश बो भुवनेश्वर	06
शुभमन गिल का कोहली बो भुवनेश्वर	43
जोस बटलर बो भुवनेश्वर	39
वाशिंगटन सुंदर पगबाधा बो शेफर्ड	12
शाहरूख खान का हेजलवुड बो शेफर्ड	08
राहुल तेवतिया नाबाद	27
जेसन होल्डर का पडिक्कल बो सूयश	12
राशिद खान नाबाद	07

अतिरिक्त : 04, **विकेट पतन** : 1-42, 2-57, 3-92, 4-109, 5-111, 6-141

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-28-3, हेजलवुड 4-0-56-0, सूयश 3.5-0-44-1, शेफर्ड 4-0-30-2

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	9	6	3	0	12	0.617
5.	गुजरात टाइटंस	9	5	4	0	10	-0.192
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	8	3	5	0	6	-1.060
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	8	2	6	0	4	-0.784
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-414 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-400 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-15 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-14 विकेट

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पोलार्ड की सलाह- बुमराह के पीछे न पड़ें

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी-कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सत्र अच्छा नहीं जा सकता। उन्होंने भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डाला। बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स के खिलाफ चार ओवर में 54 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मुंबई इंडियन्स ने रेयान रिकेल्टन के नाबाद 123 रन की मदद से पांच विकेट पर 243 रन बनाए लेकिन सनराइजर्स ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत हासिल की। जब संवाददाताओं ने बुमराह की मौजूदा आईपीएल में गेंदबाजी पर सवाल किए तो पोलार्ड ने कहाजब कोई क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा होता है तो हम हर उस पहलू पर गौर करते हैं कि वह अच्छा क्यों नहीं कर रहा है और जसप्रीत बुमराह के मामले में भी कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा उन्होंने वर्षों से ऐसा किया है। एक इंसान होने के नाते आपको भी गलतियां करने, दिन खराब होने, सत्र खराब होने या कुछ महीने खराब जाने का हक है। मुझे बस लगता है कि हमें कभी-कभी उन अच्छी चीजों को याद रखना चाहिए जो उन्होंने की हैं। पोलार्ड ने कहा हां, हम वर्तमान में जीने की कोशिश करते हैं और वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन वह लंबे समय से मुंबई इंडियन्स और भारत के लिए नंबर एक गेंदबाज रहे हैं। कभी-कभी हम क्रिकेटरों को थोड़ी राहत दे सकते हैं क्योंकि हमारी बदकिस्मती है कि हम हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं इसलिए जब हम खराब प्रदर्शन करते हैं तो हमेशा उछाला जाता है। पोलार्ड ने कहा कि इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने से उन्हें लंबे समय में फायदा भी हो सकता है।

हाईलाइट

विश्व टीम टेबल टेनिस में भारत ने स्लोवाकिया को हराया

लंदन। भारत की पुरुष टीम ने यहां आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के रोमांचक ग्रुप सात मुकाबले में वापसी करते हुए स्लोवाकिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ग्रुप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और ग्वाटेमाला के खिलाफ अगले मुकाबले से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली। स्लोवाकिया के खिलाफ मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा लेकिन अंत में भारत ने दबाव में धैर्य और दृढ़ता दिखाते हुए जीत हासिल की। स्लोवाकिया ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली जब दुनिया के 149वें नंबर के खिलाड़ी लुबोमीर पिस्टेज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 51वीं रैंकिंग वाले मानुष शाह को पांच गेम में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हरा दिया।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लेगा 56 सदस्यीय दल

नई दिल्ली। भारत का 56 सदस्यीय मुक्केबाजी दल शुक्रवार से उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत इस प्रतिष्ठित आयु-वर्ग टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में एक मजबूत और संतुलित टीम के साथ उतर रहा है। भारतीय अंडर-17 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में 13-13 मुक्केबाज़ शामिल होंगे। ये मुक्केबाज 44–46 किग्रा से लेकर +80 किग्रा तक के अलग वजन वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ चार कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट भी होगा।

मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी यानिक सिनर मैड्रिड ओपन में राफेल जोडार को 6-2, 7-6(0) से हराकर के अपने पहले सेमीफाइनल पहुंचे। मैड्रिड में जन्मे जोडार हाल ही में कोंडे डी गोडो (बार्सिलोना ओपन) के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट के सरप्राइज पैकेज में से एक रहे हैं, और उन्हें काजा मैजिका में घरेलू मैदान पर मजबूत सपोर्ट मिला। जोडार ने सिनर के खिलाफ सात ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन इटैलियन खिलाड़ी ने एक घंटे, 55 मिनट की जीत में उन सभी को बचा लिया, जिससे बुधवार को उनकी जीत का सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया। बाद में पुरुषों के एक और क्वार्टर फाइनल में, फ्रांस के आर्थर फिल्स ने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-3, 6-4 से हराकर सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ई-सिगरेट मामले में पराग पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर बृहस्पतिवार को मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन पर यह जुर्माना मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान कैमरे पर वेपिंग (ई-सिगरेट) करते पकड़े जाने के बाद खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में लगाया गया।

मंगलवार रात रॉयल्स की पारी के दौरान पराग के इस काम की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। पीटीआई को पता चला है कि मैदानी अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच खत्म होने के तुरंत बाद मैच रेफरी अमित शर्मा को इस मामले की शिकायत नहीं की थी। उन्होंने ऐसा तब किया जब उन्होंने इसका वीडियो सबूत देखा। इसके बाद शर्मा ने आईपीएल के नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए पराग को दोषी पाया। लेवल एक के अपराधों के लिए मैच फीस में से 25 प्रतिशत की कटौती और एक डिमेरिट अंक का प्रावधान है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, रियान ने अपराध और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया है।बयान के अनुसार आईपीएल की साख को बनाए रखने के लिए बीसीसीआई गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।

जब पीटीआई ने बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ संभावित कार्रवाई के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा जैसा कि बयान में साफ-साफ लिखा है हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि टीम के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए। अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके तहत इनका उत्पादन, बिक्री और वितरण पूरी तरह से वर्जित है। कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की जेल और/या एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.21 में कहा गया है कि यह नियम उन सभी प्रकार के आचरणों को अपने दायरे में लाने के लिए बनाया गया है जिनसे खेल की छवि को नुकसान पहुंचता है और जिनका उल्लेख आचार संहिता में कहीं और (विशेष रूप से नियम 2.20 में) स्पष्ट रूप से नहीं किया गया है।

दिल्ली को अपने प्रदर्शन में निरंतरता की जरूरत

जयपुर, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है क्योंकि टीम को शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया वहीं दूसरी तरफ वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सिर्फ 75 रन पर ऑल आउट हो गए। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली एक रन की हार ने दिल्ली को भावनात्मक रूप से काफी चोट पहुंचाई है। तीन जीत और चार हार के साथ वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर हैं और उन्हें जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है।

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल, मुकेश कुमार और कुलदीप यादव और राजस्थान रॉयल्स के ध्रुव जुरेल और रवि बिश्नोई। एजेंसी

राजस्थान का शीर्ष क्रम है बहुत खतरनाक

राजस्थान का शीर्ष क्रम काफी आक्रामक रहा है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बिना किसी डर के जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों का शुरू से ही डटकर सामना किया है तो वहीं यशस्वी जायसवाल भी बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज राजस्थान रॉयल्स की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मैच में उतर रही है। हाल ही में उन्होंने पंजाब किंग्स को इस सत्र की पहली हार का स्वाद चखाया था। यह नौ मैच में टीम की छठी जीत थी। राजस्थान के लिए एक और सकारात्मक बात यह है कि धीमी शुरुआत के बाद अब उनका मध्य क्रम भी लय में लौट आया है। इससे उन्हें अधिक संतुलन मिलता है और पूरी पारी में उन्हें रोकना कठिन हो जाता है।दबाव में चल रहे दिल्ली के आक्रमण के खिलाफ राजस्थान की टीम एक बार अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी।दिल्ली के लिए चीजें साफ हैं। बल्लेबाजों को व्यक्तिगत प्रयासों पर निर्भर रहने के बजाय संपूर्ण प्रदर्शन करने की जरूरत है। स्टार्क की वापसी के साथ गेंदबाजों को रन गति पर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे, विशेषकर आक्रामक शीर्ष क्रम के खिलाफ।

- मजबूत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला आज

टीम

राजस्थान रॉयल्स : शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

मुरलीधरन की चिंता | श्रीलंका के महान स्पिनर ने कहा-कम उम्र से हुनर न सीखना बड़ी वजह

गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर

मुंबई, एजेंसी

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने कम उम्र से ही यह हुनर नहीं सीखा है और टूर्नामेंट के दौरान इस कला को सीखना मुमकिन नहीं है। मुरलीधरन ने कहा कि आजकल स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने और बल्लेबाजों को सोचने पर मजबूर करने की कला नहीं सीखते क्योंकि उनका ध्यान सिर्फ विविधता के जरिए रन रोकने पर रहता है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की छह विकेट की जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा घरेलू क्रिकेट में भी स्पिन गेंदबाजों के लिए हालात ऐसे ही रहे हैं। जब हम क्रिकेट खेलते थे तो एक स्पिनर के तौर पर आपको गेंद को टर्न कराना होता था, यही आपका पहला मकसद होता था। आजकल यह मुख्य बात नहीं रही क्योंकि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोच रहा है। वे वनडे क्रिकेट खेलने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कम उम्र में भी वे सिर्फ तेज गेंदबाजी करने और गेंद में विविधता लाने की कोशिश करते हैं, उसे टर्न कराने की नहीं। उन्हें कम उम्र में यह काबिलियत नहीं मिली होती इसलिए वे 18 या 19 साल की उम्र में आकर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर सकते क्योंकि उनकी मसल मेमोरी पहले से ही वैसी बन चुकी होती हैं।

मुरलीधरन ने कहा जब आप 10, 11 या 12 साल के होते हैं तब गेंद को टर्न कराने की कोशिश करें। हमने इसी तरह सीखा था। बल्लेबाज को छकाने के लिए हमें गेंद को टर्न कराना जरूरी होता है। मुरलीधरन ने कहा कि आईपीएल में स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करना थ्रो-डाउन विशेषज्ञों' के खिलाफ अभ्यास करने जैसा है क्योंकि इसमें बस गेंद की लाइन में आकर उसे जोर से मारना होता है। जब उनसे पूछा गया कि वह और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न बल्लेबाजों के अनुकूल हालात में कैसे खेलते तो मुरलीधरन ने कहा कि वे इतने महंगे साबित नहीं होते। मुरलीधरन ने कहा देखिए हम गेंद को टर्न तो जरूर कराते लेकिन हम कोई बड़ा असर नहीं डाल पाते। शायद हम एक या दो विकेट ही ले पाते। वे (फिर भी) हमारे खिलाफ आसानी से 40 रन बना लेते क्योंकि विकेट इतने अच्छे होते हैं।

उन्होंने कहा शेन वॉर्न भी एक कमाल के खिलाड़ी थे क्योंकि वह गेंद को घुमा सकते थे और चमत्कार कर सकते थे। (लेकिन) खेल अब बदल गया है। हम अलग-अलग दौर की तुलना नहीं कर सकते। जिस तरह से खिलाड़ी बल्लेबाजी करते हैं, खिलाड़ियों की मानसिकता... ये वो चीजें हैं जो बदल गई हैं।

निष्पक्ष विकेट बनाने पर दिया जोर

मुरलीधरन ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच मुकाबले में संतुलन बनाने का एकमात्र तरीका निष्पक्ष विकेट (जिनसे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को समान मदद मिले) तैयार करना है। उन्होंने कहा अगर हम निष्पक्ष विकेट दे सकें, लेकिन फिर दर्शक ऊबने लगेंगे। क्रिकेट प्रेमी और बहुत कम उम्र के क्रिकेटर, टी20 के चाहने वाले बहुत अधिक मनोरंजन चाहते हैं। वे चौके और छक्के देखना चाहते हैं इसलिए इस टूर्नामेंट को इसी तरह से तैयार किया गया है और एक अतिरिक्त खिलाड़ी को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाता है जिससे कि टीम को कम स्कोर पर आउट होने से बचाया जा सके। मुरलीधरन ने कहा यह एक मनोरंजन है।

क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की मजबूत टीम से आज भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

भारत थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा।

भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप सी में शीर्ष पर रही चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं। मौजूदा समय के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक चुन-यी ने पिछले महीने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में लक्ष्य सेन को हराकर खिताब जीता था। टीम में 2025 ऑल इंग्लैंड के उपविजेता चिया हाओ ली भी शामिल हैं। युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

थॉमस कप फाइनल्स